मौसम		
शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	24.9	12.0
जमशेदपुर	26.3	10.8
डालटनगंज	25.8	06.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

www.lagatar.in | शनिवार, 10 फरवरी 2024 ● माघ शुक्ल प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~2~~ ● वर्ष : 1, अंक : 293 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

पलामू जिलान्तर्गत
पलामू पाईपलाईन सिंचाई योजना
का शिलान्यास

₹456.6 करोड़ पलामू पाईपलाईन सिंचाई योजना निर्माण हेतु प्रशासनिक स्वीकृति

योजना की संक्षिप्त विवरणी

उत्तरी कोयल, औरंगा एवं सोन नदी से आएगा जल

कुल 31.397 MCM जल लिफ्ट होगा

योजना से रानीताल डैम, टेमराईन डैम, बूटनडूबा डैम, मलय डैम, पोस्तिया नाला, पनघटवा डैम, कचहड़वाटाँड डैम, कुन्डलवा डैम, वाहेरवधवा नाला डैम, बतरे डैम, धनकई डैम, ताली डैम, सुखनदिया डैम, करमा कलन डैम तथा पाईपलाईन के मार्ग में पड़ने वाले अन्य छोटे-बड़े जलाशय, तालाब एवं आहर में पानी होगा एकत्रित

पलामू जिलान्तर्गत चैनपुर, मेदिनीनगर, सतबरवा, विश्रामपुर, छतरपुर, हुसैनाबाद, हैदरनगर एवं मोहम्मदगंज प्रखण्ड होंगे लाभान्वित

02 वर्ष में योजना पूर्ण करने का लक्ष्य

श्री चम्पाई सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड
के कर-कमलों द्वारा

विशिष्ट अतिथि

श्री आलमगीर आलम
माननीय मंत्री, झारखण्ड

श्री सत्यानंद भोक्ता
माननीय मंत्री, झारखण्ड

गरिमामयी उपस्थिति

श्री विष्णु दयाल राम
माननीय सांसद, पलामू

श्री आलोक कुमार चौरसिया
माननीय विधायक, डाल्टेनगंज

श्री रामचन्द्र सिंह
माननीय विधायक, मनिका

श्री रामचन्द्र चंद्रवंशी
माननीय विधायक, बिश्रामपुर

श्री कमलेश कुमार सिंह
माननीय विधायक, हुसैनाबाद

श्रीमती पुष्पा देवी
माननीय विधायक, छतरपुर

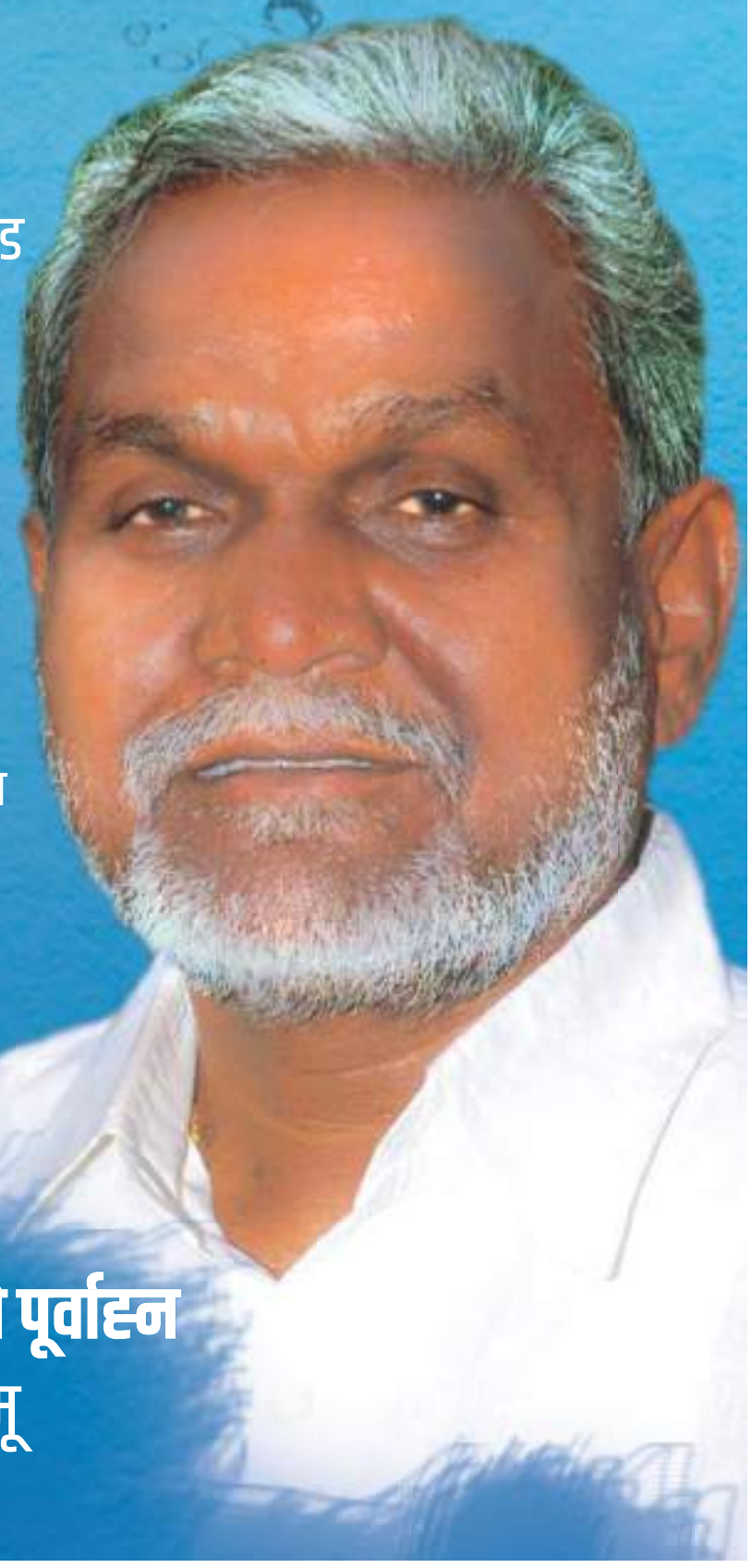

दिनांक : **10 फरवरी, 2024** | समय : **11.30 बजे पूर्वाह्न**
स्थान : शिवाजी मैदान, डाल्टेनगंज, जिला-पलामू

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

जल्द ईडी शुरू करेगी जांचः कृषि विभाग के कई अफसरों पर जांच की आंच

झारखंड में अब ईडी के रडार पर भ्रष्टाचार का कुआं

रवि भारती। रांची

झारखंड में कुआं निर्माण में खूब गोरखधंधा हुआ है. इन कुओं का निर्माण कृषि विभाग और मनरेगा ते तहत किया गया है. जल्द ही इस केस को ईडी टेक ओवर करेगी. जानकारी के अनुसार मनरेगा के तहत कुआं निर्माण में लगभग डेढ़ हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं. फिलहाल इन इन कुओं का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है. इसमें कृषि विभाग के भूमि संरक्षण निदेशालय के कई अफसरों पर भी जांच की आंच आ सकती है.

मनरेगा के तहत कैसे हुआ कुआं निर्माण : मनरेगा के तहत कुओं का निर्माण दो तरह से हुआ है. कुओं का डायमीटर 12 फीट और गहराई 35 फीट तय की गई थी. जिस कुएं के निर्माण में बोल्डर का इस्तेमाल हुआ है. उसकी लागत 2.96 लाख रुपये है. जिस कुएं के निर्माण में बोल्डर के साथ ईंट का भी इस्तेमाल हुआ है. उसकी उसकी लागत 3.68 लाख रुपये आई है. प्रावधान के तहत 2.96 लाख की लागत के कुएं के निर्माण में 916 मानव दिवस और 3.68 लाख लागत के कुआं में 932 मानव दिवस के सृजन का प्रावधान किया गया था. यानी एक कुएं के निर्माण के लिए अधिकतम करीब तीन महीने का समय तय किया गया था.

इन जिलों के कुओं की होगी जांच

रांची, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, गढ़वा, डालटनगंज, लातेहार, बोकारो, गिरिडीह, धनबाद, कोडरमा, चतरा, दुमका, जामताड़ा, साहिबगंज, पाकुड़, देवघर और गोड्डा में बने कुएं के निर्माण पर जांच की आंच है. इससे पहले भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने इन जिलों के डीसी को पत्र लिख कर कुओं के निर्माण का भौतिक सत्यापन करने का आग्रह किया था.

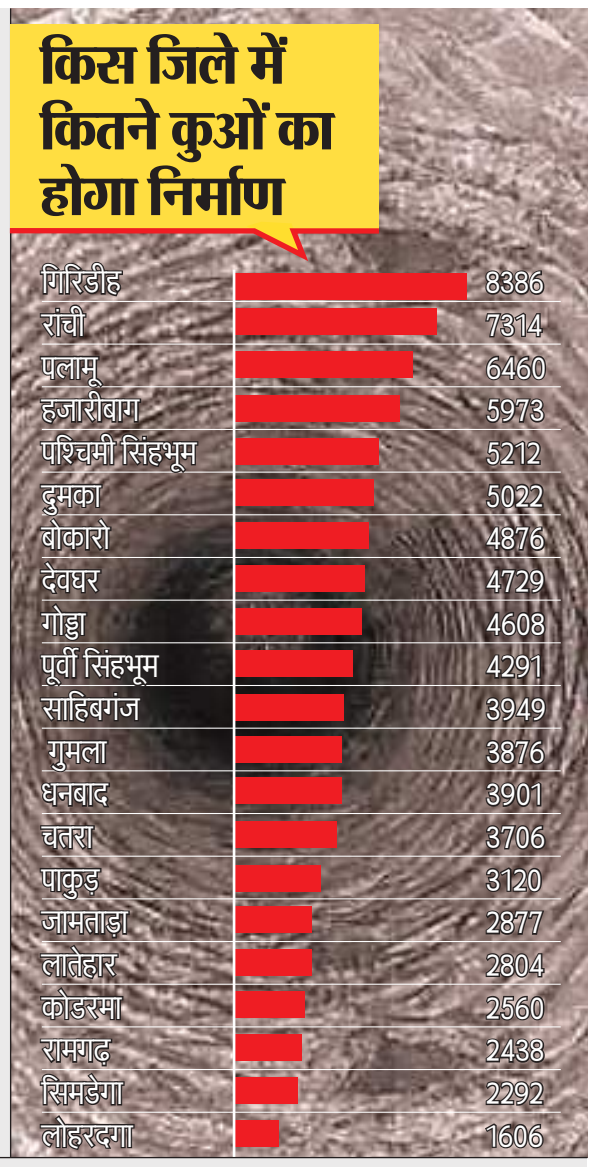

56 हजार से अधिक कुआं निर्माण को मिल चुकी है स्वीकृति

राज्य में मनरेगा के तहत सभी जिलों में सिंचाई के लिए कुल 56191 कुओं की योजना स्वीकृत की गई. सरकार द्वारा लागू एस्टीमेट के अनुसार इतने कुओं के निर्माण पर लगभग डेढ़ हजार करोड़ रुपए खर्च किया गया. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 49785 योजनाएं स्वीकृत की गई थीं. इसके बाद फिर 6406 योजनाएं स्वीकृत की गईं.

किस जिले में कितने कुओं का होगा निर्माण

गिरिडीह	8386
रांची	7314
पलामू	6460
हजारीबाग	5973
पश्चिमी सिंहभूम	5212
दुमका	5022
बोकारो	4876
देवघर	4729
गोड्डा	4608
पूर्वी सिंहभूम	4291
साहिबगंज	3949
गुमला	3876
धनबाद	3901
चतरा	3706
पाकुड़	3120
जामताड़ा	2877
लातेहार	2804
कोडरमा	2560
रामगढ़	2438
सिमडेगा	2292
लोहरदगा	1606

अब एक लाख कुओं का होगा निर्माण

अब राज्य में बिरसा सिंचाई कूप योजना के तहत एक लाख कुओं निर्माण होगा. इसके तहत पहले चरण में 30 हजार और दूसरे चरण में 70 हजार कूप का निर्माण किया जाना है. सरकार वित्तीय वर्ष 2023-24 में 50 हजार एवं 15 नवंबर 2024 तक शेष 50 हजार कूप का निर्माण कार्य पूर्ण करेगी. योजना में बिरसा हरित ग्राम, कृषि कार्य से संबंधित लाभुक, बाबा साहेब आंबेडकर आवास योजना के लाभार्थी को प्राथमिकता देने की योजना है.

अमित अग्रवाल की बेल पर फैसला सुरक्षित

रांची। लैंड स्कैम के आरोपी अमित अग्रवाल की जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई. न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट ने सभी पक्षों की बहस और दलील सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख किया है. रांची के बड़गाईं अंचल के बरियातू स्थित सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद बिक्री से जुड़े इस केस में ईडी छवि रंजन, विष्णु अग्रवाल, भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम, अमित अग्रवाल व दिलीप घोष के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है.

जेएसएससी परीक्षा प्रश्नपत्र लीक केस

पुलिस दो लोगों से कर रही पूछताछ

संवाददाता। रांची

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले में रांची पुलिस ने बड़ी कार्रवाई है. एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर गठित एसआईटी की टीम पटना और चेन्नई से इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. पूछताछ के दौरान सबूत पाए जाने पर दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जाएगा. इस मामले में एसएसपी ने बताया कि इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है.

एसआईटी का किया गया है गठन

जेएसएससी की सीजीएल परीक्षा में हुए प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने एसआईटी का गठन किया है. रांची के सदर डीएसपी संजीव कुमार बेसरा के नेतृत्व में स्पेशल टास्क फोर्स गठित की गई है. एसआईटी में चार पुलिस निरीक्षक समेत कई पुलिसकर्मी शामिल हैं. रांची एसएसपी ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है. गौरतलब है कि जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा 28 जनवरी 2024 को हुई थी. लेकिन परीक्षा से पहले ही प्रश्न पत्र लीक हो गया था. इस घटना के बाद तत्कालीन सदर डीएसपी के नेतृत्व में एसआईटी बना था, लेकिन उनका ट्रांसफर हो जाने के कारण अब फिर से एसआईटी गठन किया गया है. एसआईटी को जल्द से जल्द अभियुक्तों की शिनाख्त और उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया गया है.

मार्च से व्हाट्सएप पर मिलेगा बिजली बिल, भुगतान भी होगा

संवाददाता। रांची

मार्च महीने से जेबीवीएनएल (जेबीवीएनएल) अपने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए व्हाट्सएप और एसएमएस पर भी उपलब्ध होगा. उपभोक्ता व्हाट्सएप चैट के माध्यम से बिजली बिल प्राप्त और भुगतान भी कर सकते हैं. वहीं कोई शिकायत है तो उसे भी दर्ज करा सकते हैं. साथ ही कई अन्य सुविधा का लाभ भी उपभोक्ता ले सकते हैं. यह सुविधा माह मार्च से शुरू हो जाएगी. यह जानकारी देते हुए जेबीवीएनएल के आईटी जीएम संजय कुमार सिंह ने बताया कि इसकी तैयारी अंतिम चरण में है. मार्च में इसे लॉन्च कर दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं के बिजली बिल की समस्या, गलत बिलिंग की समस्या, समय पर बिजली बिल नहीं मिलने की शिकायत को देखते हुए यह नई सुविधा शुरू करने जा रही है.

ऐसे मिलेगा इस सुविधा का लाभ : जेबीवीएनएल लोगों से इस सुविधा का लाभ लेने की अपील कर रहा है. इसका लाभ लेने के लिए लोगों को अपना केवाईसी अपडेट कराना होगा. अपने बिजली बिल में अपना मोबाइल नंबर दर्ज कराना होगा. मोबाइल नंबर बिजली बिल में ऊर्जा मित्र के माध्यम से या फिर नजदीकी बिजली ऑफिल जाकर उपभोक्ता जुड़वा सकते हैं.

चंपाई सरकार के कैबिनेट की दूसरी बैठक 12 को

संवाददाता। रांची

चंपाई सरकार के कैबिनेट की दूसरी बैठक 12 फरवरी को होगी. इससे पहले दो फरवरी को चंपई सरकार की पहली बैठक हुई थी, जिसमें तीन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई थी. 12 फरवरी को होने वाली बैठक की जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने दे दी है. इस बैठक में भी सिर्फ दो मंत्री आलमगीर आलम और सत्यानंद भोक्ता ही शामिल होंगे. इसकी वजह यह है कि 16 फरवरी को कैबिनेट का विस्तार होना है.

अंतिम व्यक्ति का योजनाओं के लाभ पहुंचाने पर सरकार का जोर : चंपाई सरकार का जोर अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर है. खुद सीएम चंपाई सोरेन कह चुके हैं कि आंदोलनकारियों के सपनों को मजबूत किया जाएगा. दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में योजनाओं के लाभ से वंचित ग्रामीणों को हेमंत सोरेन द्वारा शुरू की गई योजना को और अधिक तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा. ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के किसानों, मजदूरों, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा. कानून व्यवस्था बनाए रखी जाएगी और सभी क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाएगा, प्राथमिकता दी जाएगी.

झारखंड में पश्चिमी विक्षोम का असर, हवाओं ने बढ़ाई ठंड

शीतलहर ने गिराया पारा, 12 से बारिश के आसार

संवाददाता। रांची

झारखंड में पश्चिमी विक्षोभ का असर कई जिलों में देखने को मिला. दिन में धूप होने के बावजूद हवाओं ने ठंड का एहसास दिलाया. पिछले 24 घंटों में राज्य में मौसम शुष्क रहा. सबसे अधिक उच्चतम तापमान 28.8 डिग्री से. चाईबासा में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री से. गढ़वा में दर्ज किया गया. मौसम विभाग द्वारा जारी डेटा के अनुसार शनिवार से आंशिक बादल छाए रहेंगे. वहीं 12 फरवरी से राज्य के उत्तरी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में (रांची, रामगढ़, लोहरदगा, लातेहार, हजारीबाग, गिरिडीह, बोकारो, धनबाद, देवघर, जामताड़ा, पलामू, गढ़वा, चतरा) कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के दर्जे की वर्षा हो सकती है. वहीं 13 से 15 फरवरी तक राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हो सकती है. बता दें राज्य में अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. वहीं बादल के कारण तापमान में 3-4 दिनों में धीरे-धीरे 3-5 डिग्री से. की वृद्धि हो सकती है.

20 फरवरी के बाद ठंड से मिलेगी राहत

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि 15 फरवरी तक झारखंड में बारिश के आसार है. उसके बाद बादल छंटने के बाद कहीं-कहीं घने कोहरे और तामपान की गिरावट की संभावना है. 20 फरवरी तक ठंड से राहत मिल सकती है. उन्होंने बताया कि वर्तमान में भी धूप बहुत तेज है, लेकिन पश्चिमी विक्षोभ के कारण ठंडी हवा चल रही है, जिससे ठंड बनी हुई है.

शहर का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	23.0	9.7
जमशेदपुर	28.1	10.8
डालटनगंज	25.9	6.7
बोकारो थर्मल	26.1	9.1
चाईबासा	28.8	10.0
देवघर	25.9	7.5
गिरिडीह	23.7	9.4
गढ़वा	23.3	5.2
लोहरदगा	23.0	7.8
गोड्डा	23.5	7.8

एक ही जिले में तीन साल से तैनात 2703 सब इंस्पेक्टरों का तबादला

रांची। एक ही जिले में तीन साल से अधिक समय तक पदस्थापित 2703 सब इंस्पेक्टरों का तबादला हुआ है. इससे संबंधित अधिसूचना झारखंड पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी कर दी गयी है. जारी अधिसूचना में कहा गया हैं कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर यह तबादला किया गया है. साथ ही जिले के एसएसपी, एसपी को निर्देश दिया गया है. जिन सब इंस्पेक्टरों का उनके जिलों से तबादला हुआ हैं, उन्हें विरमित कर पुलिस मुख्यालय को अनुपालन प्रतिवेदन सुनिश्चित करने को कहा गया है.

राहुल गांधी की याचिका पर हुई सुनवाई, फैसला सुरक्षित

रांची। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को आंशिक सुनवाई हुई. हाईकोर्ट के न्यायाधीश अंबुज नाथ की कोर्ट ने आंशिक सुनवाई करते हुए प्रतिवादी को लिखित बहस कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने का आदेश दिया है. इस मामले में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है. यहां बता दें कि साल 2018 में लोकसभा चुनाव के पूर्व राहुल गांधी ने चाईबासा में एक सभा को संबोधित करते हुए भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मौजूदा देश के गृह मंत्री अमित शाह पर विवादित टिप्पणी की थी. इससे आहत होकर प्रार्थी नवीन ने रांची के सिविल कोर्ट में शिकायतवाद दर्ज कराई थी.

विधायक शिल्पी की भानु को सलाह अपनी किडनी अपने पास रखिए...

मुझे बच्चों से बहस नहीं करनी है : भानु

शिल्पी की इस पोस्ट पर भानु प्रताप शाही ने रिएक्ट किया और कहा कि मुझे बच्चों से बहस नहीं करनी है. प्यारी बेटी शिल्पी एक दो बार और एमएलए बन लो, तब अपना और पराया सब समझ में आ जाएगा. भानु ने कहा कुछ रिश्ते पार्टी से ऊपर होते हैं और शिल्पी अभी सिर्फ पार्टी स्तर से चीजें देख रही है. राजनीति से ऊपर रिश्ते को समझने में शिल्पी को अभी वक्त लगेगा.

प्रमुख संवाददाता। रांची

कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की और भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही एक दूसरे को सोशल मीडिया पर सलाह दे रहे हैं. 6 फरवरी को विधानसभा में भानु प्रताप शाही ने सदन के अंदर कहा कि अगर पूर्व विधायक बंधु तिर्की को किडनी देना पड़े, तो वे अपनी किडनी देने से पीछे नहीं हटेंगे. उस वक्त सदन के अंदर बंधु तिर्की की बेटी शिल्पी नेहा तिर्की भी मौजूद थीं. हालांकि सदन में उन्होंने इसपर कुछ नहीं कहा.

गले लगा कर पीठ में छुरा घोंपना कोई आपसे सीखे : बाद में ट्विटर (एक्स) पर शिल्पी नेहा तिर्की ने भानु प्रताप शाही से कहा कि अपनी किडनी अपने पास रखिए. आपको उसकी जरूरत किसी और से ज्यादा है. जिस व्यक्ति ने हमारी हार की साजिश के पीछे अपनी पूरी ताकत झोंक दी, वह आज अपनी तथाकथित दोस्ती की खातिर किडनी देने की बात कर रहा है. एक तरफ गले लगाना और दूसरी तरफ पीठ में छुरा घोंपना कोई आपसे सीखे.

सांसद निशिकांत दुबे को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

रांची। झारखंड हाईकोर्ट से गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे को बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत ने निशिकांत दुबे की याचिका पर सुनवाई करते हुए डिस्चार्ज पीटीशन खारिज किए जाने के निचली अदालत के फैसले को रद्द कर दिया है. निशिकांत दुबे की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव और अधिवक्ता पार्थ जालान ने अदालत में पक्ष रखा. यह मामला गोड्डा में सड़क जाम करने से जुड़ा हुआ है. निशिकांत दुबे के खिलाफ जिला प्रशासन ने वर्ष 2010 में प्राथमिकी दर्ज करवाई थी, जिसे रद्द करने की मांग को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी.

LOST & FOUND

I Rupali Basu, W/o Late Ranjit Kumar Basu, hereby notify that the 567 original Share Certificates of RPG Life Sciences Limited (Folio No: PR000008, Certificate No: 3388, Start Dist No: 970025, End Dist No : 970591) of my deceased husband was lost near Kantatoli, Ranchi, Jharkhand. NCR was filled 30.01.2024 in Lower Bazar P.S. Finder can call at 78588 01901.

CLASSIFIED

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,200
चांदी (किलो)	76,000

पेज 12

www.lagatar.in ● शनिवार, 10 फरवरी 2024 ● माघ शुक्ल प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 293 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

कर्पूरी ठाकुर और आडवाणी के बाद तीन और भारत रत्न

नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह और स्वामीनाथन को

भारत रत्न

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ट्वीट करके एक्स पर तीन हस्तियों को भारत रत्न दिए जाने का एलान किया. इनमें किसान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन शामिल हैं. इससे पहले 23 जनवरी को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर और 3 फरवरी को देश के पूर्व-उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने का एलान हो चुका है. चुनावी साल में एक के बाद एक पांच हस्तियों को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं. सियासी जानकार कह रहे हैं कि इससे मोदी सरकार ने अलग-अलग राज्यों में कई समीकरण साध लिए हैं. आइए जानते हैं इन शख्सियतों के जरिए भाजपा ने कैसे और किन समीकरणों को साधा है...

1. चौधरी चरण सिंह (पूर्व प्रधानमंत्री)

चौधरी चरण सिंह की किसानों के मसीहा के रूप में पहचान रही है. लोकसभा चुनाव में पश्चिमी यूपी, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली की जाट बहुल सीटों पर चरण सिंह को इसका असर पड़ सकता है. इन इलाकों की करीब 40 सीटें ऐसी हैं, जहां जाट वोटरों का असर है. चरण सिंह के पोते और रालोद के मुखिया जयंत चौधरी की भाजपा के साथ जाने की अटकलें पिछले कई दिनों से हैं. चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने के बाद जयंत ने ट्वीट किया, दिल जीत लिया. जयंत अगर भाजपा के साथ जाते हैं, तो पश्चिमी यूपी में भाजपा को फायदा हो सकता है. माा जा रहा है कि जयंत चौधरी जल्द ही एनडीए में शामिल हो जाएंगे.

2. पीवी नरसिम्हा राव (पूर्व प्रधानमंत्री)

विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि पीएम मोदी पंडित नेहरू की हमेशा आलोचना करते हैं. राव को मरणोपरांत भारत रत्न देना विपक्ष को करारा जवाब इसलिए भी है, क्योंकि भाजपा लगातार आरोप लगाती है कि कांग्रेस ने बतौर पीएम राव के योगदान को हमेशा नजरअंदाज किया. यहां तक कि मोदी के आलोचक मणिशंकर अय्यर ने तो एक बार राव को भाजपा का पहला पीएम तक करार दे दिया था. कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने राव को भारत रत्न देने की घोषणा का स्वागत किया है. इस बारे में पूछे जाने पर सोनिया गांधी ने कहा, मैं इसका (घोषणा) स्वागत करती हूं. क्यों नहीं?

3. एमएस स्वामीनाथन (कृषि क्रांति के जनक)

बतौर वैज्ञानिक उनकी बेमिसाल उपलब्धियां रही हैं. इसके अलावा उनकी शख्सियत दक्षिण भारत के प्रतिभावान लोगों का भी प्रतिनिधित्व करती रही है. स्वामीनाथन को मरणोपरांत भारत रत्न देने से दक्षिण को साधने की मोदी सरकार की रणनीति को और मजबूती मिल सकती है. स्वामीनाथन कृषि क्रांति के जनक थे. उन्हें भारत रत्न देने से दक्षिण के साथ ही भाजपा की किसानों को साधने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है.

साधे गए कौन से सियासी समीकरण

भारत रत्न मिलने पर क्या-क्या सुविधाएं मिलती हैं?

कई दूसरे अवॉर्ड्स की तरह भारत रत्न अवॉर्ड पाने वाले व्यक्ति को रकम नहीं दी जाती है. इसे पाने के बाद कई प्रकार की सुविधाएं दी जाती है. भारत रत्न से सम्मानित व्यक्ति अगर किसी राज्य में जाते हैं तो वहां की सरकार राज्य के अतिथि के रूप में उनका स्वागत करती है. उन्हें परिवहन, बोर्डिंग और राज्य में ठहरने की सुविधा दी जाती है. नियम के आधार पर विस्तारित सुरक्षा भी दी जाती है. भारत रत्न पाने वालों को अहम सरकारी कार्यकर्मों में शामिल होने के न्योता मिलता है. भारत रत्न प्राप्त करने वालों को सरकार वॉरंट ऑफ प्रेसिडेंस में जगह देती है, जिसका इस्तेमाल सरकारी कार्यक्रमों में वरीयता देने के लिए होता है.

भाजपा ने चित की विपक्षी सियासत?

भाजपा को इस बार भारत रत्न से विपक्ष की सियासी दीवार को ढहाने का मौका हाथ लगा है. जानकारों के मुताबिक चार बड़े नाम के साथ न सिर्फ पिछड़े दलित और किसानों को साधा गया, बल्कि नरसिम्हा राव के साथ दक्षिण में भी भाजपा ने बड़ा शॉट लगाया है. शुक्रवार को भारत रत्न के घोषित तीनों नामों से भाजपा के चुनावी नफा-नुकसान का आंकलन होने लगा. विश्लेषक कहते हैं कि कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने के बाद बिहार में उथल-पुथल मची. ठीक उसी तरह चौधरी चरण सिंह लेकर भी होगा. खासकर पश्चिमी यूपी की राजनीति में भाजपा को बड़ा समर्थन मिल सकता है.

ब्रीफ खबरें

बजट सत्र का आखिरी दिन, आज होगा कुछ बड़ा

नयी दिल्ली। बजट सत्र के आखिरी दिन यानी शनिवार को भाजपा ने अपने दोनों सदनों के सभी सांसदों को मौजूद रहने को कहा है. भाजपा ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी किया है. क्या संसद में कल कुछ बड़ा होने वाला है? ऐसी अटकलें तेज हैं कि केंद्र सरकार शनिवार को दोनों सदनों में राम मंदिर पर चर्चा कराएगी. दरअसल संसद में सीधे राम मंदिर पर चर्चा नहीं हो सकती है. ऐसे में संसद के दोनों सदनों में राम मंदिर पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश होगा. इसे लेकर भाजपा ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी कर दिया है.

भ्रामक सूचनाएं फैलाने पर लगेगी लगाम

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं फैलाने या डीप फेक जैसे मुद्दों से कठोरता से निपटने के लिए नियमों में बदलाव तथा सोशल मीडिया मंचों की जवाबदेही तय करने की व्यवस्था की जा रही है, ताकि इस समस्या पर अंकुश लगाया जा सके.

देश में अब 97 करोड़ मतदाता

नयी दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को कहा कि इस साल के लोकसभा चुनाव में लगभग 97 करोड़ भारतीय मतदान करने के पात्र होंगे. इनमें करीब 66 फीसदी युवा हैं.

विपक्ष के लिए भ्रष्टाचार ही आस्था

नयी दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि विपक्षी दलों के लिए भ्रष्टाचार ही आस्था है, इसी में पूरा का पूरा विपक्ष डूबा हुआ है. लोकसभा में सरकार द्वारा पेश श्वेत पत्र पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच काफी नोक-झोंक हुई.

अबुआ आवास योजना 24827 लाभुकों के अकाउंट में ट्रांसफर किए 74.48 करोड़

केंद्र का सौतेला व्यवहार

शुभम संदेश टीम। जमशेदपुर/ रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा है कि ईडी एक राजनीतिक पार्टी के इशारे पर काम कर रही है. अगर इस पर रोक नहीं लगी, तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा. लेकिन इन तमाम साजिशों के बावजूद हमारा गठबंधन मजबती के साथ खड़ा है. सीएम शुक्रवार को जमशेदपुर के गोपाल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने 24827 लाभुकों के बीच अबुआ आवास योजना का स्वीकृति पत्र वितरित किया और लाभुकों के लिए 74.48 करोड़ रुपए जारी किया. योजना की पहली किस्त भी सीएम ने लाभुकों के अकाउंट में डीबीटी के जरिए ट्रांसफर किया. पक्का मकान बनाने के लिए योजना के तहत सरकार पांच किस्त में हर लाभुक को दो लाख रुपए देगी.

केंद्र ने पीएम आवास योजना का पैसा भी बंद कर दिया : सीएम ने कहा कि केंद्र ने पीएम आवास योजना के पैसे देने बंद कर दिए, तो हेमंत सोरेन ने यह फैसला किया. कहा कि हम अपने लोगों को तीन कमरे का आवास देंगे. उन्होंने कहा कि इस धनी प्रदेश के लोगों के तन पर वस्त्र नहीं है, पैरों में चप्पल नहीं है. उन्हें बेहतर शिक्षा मिल सके, इसके लिए मॉडल स्कूल बनाए गए. सावित्री बाई फुले के नाम पर शुरू हुई योजना का लाभ हर बच्ची को मिल रहा है. झारखंड के आदिवासी, मूलवासी बच्चों को पढ़ने के लिए विदेश तक भेजा गया.

30 लाख बिजली उपभोक्ताओं का बिल हो जाएगा जीरो : सीएम ने कहा कि अब 30 लाख बिजली उपभोक्ताओं का बिल जीरो हो जाएगा. पहले हेमंत ने 100 यूनिट बिजली फ्री कर दी था. इसकी वजह से 21 लाख कंज्यूमर का बिजली बिल फ्री हो गया है. अब 125 यूनिट फ्री बिजली देंगे. उन्होंने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार करने का भी आरोप लगाया. कहा कि झारखंड में निजी अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज नहीं होता.

हेमंत के नेतृत्व में संघर्ष किया

सीएम ने कहा कि 2019 में हमने हेमंत बाबू के नेतृत्व में संघर्ष किया. चुनाव जीता. बहुमत की सरकार बनी. लेकिन, इसके बाद से ही हमारी सरकार को गिराने का षड्यंत्र शुरू हो गया था. लेकिन, हेमंत सोरेन के कुशल नेतृत्व के आगे किसी की एक न चली. कोरोना काल में जब पूरा देश ठप हो गया था. तब भी हेमंत सोरेन ने झारखंड के लोगों को अपने घर तक पहुंचाया. अस्पतालों में वेंटिलेटर नहीं थे, उसकी व्यवस्था की. उन्होंने कहा कि आज हर परिवार को दो से तीन हजार रुपए पेंशन मिल रही है.

बोले सीएम

- राजनीतिक पार्टी के इशारे पर काम रही ईडी
- रोक नहीं लगी, तो खतरे में पड़ जाएगा लोकतंत्र
- सरकार बनने के साथ गिराने का शुरू हो गया था षड्यंत्र

2,92,624 परिवारों को लाभः डीसी

डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने बताया कि कोल्हान प्रमंडल में 2,92,624 परिवार को आवास योजना का लाभ मिलेगा. इस योजना में 20 लाख लोगों को पक्का मकान बनाने के लिए राशि दी जाएगी. हर लाभुक को 2 लाख की आर्थिक मदद मिलेगी. कार्यक्रम में सांसद महुआ माजी, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, जोबा मांझी, बन्ना गुप्ता, दीपक बिरुवा, निरल पुर्ति, सुखराम उरांव, सबिता महतो, संजीव सरदार, मंगल कालिंदी, समीर मोहंती और सोनाराम सिंकु, हिदायतुल्लाह खान, सीएम के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे, कोल्हान के आयुक्त सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे.

सीएम सोन-कोयल-औरंगा परियोजना का आज शिलान्यास करेंगे

संवाददाता। मेदिनीनगर

जिले के शिवाजी मैदान से मुख्यमंत्री चंपई सोरेन शनिवार को सोन-कोयल-औरंगा पाइपलाइन परियोजना का शिलान्यास करेंगे. मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से चियांकी हवाईअड्डे पर उतरेंगे और सड़क मार्ग से शिवाजी मैदान पहुंचेंगे. शिवाजी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मुख्यमंत्री गढ़वा के लिए प्रस्थान करेंगे. मुख्यमंत्री बनने के बाद चंपाई सोरेन का यह पहला पलामू दौरा है.सीएम के दौरे को लेकर पलामू जिला प्रशासन ने भी तैयारी कर ली हैं. पलामू डीसी शशि रंजन और एसपी रिष्मा रमेशन ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया और अधिकारियों को कई निर्देश दिये हैं. सीएम के कार्यक्रम के दौरान कई बड़े नेताओं के मौजूद रहने की उम्मीद है.

परियोजना के लिए 436 करोड़ रुपए की मंजूरी : पलामू डीसी शशि रंजन ने बताया कि मुख्यमंत्री पाइपलाइन परियोजना की आधारशिला रखने वाले हैं, जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है. राज्य सरकार ने सोन-कोयल-औरंगा पाइपलाइन परियोजना के लिए 436 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है. इस प्रोजेक्ट पर पिछले चार साल से काम चल रहा है. इस परियोजना के तहत जुलाई से अक्टूबर तक सोन नदी, कोयल नदी और औरंगा नदी से पानी उठाकर पलामू के विभिन्न जलाशयों को भरा जाएगा. इस परियोजना के तहत पलामू के 11 प्रखंडों को सीधा लाभ मिलेगा. 13 विभिन्न जलाशयों को पानी से भरा तीनों नदियों से 31.397 एमसीएम पानी उठाया जाएगा. छतरपुर क्षेत्र के बटारे, सुखनदिया, करमाकला विश्रामपुर धनकाई और ताली बांध में पानी भरा जाएगा. कोयल नदी से चैनपुर के कल्याणपुर तक पाइपलाइन के जरिए पानी पहुंचाया जाएगा और टेमराई, बुटनडुबा और मेदिनीनगर के कई जलाशयों को भरा जाएगा. वहीं मलय, कुन्देलवा, कचरवा, पनघटवा बांध को औरंगा नदी के पानी से भरा जाएगा.

पीटीआई के निर्दलीय उम्मीदवार हो सकते हैं गेमचेंजर

पाक सेना पर भारी पड़े जेल में बंद इमरान!

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान में भारी उथल-पुथल के बीच 8 फरवरी को संसदीय चुनाव हुए. फिलहाल वोटों की गिनती जारी है. चुनाव से पहले नवाज शरीफ की पार्टी को फ्रंटरनर बताया जा रहा था. लेकिन जेल के भीतर से चुनाव की कमान संभाल रहे इमरान खान ने सभी को चौंका दिया है. उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थित उम्मीदवार सबसे आगे चल रहे हैं. इमरान की पार्टी के समर्थित उम्मीदवारों ने सेना की पसंद माने जा रहे पीएमएलएन चीफ नवाज शरीफ की पार्टी को फिलहाल रेस में पीछे छोड़ दिया है. इमरान को जेल में रखने का एक मकसद उन्हें चुनावी दौड़ से दूर रखना भी माना जा रहा था. लेकिन रुझानों के मुताबिक उनकी पार्टी के समर्थित उम्मीदवारों की जीत ने सेना के मंसूबों पर पानी फेर दिया है. ऐसे में कयास लगने लगे हैं कि अब समय आ गया है कि पाकिस्तानी सेना को आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है. पाकिस्तान के राजनीतिक इतिहास में 9 फरवरी अब एक महत्वपूर्ण तारीख बन गई है. देश परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है लेकिन चुनाव के नतीजों पर संशय बना हुआ है. पीटीआई समर्थित उम्मीदवार इंटरनेट पर रोक और निर्वाचन क्षेत्रों के लिए स्पष्ट निर्देशों की कमी जैसी चुनौतियों को पार करते हुए रेस में आगे हैं. चुनाव आयोग ने इमरान खान की पार्टी पीटीआई के चुनाव चिह्न बैट को रद्द कर दिया था, जिसके बाद उनकी पार्टी के उम्मीदवार निर्दलीयों के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं. अब यही निर्दलीय सेना का गेम बिगाड़ सकते हैं.

इमरान का एआई दांव

कई मामलों में दोषी ठहराए गए इमरान खान जेल के भीतर से ही चुनाव प्रचार की कमान संभाले हुए हैं. पीटीआई की चुनावी टीम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और तकनीक का इस्तेमाल कर मतदाताओं तक पहुंच बना रही है. इमरान खान के भाषणों और बयानों को एआई टूल के जरिए प्रचारित किया जा रहा है और उनके भाषणों को वीडियो में तब्दील किया गया ताकि लोग अपने नेता से कट नहीं पाए. इस तरह तकनीक और चुनावी रणनीति से इमरान खान की पार्टी एक तरह से सेना पर भारी पड़ती नजर आ रही है.

ढाई करोड़ ने गंगा में लगाई डुबकी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की संगम नगरी प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर शुक्रवार लगभग ढाई करोड़ लोगों ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई.

पलटवार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने गावां में कई योजनाओं का किया शिलान्यास

चोर कभी नहीं कहता कि उसने चोरी की है : बाबूलाल

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी शुक्रवार को गिरिडीह जिले के गावां प्रखंड पहुंचे. उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद झामुमो नेता आरोप लगाते फिर रहे हैं कि भाजपा उन्हें परेशान कर रही है. यह झूठ है. चोरी करेंगे, तो जेल जाना ही होगा. कोई भी चोर कभी नहीं कहता कि उसने चोरी की है. यदि हेमंत निर्दोष हैं, तो उन्हें कोर्ट में साक्ष्य के साथ अपनी बात रखना चाहिए.

मरांडी गावां में सड़क व तालाब की कई योजनाओं के शिलान्यास के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. कहा कि जेल तो हेमंत के पिता शिबू सोरेन को भी सांसद रिश्वत कांड में जेल जाना पड़ा था. उस समय केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, जिसने सरकार बचाने के लिए झामुमो सांसदों को रुपए दिए थे. सीबीआई जांच में मामले के उद्भेदन के बाद उन्हें जेल जाना पड़ा था. शशिनाथ झा हत्याकांड में भी वे भागते फिर रहे थे. उस समय भी भाजपा की सरकार नहीं थी. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है. हेमंत के करीबी विनोद सिंह के घर से छात्रों के एडमिट कार्ड, मोबाइल चैट के दस्तावेज आदि बरामद हुए हैं. इससे साफ जाहिर है कि वहां नौकरी के लिए सौदेबाजी हो रही थी. मोबाइल चैट में ट्रांसफर-पोस्टिंग का जिक्र है. मौजूदा सीएम चंपाई सोरेन को चाहिए कि जिस एजेंसी ने 6 लाख बच्चों के साथ भविष्य से खिलवाड़ किया है, उस पर केस दर्ज कराएं.

इन योजनाओं की रखी आधारशिला

इससे पूर्व मरांडी ने गावां में करोड़ों रुपए की लागत से बनने वाली 3 सड़कों, एक तालाब के जीर्णोद्धार सहित कई योजनाओं की आधारशिला रखी. उन्होंने सबसे पहले गावां पुरनकी आहार में तालाब जीर्णोद्धार के लिए भूमि पूजन किया. इसके बाद साढ़ा मोड़ से कुम्हैना, मंझने पंचायत के बंगालीबारा से तिलैया के बीच सड़क निर्माण का शिलान्यास किया. पिहरा में क्षेत्र दौरा कर लोगों की समस्याएं सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया. जमडार में भी सड़क की आधारशिला रखी. कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के हर गांव को मुख्य पथ से जोड़ा जा रहा है.

कई लोग भाजपा में हुए शामिल

पिहरा भ्रमण के क्रम में मरांडी मालडा मंडल भाजपा अध्यक्ष आनन्दी यादव के आवास पर थोड़ी देर के लिए रुके. उनकी उपस्थिति में सामाजिक कार्यकर्ता पप्पू यादव अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए. भाजपा ज्वाइन करने वालों में पवन गुप्ता, नीतीश कुमार, मथुरा यादव, संदीप कुमार गुप्ता, सुनील मिस्त्री, टुन्नू मिस्त्री, नन्दलाल साव, राजेश गुप्ता आदि शमिल हैं. बाबूलाल ने सभी को अंगवस्त्र देकर पार्टी में स्वागत किया.

गुमला में जमीन विवाद को लेकर दो गुटों के बीच हिंसक झड़प

टांगी से काट कर 3 की हत्या

संवाददाता। गुमला

सिसई के सकरोली व पोटरो में जमीन विवाद में शुक्रवार को एक ही परिवार के दो गुटों के बीच हुए हिंसक झड़प के दौरान तीन लोगों को टांगी से काट कर हत्या कर दी गई. मृतकों में नागेश्वर, मुन्ना साहू व पवन साहू के नाम शामिल हैं. तीनों रिश्ते में भाई-भतीजा हैं. तीनों सकरौली गांव के रहने वाले थे, जबकि इस हमले में मृतकों का ही रिश्तेदार विकास साहू गंभीर रूप से घायल हैं. उसे सिसई रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया. यह घटना

सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरेश यादव व सिसई थाना प्रभारी दल बल के साथ मौके पर पहुंचे. घटना की तहकीकात की तथा शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया. इसके बाद पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले बाप बेटे सहित तीन हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार लोगों में शिव कुमार साहू, नंनद किशोर व सत्येन्द्र शामिल हैं. पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही. बताया जाता है कि सकरौली व पोटरो के बीच मृतकों की जमीन है. उस पर कुछ पेड़ भी लगे हैं. पेड़ को काटने को लेकर दोनों गुटों के बीच हुए मामूली विवाद के बाद हत्याकांड की घटना को अंजाम दिया गया. इधर गांव में तिहरे हत्याकांड के बाद गांव में माहौल तनाव पूर्ण है. आस पास के गांव में दहशत व्याप्त है. गांव में पुलिस कैंप कर रही है. घटना की पुष्टि करते हुए एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने कहा कि मामूली विवाद को लेकर घटना को अंजाम दिया गया है. तीन लोगों की मौके पर ही मौत हुई है, जबकि एक घायल को रिम्स रेफर किया गया है. उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है. घटना को अंजाम देने वाले बाप बेटा सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है. मृतक और आरोपी एक ही परिवार के हैं. पुलिस घटना की जांच कर रही है.

एक गंभीर, मृतक व हत्यारोपी एक ही परिवार के 3 हमलावर गिरफ्तार

मौके पर जुटी लोगों की भीड़.

ब्रीफ खबरें

अबुआ आवास लाभुक चयन में अनियमितता का आरोप

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय जनता दल के पलामू जिला अध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा ने नौडीहा बाजार बीडीओ को पत्र लिखकर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत अबुआ आवास योजना लाभुक चयन में भारी अनियमितता का आरोप लगाया है. आवेदन में उन्होंने कहा है कि नोडिया बाजार प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चराई पंचायत में पंचायत सेवक शशिरंजन रजक ने जिनका घर तीन से चार हजार वर्ग फीट में बना हुआ है और सरकारी नौकरी कर रहे हैं ऐसे लोगों का भी चयन जिओ टैग के माध्यम से अबुआ आवास योजना के लिए कर लिया है. उन्होंने यह भी कहा है कि योजना में लाभुक चयन के लिए पंचायत सेवक द्वारा भारी पैमाने पर पैसे की वसूली की गई है.

सरस्वती पूजा के दिन सुरक्षा व्यवस्था की मांग

मेदिनीनगर । श्री राम सेना गायक प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को सदर मेदिनीनगर अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग तिवारी से मिला. प्रतिनिधि मंडल सदस्यों ने सरस्वती पूजा में विधि व्यवस्था को लेकर वार्ता की. साथ ही सुरक्षा व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाने की अपील की. ज्ञात हो कि यह पूजा विद्या की देवी मां सरस्वती की साधना को लेकर की जाती है. प्रतिनिधि मंडल में श्रीराम सेना के राज्य प्रमुख पंकज कुमार जायसवाल, विशाल कुमार, बिट्टू कुमार, धवन कुमार सेठी व अधिवक्ता गोरखनाथ पांडे शामिल थे.

आज से मॉडल स्कूल में प्रवेश परीक्षा का ऑनलाइन आवेदन

बालूमाथ (लातेहार)। प्रखंड के मॉडल स्कूल में सत्र-2024-25 में प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 10 फरवरी से प्रारंभ होगा. गया है. इस आशय की जानकारी विद्यालय के प्राचार्य विजय कुमार ने दी. उन्होंने बताया कि आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एक मार्च तक निर्धारित है. वैसे छात्र व छात्राएं जिनकी उम्र एक अप्रैल 2024 को न्यूनतम 10 वर्ष एवं अधिकतम 12 वर्ष हो और वे पांचवीं या छठीं कक्षा में अध्ययनरत हों, ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं. नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा 17 मार्च को ली जायेगी.

अधिवक्ता लिपिक के निधन पर शोकसभा

लातेहार। अधिवक्ता लिपिक बंशी राम उर्फ मनु के निधन पर कचहरी परिसर में शोकसभा का आयोजन अधिवक्ता लिपिक संघ के अध्यक्ष प्रेम कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी. शोकसभा में दिवगंत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी. मौके पर बबलू रजक. जयप्रकाश प्रजापति, पप्पू खान, कुमोद प्रसाद गुप्ता, दिनेश यादव, अनिल कुमार प्रजापति, सुरेश उरांव, सोनू लाल गुप्ता व श्यामदेव सिंह समेत कई लिपिक उपस्थित थे. बता दें कि गत सात फरवरी को बालूमाथ-चतरा मुख्य सड़क मार्ग झिकीया नदी के समीप सड़क दुर्घटना में बंशी राम का निधन हो गया था.

कुएं से शव बरामद जांच में जुटी पुलिस

महुआडांड़ (लातेहार)। थाना के आदर्श नगर के पास कुएं से 25 वर्षीय युवक उदय गायर का शव बरामद किया गया. सूचना मिलने पर पुअनि बंधन भगत घटना स्थल पर पहुंचें. उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेजा. बंधन भगत ने बताया कि उदय गायर महुआडांड़ थाना क्षेत्र के चंपा पंचायत के पत्थरटोली ग्राम निवासी था. यह आदर्श नगर, रामपुर में ससुराल में रहकर मजदूरी का काम करता था. उन्होंने कहा कि यह हत्या है या आत्महत्या पुलिस इसकी जांच कर रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है.

एक बार फिर से मोदी सरकार का लिया संकल्प

गुमला । भाजपा का गांव चलो अभियान के तहत प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता डा.अरुण उरांव गुमला शहरी क्षेत्र के वार्ड संख्या 21 डिस्लरी मुहल्ला का भ्रमण किया और वहां के लोगों से बातचीत की. मुहल्लेवासियों को पट्टा पहना कर सम्मानित किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्य उपलब्धियों की जानकारी देते हुए उन्हें एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा को मजबूत करने का आह्वान किया. डिस्लरी मुहल्ला के लोगों ने कहा कि वे लोग आदि काल से भाजपा के समर्थक है. एक समय था इस मुहल्ले में कोई आता नहीं था. कोई आ भी जाता था तो नाक में रुमाल बांध लेता था.

महाशिवरात्रि मेले की नीलामी को दी चुनौती, समिति के अस्तित्व पर सवाल उठाया

महाशिवरात्रि मेले की नीलामी 23 लाख 7 हजार रुपये में हुई

आशीष टैगोर। लातेहार

शहर के बाजारटांड़ के प्राचीन शिव मंदिर परिसर में हर वर्ष महाशिवरात्रि का मेला लगता है. महाशिवरात्रि के दिन शुरू होता है और होली तक रहता है. यह मेला आसपास के क्षेत्रों में काफी मशहूर है.इस मेला को पशु मेला के रूप में भी जाना जाता है.यहां बिहार एवं यूपी के गौपालक अपने मवेशियों की खरीद-बिक्री के लिए आते हैं.

सरकार को इस मेला से लाखो रूपये का राजस्व प्रति वर्ष मिलता है. पहले अंचल कार्यालय से इस महाशिवरात्रि मेले की डाक (नीलामी) करायी जाती है. हाल के कुछ वर्षों से नगर पंचायत के द्वारा इस मेले की डाक करायी जा रही है. इस वर्ष 29 जनवरी को महाशिवरात्रि मेले की नीलामी करायी गयी थी. मत्स्य जीवी सहयोग समिति ने सर्वाधिक बोली लगायी थी. समिति ने 25 लाख सात हजार रुपये की बोली लगा कर मेले को अपने नाम किया था. जबकि पिछले वर्ष इसी मेले की नीलामी महज आठ लाख 43 हजार रूपये में की गयी थी. अब इस नीलामी को कुछ लोगो ने चुनौति दी है और मत्स्यजीवी सहयोग समिति के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर दिया है. इसे ले कर उपायुक्त व नगर प्रशासक को आवेदन सौंपा गया है.

खास बातें

- आरटीआइ के तहत मांगी समिति की जानकारी
- पिछले साल मात्र आठ लाख 43 हजार में हुई थी नीलामी

सूचना के अधिकार के तहत मांगी जानकारी : शहर के बानपुर के बाजारटांड़ निवासी नागेंद्र पाठक ने जिला सहकारिता पदाधिकारी से सूचना के अधिकार के तहत मत्सय जीवी सहयोग समिति के संबंध मे कई जानकारियां मांगी है. उन्होने जानकारी मांगी है कि क्या मत्स्यजीवी समिति वीरेंद्र प्रसाद पिता महावीर साव पता धर्मपुर के नाम से दर्ज है और इस समिति के कितने सदस्य हैं. श्री पाठक ने समिति के सभी सदस्यों का नाम व पता की अभिप्रमाणित प्रति की मांग की है. वहीं उपायुक्त व नगर प्रशासक को सौंपे गये ज्ञापन में नागेंद्र पाठक, सतीष कुमार व रंजीत कुमार ने कहा है कि मत्स्यजीवी सहयोग समिति फर्जी कागज बना कर प्रशासन को गुमराह कर रही है. उन्होने कहा कि इस समिति के कितने सदस्य नामित हैं और वर्तमान कितने सदस्य समिति हैं, यह जांच का विषय है.

क्या कहते हैं अधिकारी

इस संबंध में पूछे जाने पर नगर प्रशासक राजीव रंजन ने कहा कि सूचना के अधिकार के तहत जो जानकारी मांगी गयी है वह संबंधित विभाग के द्वारा ही उपलब्ध कराया जा सकता है. उनके विभाग से नीलामी संबंधित कार्य नियमसंगत व सरकारी गाइड लाइन के अनुसार किये गये हैं.

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का पलामू-गढ़वा आगमन आज,तैयारियां पूरी

सभी जरूरतमंदों को मिलेगा अबुआ आवास : मिथिलेश

संवाददाता। गढ़वा

झारखंड के नए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का गढ़वा में शनिवार को पहली बार आगमन होगा. मुख्यमंत्री श्री सोरेन गढ़वा से ही अबुआ आवास योजना की शुरुआत करेंगे. मुख्यमंत्री यहां पलामू प्रमंडल के 28903 अबुआ आवास योजना के लाभुकों का प्रथम किस्त की राशि जारी करेंगे. जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का मां गढ़देवी की धरती पर गढ़वा में पहली बार आगमन पर भव्य स्वागत किया जाएगा. झामुमो के सभी कार्यकर्ता कार्यक्रम को बेहतर एवं भव्य बनाने में लगे हुए हैं. यहां सभी कार्यकर्ता मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत करेंगे. विधायक ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड के सर्वमान्य नेता हेमंत सोरेन का सपना था कि सभी गरीबों के सर पर अपना छत हो. इस सपने को साकार करने मुख्यमंत्री चंपई सोरेन गढ़वा आ रहे हैं. आगामी तीन वर्षों में सभी गरीबों के सर पर छत का सपना पूरा हो जाएगा. गढ़वा आगमन के दौरान मुख्यमंत्री अबुआ आवास योजना के लाभुकों को स्वीकृति पत्र देंगे. साथ ही प्रथम किस्त की राशि भी जारी करेंगे. यहां आयोजित पलामू प्रमंडल स्तरीय इस कार्यक्रम में पलामू जिला के 13600, गढ़वा जिला के 10003 तथा लातेहार जिला के 5300 लाभुकों को अबुआ आवास का स्वीकृति पत्र प्रदान किया जाएगा. श्री ठाकुर ने कहा कि सभी जरूरतमंदों को निश्चित रूप से अबुआ आवास योजना का लाभ मिलेगा. कोई भी योग्य लाभुक वंचित नहीं रहेगा. इस कार्य का निष्पादन बिल्कुल पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से किया जा रहा है. इसके लिए किसी भी जरूरतमंद लोगों को परेशान होने की जरूरत नहीं है. अबुआ आवास की क्रमवार प्राथमिकता सूची बना ली गई है. अगले वित्तीय सत्र में मार्च के बाद पुनः अन्य लाभुकों को योजना से लाभान्वित किया जाएगा. उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का सपना साकार करने के लिए झारखंड सरकार पूरी तरह से संकल्पित है.

खास बातें

- अबुआ आवास के 28903 लाभुकों को मिलेगी स्वीकृति
- पाइपलाइन परियोजना का भी करेंगे शिलान्यास

मुख्यमंत्री के परिभ्रमण को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

मेदिनीनगर। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का पलामू परिभ्रमण को लेकर उपायुक्त शशि रंजन ने अपने कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की. उन्होंने मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सभी संबंधित पदाधिकारी को कई निर्देश दिय. उन्होंने कार्यक्रम स्थल शिवाजी मैदान से हवाई अड्डा तक विधि व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त रखने का निदेश दिया. उपायुक्त ने कार्यक्रम को लेकर पदाधिकारियों को कार्य दायित्व सौंपते हुए इमानदारी पूर्वक दायित्व निर्वहन करने का निदेश दिया. उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को लेकर किसी तरह की कोई कोताही नहीं बरती जाए,यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये. मौके पर पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन,डीडीसी रवि आनंद,नगर आयुक्त जावेद हुसैन,अपर समाहर्ता समेत अन्य जिले के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे. मुख्यमंत्री बनने के बाद चंपई सोरेन आज पहली बार पलामू आ रहे हैं. वे 10 फरवरी को स्थानीय शिवाजी मैदान में सोन-कोयल-औरंगा पाइपलाइन परियोजना का शिलान्यास करेंगे. इसे लेकर पलामू जिला प्रशासन तैयारी में जुटा हुआ है. मुख्यमंत्री श्री सोरेन हेलीकॉप्टर से चियांकी हवाई अड्डा उतरेंगे और सड़क मार्ग से शिवाजी मैदान पहुंचेंगे. शिवाजी मैदान में कार्यक्रम में शामिल होने के बाद गढ़वा के लिए प्रस्थान कर जाएंगे. इधर, पलामू डीसी शशि रंजन और एसपी रिष्मा रमेशन ने कार्यक्रम स्थल का दौरा करने के बाद अधिकारियों को कई निर्देश दिये हैं. डीसी श्री रंजन ने बताया कि मुख्यमंत्री पाइपलाइन परियोजना की आधारशिला रखेंगे. राज्य सरकार ने सोन-कोयल-औरंगा पाइपलाइन परियोजना के लिए 436 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है. इस प्रोजेक्ट पर पिछले चार साल से काम चल रहा है और इस परियोजना के पूरा होने से पलामू के 11 प्रखंड क्षेत्र के लोग लाभान्वित होंगे. इस परियोजना के तहत तीनों नदियों से 31.397 एमसीएम पानी उठाया जाएगा और पलामू जिले के 13 विभिन्न जलाशयों को पानी से भरा जाएगा.

ग्रामीणों का आरोप श्मशान घाट की जमीन पर बना दिया पुल

लातेहार। शहर के बानपुर में बनवारी साहु महाविद्यालय के पास जायत्री नदी किनारे एक श्मशान घाट है. यहां बानपुर व आसपास के इलाकों के शवों का अंतिम संस्कार किया जाता है. शुक्रवार को भी यहां ग्रामीण एक शव का अंतिम संस्कार करने के लिए पहुंचे थे, लेकिन जब ग्रामीण वहां पहुंचे तो हैरान रह गये. ग्रामीणों ने देखा कि यहां एक पुल का निर्माण कर दिया गया है. ग्रामीणों का दावा है कि यह श्मशान घाट की जमीन है और पीढ़ियों से लोग यहां शवों का अंतिम संस्कार करते आ रहे हैं. ग्रामीणों ने यहां पुल बना दिये जाने का विरोध किया. दरअसल शहर के अमवाटीकर मुहल्ला के कंचन राम की पत्नी का देहांत हो गया था और लोग उसका अंतिम संस्कार करने के लिए वहां पहुंचे थे.

बैठक में ग्रामीणों ने गांव में ही राशन बंटवाने की मांग की

बरवाडीह (लातेहार)। पुराने प्रखंड कार्यालय परिसर के मनरेगा सहायता केंद्र में शुक्रवार को प्रखंड के कई पंचायतों के महिला व पुरुष ग्रामीण पहुंचे. उन्होंने बरवाडीह पूर्वी के जिला परिषद सदस्य कन्हाई सिंह के समक्ष राशन लेने में आ रही परेशानियों को उनके सामने रखा. ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने के बाद जिप सदस्य श्री पासवान ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अनुज शरण से इस संबंध में बात की. प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी पुराना प्रखंड कार्यालय परिसर पहुंचे और यहां ग्रामीणों की समस्याओं को सुना. ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें राशन लेने के लिए गांव से 10 से 15 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है. इस दौरान उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. जितना का राशन नही मिलता उससे अधिक उनका आने-जाने का भाड़ा लग जाता है.

न्यूज अपडेट

रास्ता बंद किये जाने के खिलाफ ग्रामीणों ने दिया धरना

चंदवा (लातेहार)। चंदवा पूर्वी पंचायत के देवी मंडप मुहल्ले में रास्ता को बंद कर दिये जाने के खिलाफ स्थानीय ग्रामीणों ने शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में धरना दिया. इसका नेतृत्व भीम आर्मी के बीरेंद्र कुमार ने किया. धरना के बाद बीडीओ को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा गया. ज्ञापन में कहा गया है कि खाता संख्या 608 प्लॉट संख्या 1459 क गैर मजरूआ आम जमीन है. उन्होने शीघ्र ही इस मामले की जांच करा कर आम रास्ता से अतिक्रमण हटाने की मांग की और कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो उपायुक्त कार्यालय,लातेहार में धरना-प्रदर्शन किया जायेगा.

गढ़वाटांड़ में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

बरवाडीह (लातेहार)। प्रखंड के गढ़वाटांड आंगनबाड़ी केंद्र के समीप आयुष विभाग ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया. इसकी अध्यक्षता डा. शुभांकुर कुमारी ने की. शिविर में बतौर मुख्य अतिथि आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ ओम प्रकाश ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया. डॉ प्रकाश ने कहा कि कोरोना काल के दौरान शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने व विभिन्न रोगों के निदान में आयुर्वेद के महत्व को दुनिया ने समझा है. स्वास्थ्य जांच शिविर में जांच के उपरांत नि शुल्क दवाइयां भी वितरित की गई. इस शिविर में डॉ शशि शालिनी, डॉ राजीव कुमार, डॉ अंबे, योग शिक्षक रहमत अंसारी व पूजा कुमारी समेत कई लोग मौजूद थे.

शिव ही सृष्टि के संरक्षक हैं : अविनाश देव

मेदिनीनगर । पाटन प्रखंड के इमली गांव में शिव चर्चा का आयोजन किया गया . अविनाश देव ने कहा कि आखिर पूरी दुनिया शिव पर फिदा क्यों है जो एक लोटा जल ढारने से लेकर रुद्र महायज्ञ जैसे बड़ा अनुष्ठान करने पर भक्त न्योछावर है. शिव महापुराण जैसे अन्य शास्त्रों को खंगाला तो पाया कि देवताओं पर जब जब संकट गहराया तब तब देवता शिव के शरण में गए और शिव उद्धार किए. अपना निजीहित व जिंदगी दांव पर लगा ब्रह्मांड के हिफाजत किए इसीलिए शिव सृष्टि के संरक्षक हैं. तब हम सभी आज उन्हें गुरु मान रहे हैं. हम सबों को भी अपनी जिंदगी में परहित के लिए एक प्रयोग करना चाहिए जिससे दूसरों को भला हो सके. दुनिया का हर दिखने वाला चीज नश्वर है जिसे आप छोड़ कर स्थाई कूच कर जायेंगे.

रमना में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

रमना। प्रखंड कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को सक्षम पंचायत को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पिरामल फाउंडेशन के जिला प्रभारी कामेश कुर्मा ने कहा कि प्रथम चरण में जिले के 40 पंचायतों का चयन सक्षम पंचायत कार्यक्रम के तहत किया गया है. कार्यशाला के दौरान जीपीडीपी निर्माण, जीपीपीएफटी गठन की प्रक्रिया, जीरो ड्रॉप आउट पंचायत, बाल विवाह, फाइलेरिया उन्मूलन सहित अन्य विषयों की विस्तृत जानकारी दी गयी. मौके पर उप प्रमुख खदीजा बीबी, पंचायती राज पदाधिकारी विक्रांत कुर्मा, मुखिया अजित पांडेय, अनिता देवी, सोनी देवी, दुलारी देवी, सहित सभी जनप्रतिनिधि एवं पिरामल फाउंडेशन के सदस्य मौजूद थे.

दो दुर्घटनाओं में पांच घायल, तीन रिम्स रेफर

बालूमाथ(लातेहार)। बालूमाथ-मूरपा मुख्य सड़क मार्ग पर मारंगलोइया के समीप शुक्रवार को एक चार वर्षीय बच्चे को बचाने के क्रम में एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस दुर्घटना में मारंगलोइया के प्रकाश राणा के चार वर्षीय पुत्र शिवम राणा के अलावा कार में सवार सलगी- जबड़ा निवासी संदीप कुमार (32) और बुकरू, टंडवा निवासी ओमलाल कुमार (35) घायल हो गये. घटना की जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा मूरपा पुलिस पिकेट को दी गई. पुलिस घटनास्थल पहुंच कर तीनों घायलों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया. यहां चिकित्सक डा श्रेष्ठ आनंद द्वारा प्राथमिक उपचार की गई. तीनों को बेहतर उपचार के लिए रांची के रिम्स रेफर कर दिया. दूसरी घटना गुरुवार देर शाम बालूमाथ-चंदवा मुख्य सड़क मार्ग स्थित मकईयाटाड़ के समीप घटी.

एसडीओ को आवेदन देकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग

भवनाथपुर। अबुआ आवास योजना में नियम विरुद्ध अयोग्य लाभुकों का नाम सूची में चढ़ाये जाने को लेकर प्रखंड अंतर्गत अरसली उतरी पंचायत के ग्रामीणों ने आजसू नेता जयराम पासवान के नेतृत्व में शुक्रवार को श्री बंशीधर नगर एसडीओ को लिखित आवेदन सौंपकर दोषियों पर कार्रवाई करते हुए सूची में योग्य व्यक्तियों का नाम चढ़ाये जाने की मांग किया है. दिये आवेदन में ग्रामीणों ने कहा है कि अबुआ आवास योजना में बीडीओ, पंचायत के मुखिया व जांच कर्ताओं की मिलीभगत से वैसे लोगो का नाम प्राथमिक सूची में नाम दर्ज कर उन्हें आवास का लाभ दिया जा रहा है, जिन्हें पूर्व में पीएम आवास मिल चूका है और जिनके पास पक्का मकान है. ग्रामीण आवेदन देने पहुंचे तो बीडीओ द्वारा आवेदन लेने से इंकार करते हुए कहा कि आप लोग पहले क्यों नही आये अब कुछ नही हो सकता है.

सामाजिक अनुसंधान पर हुई पंचायत स्तरीय जनसुनवाई

सगमा। प्रखंड क्षेत्र के कटहर कला पंचायत सचिवालय में पंचायत स्तरीय सामाजिक अंकेक्षण जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया. बताते चले कि ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार के आदेश अनुसार वित्तीय वर्ष 2020-21, 21-22 एवं 22-23 मनरेगा द्वारा संचालित सभी योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण कर तथा ग्राम सभा द्वारा संपुष्टि करते हुए पंचायत स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसकी अध्यक्षता अरविंद यादव ने की. इस जनसुनवाई कार्यक्रम में मुखिया कलावती देवी, उप मुखिया मृत्युंजय यादव, सभी वार्ड सदस्य, सभी जनप्रतिनिधियों ग्रामीण ने भाग लिया. जनसुनवाई के दौरान पंचायत क्षेत्र के 2020-21, 2021-22, एवं 2022-23 की मनरेगा द्वारा क्रियानिवित योजना का सामाजिक अंकेक्षण किया गया.

पंचायत सचिव पर फर्जी ग्राम सभा करने का लगाया आरोप

लातेहार। बरवाडीह प्रखंड कार्यालय में शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया. जनता दरबार में बीडीओ रेशमा रेखा मिंज ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनी. प्रखंड के खुरा पंचायत के खुशबू देवी, उषा देवी,धनेसरी देवी, प्रेमा देवी, झानो देवी, राहुल कुमार, कोशिका देवी, संध्या कुमारी, विनोद राम,अजीत कुमार व माली देवी समेत कई ग्रामीणों ने आवेदन देकर खुरा पंचायत के पंचायत सचिव पर फर्जी ग्रामसभा कर अबुआ आवास योजना के लाभुकों की सूची तैयार करने का आरोप लगाया. ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत सेवक संजीव कुमार द्वारा फर्जी ग्राम सभा कर वैसे लोगों के नामों का चयन किया गया है जिन्हें पहले से प्रधानमंत्री आवास मिल चुका है.जो लोग वास्तव मे अबुआ आवास के हकदार हैं, उनका नाम सूची से हटा दिया गया है. तत्कालीन बीडीओ राकेश सहाय से इसकी शिकायत की गयी थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हो पायी. बीडीओ ने रेशमा रेखा मिंज ने आवास योजना के को-ऑर्डिनेटर दीपक कुमार को इस मामले की जांच करने का निर्देश दिया है.

न्यायालय, सिविल जज सीनियर डिवीजन नवम, धनबाद

कोर्ट नोटिस

ऑरिजनल सुट नं0-38/2023

भोलानाथ महतो एवं अन्य ..... वादीगण

बनाम्

स्टेट ऑफ झारखंड एवं अन्य....

प्रतिवादीगण

1. स्टेट ऑफ झारखंड प्रतिनिधि मुख्य सलाहकार, पो एवं थाना एवं जिला- रांची
2. उपायुक्त, धनबाद, पो. एवं थाना-धनबाद, जिला-धनबाद
3. अपर समाहर्ता धनबाद, पो एवं थाना-धनबाद, जिला -धनबाद
4. अनुमंडल पदाधिकारी, बाघमारा, पो एवं थाना - बाघमारा, जिला -धनबाद।

बजरिये नोटिस आपलोगों को सूचित किया जाता है कि ओरिजनल सूट में वादीगण ने आपलोगों के विरुद्ध यह वाद दाखिल किया है, जिसमें आप लोगों को रजिस्ट्री नोटिस तथा नजारत से नोटिस भेजे जाने के बावजूद आपलोग न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे हैं। अत : इस नोटिस के माध्यम से आपको आगाह किया जाता है कि दिनांक 19.02.24 को समय 11.00 AM बजे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें, अन्यथा उपयुक्त मुकदमे में आपलोगों के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही कर दी जायेगी। इसे ताकिद जाने।

आज दिनांक 27-01-2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया जाए।

ह0 / सिविल जज सीनियर डिवीजन नवम, धनबाद

उत्क्रमित मध्य विद्यालय के आधा दर्जन बच्चे हुए बीमार

संवाददाता। भवनाथपुर

प्रखंड के सिंदुरिया पंचायत के उत्क्रमित मध्य घाघरा विद्यालय में शुक्रवार को अचानक आधा दर्जन बच्चों की तबियत खराब हो गई. सभी बीमार बच्चों को भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए विद्यालय प्रबंधन द्वारा भर्ती कराया गया. जहां चिकित्सक रंजन दास के द्वारा प्राथमिक उपचार किया जा रहा है. सभी बच्चों की तबियत ठीक बताया जा रहा है. बीमार बच्चियां पूजा कुमारी, शिवानी कुमारी, पूनम कुमारी, सोनाली कुमारी, अफसाना खातून ने बताया कि स्कूल में प्रार्थना सभा के बाद क्लास में अचानक चक्र और बोमेटिक होने लगा, तो कुछ लोगो को सीना में दर्द के साथ बेहोश भी होने लगे. विद्यालय के शिक्षको द्वारा तुरंत 108 पर फोन से सूचना दी गई. इसके बाद सभी को इलाज के लिए भेजा गया. इस संबंध में चिकित्सक रंजन दास ने बताया कि सभी का इलाज किया जा रहा है. संभवतः मौसम परिवर्तन के कारण बच्चो की तबियत खराब हो सकती है. विद्यालय के प्रधानाध्यापिका उर्मिला कुमारी ने पूछे जाने पर कहा कि प्रार्थना के बाद बच्चे क्लास रूम में गए तो बच्चों को चक्कर आना और उल्टी होने लगी.

कुडू में फिर मिली नल-जल योजना में गड़बड़ी

धांधली की कराएंगे जांच:उप प्रमुख

संवाददाता। कुडू-लोहरदग़ा

सरकार की अति महत्वाकांक्षी नल-जल योजना में एक बार फिर कुडू प्रखंड क्षेत्र में अनियमितता का मामला सामने आया है. मामला प्रखंड के चंदलासो पंचायत अंतर्गत हरिजन मुहल्ले का है जहां पुरानी बोरिंग में नई मशीन डालकर स्ट्रक्चर लगा दिया गया है और इसी लीपापोती के दम पर घर-घर पाइप पहुंचाकर नल लगाने की तैयारी शुरू कर दी गयी थी.

संवेदक के इस गैर जिम्मेदाराना रवैये के प्रति आक्रोशित ग्रामीणों से प्राप्त सूचना पर चन्दलासो गांव पहुंचे, उप प्रमुख एनुल अंसारी ने जायज़ा लिया तो पाया कि इन योजनाओं में खुलेआम मनमानी और धांधली किया गया है. इस दौरान उनके साथ प्रखंड प्रमुख, स्थानीय एवं सुंदरू के पसस भी मौजूद रहे. उप प्रमुख ने बताया कि निरीक्षण में बात सत्य पाई गई कि जहां पानी टंकी

का स्ट्रेक्चर बनाया गया है वहां नया बोरिंग नहीं, बल्कि पुराने बोरिंग में ही मशीन डाल कर खाना पूर्ति करने का कार्य संवेदक ने किया है. इसके अलावा स्ट्रक्चर जो बनाया गया है उसे भी पानी टपक रहा है.

चंदलासो गांव के हरिजन महल्ला, चंदलासो चौक तथा गांव के कई जगहों पर भी भारी अनियमितता देख तिलमिलाए उप प्रमुख श्री अंसारी ने दूरभाष पर जिला पेयजल विभाग के कार्यपालक पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी को मामले की जानकारी देते हुए दोषी संवेदक पर कार्रवाई करने की बात कही. उप प्रमुख ऐनुल अंसारी ने कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना पर लीपा पोती बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी. संवेदक द्वारा किसकी मिली भगत से बिना खौफ ऐसा घटिया कार्य कराय जा रहा है. बिना मिलीभगत और किसी सह के नहीं हो सकता है. पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी. गौर तलब है कि इससे पूर्व भी पंडरा गांव में बड़ी बोरिंग की जगह ट्रैक्टर से बोरिंग किये जाने का मामला सामने आया है.

खास बातें

- पुरानी बोरिंग में मशीन डाल खड़ा कर दिया स्ट्रक्चर
- मामला कुडू प्रखंड के चंदलासो पंचायत का है

तैयारी पलामू भाजपा की बैठक में चलो गांव की ओर अभियान पर चर्चा की गई

भाजपा कार्यकर्ता गांवों में करें केंद्रीय योजनाओं का बखान : मनोज

संवाददाता। मेदिनीनगर

भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में शुक्रवार को पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की बैठक हुई. बैठक में चलो गांव की ओर अभियान पर चर्चा की गई. बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अमित तिवारी व संचालन जिला पूर्व महामंत्री सुरेंद्र विश्वकर्मा ने किया.

मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम है सभी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारीयों को बूथों पर जाकर करना है तथा कार्यकर्ता व पदाधिकारी एक-एक बूथ को देखेंगे और वहां के जनमानस से पीएम मोदी के प्रति सोच को समझने का प्रयास करेंगे ताकि आने वाले समय में हम लोग मिल करके चुनाव की तैयारी कर सकें. जिलाध्यक्ष श्री तिवारी ने कहा कि चलो गांव की ओर अभियान का उद्देश्य है कि हम गांव-गांव जाकर पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का बखान करें. साथ ही लोगों में इसका कैसा प्रभाव है उसका भी अवलोकन करना है.

जिन लाभार्थियों ने योजनाओं का लाभ उठाया है उनकी प्रधानमंत्री के आने वाले एक से डेढ़ महीने के अंदर चुनाव होने वाले हैं अतः हम सभी कार्यकर्ता अपने कार्यों के प्रति सजग रहें. मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष विजय नंद पाठक ,नरेंद्र पांडे, अजय तिवारी, धर्मेंद्र उपाध्याय, अरविंद गुप्ता, सुनील पासवान, अरविंद सिंह, रूपा सिंह, रेणु देवी, लवली गुप्ता, मंजू गुप्ता, नवेंदु मिश्र, सोमेश सिंह, सीटू गुप्ता, ज्योति पांडे, दीपक दुबे, शिवकुमार मिश्र, स्वेतांक गर्ग, जितेंद्र तिवारी, ममता भुइयाँ, विजय ठाकुर, अमर मिश्रा, शुभग तिवारी, भोला सिंह, जय दुबे, मनोज विश्वकर्मा, पंकज शर्मा समेत भाजपा के सभी मंडल अध्यक्ष और मंडल प्रभारी उपस्थित थे.

खास बातें

- कार्यकर्ता व पदाधिकारी एक-एक बूथ को देखेंगे
- प्रधानमंत्री के प्रति क्या सोच है इसका भी मूल्यांकन करें

प्रति क्या सोच है इसका भी मूल्यांकन करें, ताकि आने वाले समय में हमें पार्टी के द्वारा प्रदत कार्य को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने में सहूलियत हो. श्याम नारायण दुबे ने कहा कि जैसे परीक्षा के समय में विद्यार्थी सतर्क होते हैं वैसे ही अब हम सभी को सतर्क होने का समय आ गया है.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in शनिवार, 10 फरवरी 2024 ● माघ शुक्ल प्रतिपदा, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 293 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ईडी ने चिह्नित किए कई ऐसे भूखंड जिन पर हुआ बलपूर्वक कब्जा

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

ईडी की अब तक की जांच में यह जानकारी सामने आई है कि बड़गाईं अंचल के राजस्व कर्मचारी भानु प्रताप ने बड़गाईं अंचल में रहते हुए कई भूखंडों के ऑफलाइन दस्तावेज (सरकारी कागज) में छेड़छाड़ की है. इतना ही नहीं ईडी की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि अपने चहेते लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए और भूमि का नेचर बदलने के लिए भानु प्रताप ने पुराने डीड (रजिस्ट्री के दस्तावेज) बनवाए. भानु प्रताप के मोबाइल फोन में उस भूखंड के रिकॉर्ड भी मिले हैं, जिसपर कब्जा करने का आरोप पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर लगा है. वहीं ईडी का यह भी दावा है कि जमीन के ऑनलाइन और ऑफलाइन पेपर में हेरफेर कर भानु ने कई लोगों को लाभ पहुंचाया है. वहीं ऐसे कई भूखंड एजेंसी ने चिन्हित किए हैं, जिन्हें बलपूर्वक कब्जा किया गया है और कुछ खास लोगों के नाम पर उसके दस्तावेज तैयार किए गए हैं. ईडी की अब तक की जांच में यह पता चला है कि भानु प्रताप ने बरियातू में 8.5 एकड़ जमीन सहित अवैध रूप से संपत्ति हासिल करने में हेमंत सोरेन की सहायता की है. पूछताछ में कई और अहम खुलासे हो सकते हैं.

बैक डेट से डीड बना कर होता था जमीन की नेचर बदलने का धंधा

फाइल फोटो.

विनोद सिंह से ईडी ने की पूछताछ

उधर, सत्ता शीर्ष के करीबी विनोद सिंह शुक्रवार को ईडी ऑफिस पहुंचे. जिसके बाद ईडी के अधिकारियों ने विनोद सिंह से लंबी पूछताछ की. पावर ब्रोकर विनोद सिंह का वाट्सएप्प चैट इन दिनों चर्चा में है. 7 फरवरी को आईएएस शशि रंजन समेत तीन अफसरों की पोस्टिंग के लिए भेजे गये मैसेज का चैट वायरल हुआ था. इस बीच एक सूत्र ने दावा किया है कि विनोद सिंह कई दूसरे ब्यूरोक्रेट्स की पोस्टिंग को लेकर भी सक्रिय रहा था. इनमें कई आईएएस व आईपीएस शामिल हैं. ईडी ने कोर्ट में जो रिपोर्ट सौंपी है, उसमें दावा किया है कि विनोद सिंह अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग में शामिल था. जांच इस बात की हो रही है कि उसके चैट में जिन अफसरों के नाम हैं, उनकी पोस्टिंग हुई या नहीं. सूत्रों ने बताया है कि जांच के दौरान ईडी को विनोद सिंह के मोबाईल में कई ऑडियो-वीडियो मिले हैं. जिसकी पड़ताल की जा रही है. यह जांचा जा रहा है कि ऑडियो वीडियो का संबंध किन-किन अफसरों या दूसरे लोगों से है. माना जा रहा है कि इसी के आधार पर ईडी की आगे की कार्रवाई शुरू होगी.

भानु प्रताप से 4 दिन और पूछताछ करेगी ईडी

बता दें कि बड़गाईं अंचल के राजस्व कर्मचारी भानू प्रताप से ईडी अगले चार दिनों तक पूछताछ जारी रखेगी. कोर्ट ने इसकी इजाजत दे दी है. चार दिनों की रिमांड अवधि खत्म होने के बाद शुक्रवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया. शुक्रवार को उसकी पेशी के दौरान ईडी ने एक बार फिर भानु से पूछताछ के लिए रिमांड को 7 दिनों की विस्तार दिए जाने का आग्रह कोर्ट से किया. जिसका भानु के अधिवक्ता ने विरोध किया. ईडी के विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार उर्फ काका जी की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने ईडी को भानू प्रताप प्रसाद से चार दिनों तक पूछताछ करने की अनुमति दे दी है. ईडी की अब तक की जांच में यह पता चला है कि भानू प्रताप ने बरियातू में 8.5 एकड़ जमीन सहित अवैध रूप से संपत्ति हासिल करने में हेमंत सोरेन की सहायता की है. पूछताछ में कई और अहम खुलासे हो सकते हैं.

पूर्व सीएम के पूर्व प्रेस सलाहकार पिंटू से भी पूछताछ

इस बीच, पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के पूर्व प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू भी शुक्रवार को ईडी ऑफिस पहुंचे. देर शाम तक पिंटू से पूछताछ की जा रही थी. अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू ने ईडी को पत्र लिखा था, पत्र में उन्होंने लिखा था, कि उनकी पत्नी की तबीयत खराब है, इसलिए पूछताछ के लिए उन्हें 22 जनवरी के बाद का समय दिया जाए. इससे पहले ईडी ने बीती छह जनवरी को अभिषेक प्रसाद को समन भेज कर 16 जनवरी को ईडी के समक्ष पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा था. हालांकि वो ईडी ऑफिस नहीं जा पाए थे. उनसे 1250 करोड़ के अवैध पत्थर खनन मामले में पूछताछ की जानी थी. गौरतलब है कि ईडी ने बीते तीन जनवरी को कुल 12 ठिकानों पर छापेमारी की थी.

हादसों का दिन : जमशेदपुर में अलग-अलग दुर्घटनाओं में तीन की मौत

सबकी मौत ऊंचाई से गिर कर ही हुई

संवाददाता। जमशेदपुर

- सभी मजदूर चौथे तल्ले में सेफ्टी बेल्ट लगा कर काम कर रहे थे
- इसी बीच सेफ्टी बेल्ट खुलने से गणेश पड़ोसी की छत पर जा गिरा
- लेकर आनन-फानन में भागे अस्पताल, लेकिन हो गयी मौत

स्टील सिटी जमशेदपुर के लिए शुक्रवार का दिन हादसों वाला रहा. अलग-अलग हादसों में तीन लोगों की मौत हो गयी. ये सभी मौतें ऊंचाई से गिरने की वजह से हुई. पुलिस सभी मामलों की जांच कर रही है.

चौथे तल्ले से गिर कर मजदूर की मौत : परसुडीह थाना अंतर्गत सोपोडेरा निवासी कमल साहू के घर पर काम कर रहा मजदूर गणेश चौथे तल्ले से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना के बाद सहकर्मियों ने उसे घायल अवस्था में इलाज के लिए तत्काल टीएमएच पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. गणेश मूल रूप से धालभूमगढ़ का रहने वाला था. वह पेंटिंग का काम करता था. सहकर्मी रमेश कर्मकार ने बताया कि वह गणेश और उमेश के साथ कमल साहू के घर पर पेंटिंग का काम कर रहे थे. सभी चौथे तल्ले में सेफ्टी बेल्ट लगा कर काम कर रहे थे. इसी बीच सेफ्टी बेल्ट खुलने से गणेश पड़ोसी की छत पर जा गिरा. आनन-फानन में उसे लेकर टीएमएच पहुंचे पर उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया.

गणेश

मृतक गणेश का फाइल फोटो- दुर्घटना को भला कौन टाल सकता है

होटल के चौथे तल्ले से छलांग लगाकर कर्मी ने की आत्महत्या

जुगसलाई थाना अंतर्गत स्टेशन रोड के पास उस समय हड़कंप मच गया जब स्टेशन रोड स्थित होटल स्काई लार्क के चौथे तल्ले से एक कर्मचारी ने छलांग लगा दी. नीचे गिरते ही कर्मचारी कार्तिक कुमार की मृत्यु हो गई. जानकारी मिलते ही जुगसलाई पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई. जादूगोड़ा निवासी कार्तिक पात्रों स्टेशन रोड स्थित होटल स्काई लार्क में कार्य करता था. शुक्रवार को सभी कर्मचारी जब अपने अपने काम मे व्यस्त थे तभी मौका पाकर कार्तिक होटल के चौथे तल्ले पर गया और वहां से छलांग लगा दी. जानकारी देते हुए होटल के मैनेजर नरेंद्र नाथ दास ने बताया कि सुबह से ही मृतक कार्तिक पात्रों बहुत ज्यादा बेचैन लग रहा था. इस संबंध में परिवार वालों को उनके द्वारा सूचना भी दी गई उसके बाद सभी अपने-अपने काम में लग गए तभी अचानक गिरने की आवाज आई जब जाकर देखा तो कार्तिक पत्रों ने छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली.

जेएआरआईटी मोड़ के पास जेमटी में काम कर रहा युवक गिरा, मौत

सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना अंतर्गत आरआईटी मोड़ स्थित जेएमटी कंपनी में काम करने के दौरान 26 वर्षीय अख्तर अंसारी 30 फीट की ऊंचाई से गिरकर घायल हो गया. घटना के बाद साथ काम कर रहे मजदूरों ने उसे तत्काल इलाज के लिए टीएमएच पहुंचाया. वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. अख्तर कपाली के गौस नगर का रहने वाला था. सूचना पाकर परिजन भी टीएमएच पहुंचे. परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. अख्तर के परिचित मो चांद ने बताया कि वे लोग एक साथ जेएमटी कंपनी में फीटर का काम कर रहे थे. रमजान नामक युवक ने ठेका ले रखा है. अख्तर लगभग 30 फीट की ऊंचाई पर काम कर रहा था. इसी दौरान उसने एक एस्बेस्टस में पैर रखा. पैर रखते ही वह नीचे जमीन पर गिरकर घायल हो गया. उसे टीएमएच लेकर पहुंचे पर तब तक उसकी मौत हो चुकी थी.

आईआईटी-आईएसएम में सम्मेलन शुरू

देश और विदेश से जुटे कई कैंडिडेट्स

सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज थीम पर आधारित

संवाददाता। धनबाद

नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईआईटी-आइएसएम धनबाद में शुक्रवार से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हो गया है. जिसमें देश-विदेश के 91 कैंडिडेट्स भाग लेने पहुंचे. आईआईटी-आइएसएम के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में जीआईएन (गुजरात ग्रासरूट्स इनोवेशन ऑग्मेंटेशन नेटवर्क) अहमदाबाद की सीईओ डॉ. अनामिका डे और संस्थान के डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एन्ड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विभाष चंद्र समेत दर्जनों लोग सेमिनार में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अपने-अपने विचार व्यक्त किए. सम्मेलन का थीम सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज पर आधारित है. वैसे इस सम्मेलन में अन्य कई थीम है, जिसमें मुख्य रूप से इनोवेशन मैनेजमेंट स्ट्रेटजी, डिजिटल ट्रांसफॉरमेशन, ग्लोबल इकोनामिक ट्रेंड्स, सस्टेनेबल एंटरप्रेन्योर एन्ड इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी सप्लाई चैन एन्ड ऑपरेशन मैनेजमेंट, सस्टेनेबल मार्केटिंग है.

इसके साथ ही इसमें ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, इकोनॉमिक्स इन फाइनेंशियल मैनेजमेंट थीम भी शामिल है. इंटरनेशनल कांफ्रेंस में किनोट स्पीकर्स के रूप में कई प्रोफेसर ने भाग लिए. जिनमें मुख्य रूप से आईएम कोजीकोट के प्रोफेसर रूपेश कुमार पति, आईएम कोजीकोट के ही प्रोफेसर एसएसएस कुमार, आयरलैंड स्थित ट्रिनिटी बिजनेस स्कूल के प्रोफेसर बैद्यनाथ विश्वास, डॉ सतीश सिन्हा एसोसिएट्स वाइस प्रेसिडेंट सस्टेनेबिलिटी ग्रुप अदानी एंटरप्राइज नेचुरल रिसोर्स अहमदाबाद, प्रोफेसर दयाल सरकार स्टेट यूनिवर्सिटी यूएसए शामिल हुए.

कांग्रेस नेता से प्रिंस खान ने मांगे 10 लाख

धनबाद। कांग्रेस नेता मनोज सिंह से प्रिंस खान ने 10 लाख की रंगदारी मांगी है. वाट्सअप पर मैसेज कर उनसे 10 लाख देने की बात कही है, नहीं देने पर खोपड़ी खोलने की धमकी दी है. कई दिनों पूर्व भेजे मैसेज को लेकर मनोज ने कहा कि वे कांग्रेस के सिपाही हैं, जो धमकी से नहीं डरने वाले हैं. जनता की आवाज उठाने वाले हैं और उन्हें कोई धमका नहीं सकता. उन्होंने प्रिंस खान के मैसेज का जवाब भी दिया है. कहा कि सरकार हम लोगों की है और हमें ही धमकी मिल रही तो फिर आम लोगों का क्या होगा. अब अपराधियों पर अंकुश लगाने का काम पुलिस को करना होगा.

उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण में लग रही घटिया सामग्री

तोपचांची की तांतरी पंचायत में बन रहा अस्पताल, कोई देखने वाला नहीं

ठेकेदार जल्द पूरा करेगा काम

संवाददाता। तोपचांची

सरकारी नियमों को ताख पर रख कर किस तरह कार्य को किया जाता है, इसका जीता जागता उदाहरण तोपचांची प्रखंड में विकास योजनाओं में देखने को मिलेगा. तोपचांची प्रखंड के तांतरी पंचायत स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य उप केंद्र के जर्जर भवन का पुनः निर्माण किया जा रहा. ताकि ग्रामीणों को अच्छी स्वास्थ्य व्यवस्था मिल पाए. लेकिन विडंबना की बात यह है ठेकेदार द्वारा सरकारी नियमों को ताख पर रख कर उप स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण किया जा रहा है. उप स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण लगभग 55 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है. उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण में पुराने ईंट तथा घटिया किस्म के सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है. पुराने ईंट और घटिया सीमेंट के इस्तेमाल से अब यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर अस्पताल का बुनियाद ही घटिया तरीके से निर्माण किया जा रहा हो तो अस्पताल का दो मंजिला भवन का हालात कैसे होगी. इधर घटना के संबंध में विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी ने बताया कि अगर अस्पताल के निर्माण में लापरवाही बढ़ती जा रही हो तो उन पर कानून संबंध करवाई किया जाना चाहिए. गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा.

आपको बताते चलें उप स्वास्थ्य केन्द्र के चारों और हजारों की आबादी है और इन हजारों के आबादियों को सही स्वास्थ्य व्यवस्था मिल पाए इसे लेकर उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया जा रहा है लेकिन निर्माण के शुरुआती दिन से ही अस्पताल के बुनियाद में लापरवाही नमक दीमक लगना शुरू हो गया है ऐसे में अंदाजा यह भी लगाया जाता है की अगर लापरवाही पर अभी रोक नहीं लगी तो अस्पताल का निर्माण कार्य ठेकेदार के द्वारा बहुत जल्द पूरा कर लिया जाएगा और सरकारी राशि का पूरी तरीके से दुरूपयोग हो जाएगा. इस संबंध में ग्रामीण ने अपना नाम और पहचान छुपाने के शर्त पर बताया कि अस्पताल के निर्माण में घोर लापरवाही बढ़ती जा रही है जो अत्यंत चिंता का विषय है.

पुलिस बस की चपेट में आकर छात्रा की मौत

देवघर। जिले में शुक्रवार को पुलिस विभाग की बस की चपेट में आकर दोपहिया वाहन पर सवार नौवीं कक्षा की एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि इस पर सवार दो अन्य लोग घायल हो गए. पुलिस के मुताबिक, यह हादसा सुबह करीब आठ बजे टाउन थाना क्षेत्र में डीएवी स्कूल के पास हुआ. देवघर के उपायुक्त (डीसी) विशाल सागर ने कहा कि जब एक व्यक्ति अपने दोपहिया वाहन पर तीन विद्यार्थियों को स्कूल ले जा रहा था तभी यह दुर्घटना हुई. उपायुक्त ने कहा, दोपहिया वाहन को पीछे से एक बस ने टक्कर मार दी. बस जेएपी की बतायी गयी है.

गुमला: हाइवा की चपेट में आने से युवक-युवती की मौत

- मृतक राखी अभाविप की थी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

संवाददाता। गुमला

गुमला रांची हाइवे में सिलाफारी पतिया मोड़ के समीप सड़क निर्माण का काम कर रहा आरकेडी कंपनी के हाइवा की चपेट में आने से बाइक सवार बिरकेरा निवासी रोहित गोप और रेडवा निवासी राखी कुमारी की मौत हो गई. राखी कुमारी बीएन जालान कालेज सिसई में एनसीसी अंडर आफिसर थी और विद्यार्थी परिषद में प्रदेश कार्यसमिति की सदस्य थीं. जानकारी के अनुसार बिरकेरा निवासी युवक रोहित गोप के साथ अपाची बाइक से सिसई जा रहे थे. हुंडराटोली के सीमप हाइवा ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया. इस दुर्घटना में राखी कुमारी के सिर में गंभीर चोट लगी, जबकि रोहित का एक पैर कुचल गया था. एंबुलेंस से दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद नाजुक स्थिति को देखते हुए दोनों को रिम्स रेफर कर दिया. रिम्स ले जाने के दौरान रास्ते में राखी की मौत हो गई, जबकि रिम्स में इलाज के दौरान युवक रोहित गोप की मौत हो गई.

बचाव जरूरी — सरकारी उपेक्षा से पुराने पेड़ हो रहे धीरे-धीरे बर्बाद, स्थानीय लोग चिंतित

बहरागोड़ा में प्रतिवर्ष घट रहा है काजू का उत्पादन

संवाददाता। बहरागोड़ा

बहरागोड़ा वन क्षेत्र में काजू के उत्पादन में राज्य में अव्वल स्थान रखता है. इस वन क्षेत्र में लगभग 1200 हेक्टेयर वन भूमि पर काजू के वृक्ष लगे हुए हैं. प्रत्येक वर्ष करोड़ों रुपए के काजू का उत्पादन होता है. इन दिनों काजू के वृक्ष फूलों से लदने लगे हैं. मार्च और अप्रैल तक काजू के पेड़ फलों से लग जाएंगे और काजू बीज का संग्रह शुरू होगा. काजू बीज का संग्रह वन सुरक्षा समितियों द्वारा किया जाता है. ज्ञात हो कि काजू जंगलों की सुरक्षा नहीं हो रही है. काजू के पुराने पेड़ धीरे-धीरे बर्बाद हो रहे हैं. कभी असामाजिक तत्वों द्वारा आग लगा देने से काजू जंगलों को भारी नुकसान होता है. काजू के उत्पादन के लिए मशहूर चाकुलिया व बरसोल वन क्षेत्र में फूलों और फलों के मौसम में काजू जंगलों को बचाना वन विभाग के लिए एक बड़ी चुनौती है. क्योंकि गर्मी की दस्तक से ही काजू जंगलों में आग लगने का सिलसिला शुरू हो जाता है.

फाइल फोटो.

आग से होता है भारी नुकसान

फूलों तथा फलों से लदे काजू के पेड़ झुलस जाते हैं. अभी गर्मी ने दस्तक नहीं दी है. मगर काजू जंगलों में आग लगने का सिलसिला शुरू हो गया है. संसाधनों के अभाव में तथा जंगलों में फायर लाइन का निर्माण नहीं होने के कारण वन विभाग जंगल में लगी आग को काबू पाने में असफल हो जाता है. आग से फूलों से लदे काजू के वृक्ष झुलस जाते हैं. विदित हो कि काजू के जंगल में पत्तों और झाड़ियों की भरमार है. गर्मी में पत्ते और झाड़ियां सूख जाती हैं. ऐसे में अगर जंगल में आग लगती है तो यह आग बहुत ही तेजी से फैलती है और पूरे जंगल को अपनी आगोश में ले लेती है. इस आग से जंगल के छोटे-मोटे वन्य प्राणी तो मर ही जाते हैं फूलों तथा फलों से लदे काजू के वृक्ष भी जल जाते हैं और झुलस जाते हैं.

सरकार के पास कोई योजना नहीं

बता दें कि जिन काजू जंगलों में आग लगती है, उन जंगलों के काजू वृक्षों से काजू का उत्पादन नहीं होता है. चूंकि वृक्ष बहुत बड़े नहीं होते हैं. इसलिए जंगल की आग इन्हें सहज ही अपनी चपेट में ले लेती है. काजू वृक्षों के रखरखाव पर वन विभाग और सरकार की कोई योजना भी नहीं है. वनों की सुरक्षा का जिम्मा वन सुरक्षा समितियों को दिया गया है. वन क्षेत्र में हर साल आग से काजू वनों को भारी नुकसान होता है. अब गर्मी दस्तक देने वाली है और ऐसे में काजू वनों समेत अन्य वनों की सुरक्षा वन विभाग के लिए एक बड़ी चुनौती है.

प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडे ने कांग्रेस नेता सुरजीत नागवाला को प्रदेश प्रवक्ता मनोनीत किया

मजदूरों के लिए सड़क से लेकर सदन तक लड़ता रहूंगा: सुरजीत

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग कांग्रेस झारखंड शाखा के द्वारा हजारीबाग के तेजतर्रार कांग्रेस नेता सह समाजसेवी सुरजीत नागवाला को प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडे ने प्रदेश प्रवक्ता मनोनीत किया है.

इस अवसर पर सुरजीत नागवाला ने कहा कि राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय राकेश्वर पांडे और राष्ट्रीय अध्यक्ष जी संजीव रेड्डी ने जिस भरोसे और विश्वास के साथ मुझे इस पद पर मनोनीत किया है उसमें पूरी ईमानदारी से खरा उतरने का काम करूंगा और मजदूरों की हित

की लड़ाई में सड़क से लेकर सदन तक लड़ता रहूंगा. हजारीबाग पूरा क्षेत्र में भी कोयला कंपनी मजदूर रैयत और विस्थापितों के साथ अन्याय कर रही है उनका दोहन और शोषण करने में लिप्त है, जिस पर एक बड़ी लड़ाई लड़ी जाएगी और मजदूरी के हितों में न्याय दिलाने का काम किया जाएगा. इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राकेशेश्वर पांडे ने कहा कि पूरे हजारीबाग जिला और कोयलांचल क्षेत्र में बड़ी-बड़ी कंपनियां मजदूरों का दोहन कर रही है शोषण कर रही है, जिसके खिलाफ एक बड़ी लड़ाई का आगाज आज से किया जा रहा है. राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रदेश महासचिव महेंद्र मिश्रा संयुक्त सचिव चंद्रशेखर मिश्रा, वरिष्ठ नेता जय शंकर पाठक विजय यादव, भीम कुमार, जिला अध्यक्ष मिथलेश दुबे, अशोक देव, रघु जायसवाल, दीपक गुप्ता, यमुना यादव, बीसी मिश्रा, केडी सिंह, ललितेश्वर चौधरी, रवि शर्मा, निशार खान, गुड्डू सिंह, अवधेश सिंह, परमेश्वर कुमार, रविन्द्र पांडे, अर्जुन राम, सुरेश साव, बबलू कुशवाहा, उपेंद्र कुशवाहा, ज्ञानी मेहता, दिगंबर मेहता, शारदा रंजन दुबे, मनोज मोदी, राज किशोर सिंह, गोवर्धन गंजू, सरजू यादव राजू यादव, उदय साव, बेबी देवी, असगरी अंजुम, विनोद कुशवाहा, साजिद अली खान, मंसूर आलम, सन्तोष गुप्ता सहित तमाम नेता और कोयलांचल क्षेत्र में खुशी का माहौल है.

बोले अध्यक्ष

- पूरी ईमानदारी से खरा उतरने का काम करूंगा
- कोयला कंपनी विस्थापितों के साथ अन्याय कर रही है

उत्तरी छोटानागपुर अपडेट

पीरियड एक सामान्य प्रक्रिया है : डॉ निधि बजाज

रामगढ़ । श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में छात्राओं के लिए शुक्रवार को मेंस्ट्रुअल हेल्थ एंड हाइजीन विषय पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ. इसका उद्घाटन मुख्य वक्ता प्रसिद्ध महिला चिकित्सक डॉ निधि बजाज, करुणा राजगढ़िया व अन्य अतिथियों ने किया. विद्यालय के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने इस मुद्दे की गंभीरता से अवगत कराते हुए कहा कि अपनी बेटियों के स्वस्थ जीवन के लिए सबसे पहले माता-पिता दोनों को झिझक छोड़नी होगी. पीरियड्स पर बच्चियों से खुलकर बात करने की जरूरत है. मुख्य वक्ता डॉ निधि बजाज ने कहा कि पीरियड एक सामान्य प्रक्रिया है, इसे प्रॉब्लम न समझें. पहले के जमाने में संसाधनों के अभाव में महिलाओं को काफी कठिनाई होती थी. लेकिन अब वक्त बदल रहा है. लोग भ्रांतियों से भी मुक्त हो रहे हैं.

पुलिस ने 32 ग्राम ब्राउन शुगर किया बरामद

हजारीबाग। पेलावल थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर की तस्करी के आरोप में पांच पेडलर को गिरफ्तार कर लिया. सभी आरोपियों की गिरफ्तारी पेलावल थाना क्षेत्र के रोमी गांव से की गई. आरोपियों के पास से 32 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया, जो एक एक ग्राम का पुड़िया में बना था. इसके अलावा कोरेक्स की कई शीशी बरामद की गई. जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. उसमें आमिर राजा, मो मोहसिन, कमरे आलम, तनवीर खान और कुर्बान खान के नाम शामिल हैं. इसमें पेलावल थाना प्रभारी की महत्वपूर्ण भूमिका थी. शहर के कोर्रा थाना पुलिस ने प्रतिबिंब पोर्टल से मिली सूचना के आलोक में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया था. तीनों पर बरकट्ठा थाना क्षेत्र के रहने वाले थे. पकड़े गए लोगों से जब पूछताछ की गई तो उसमें दो लोग साइबर अपराधी निकले, जबकि पकड़ा गया एक व्यक्ति सरकारी स्कूल का शिक्षक निकला. जो उनलोगों के साथ गाड़ी सर्विसिंग कराने के लिए आया था. इस दौरान तीनों को हिरासत में ले लिया गया.

विवेकानंद में दसवीं के विद्यार्थियों को दी गई विदाई

टाटीझरिया । विवेकानंद विद्या मंदिर धरमपुर के दसवीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित किया गया. विदाई समारोह का कार्यक्रम विद्यालय के ही नवम वर्ग के विद्यार्थियों द्वारा किया गया. इस मौके पर प्रधानाध्यापक बबलू प्रजापति ने अपने संबोधन में बच्चों को कहा कि आपने विद्यालय में जो सीखा है, उसका उपयोग अपने दैनिक जीवन में गंभीरतापूर्वक करें. आपने शिक्षकों द्वारा विभिन्न विषयों को समझा-परखा उसका अभ्यास करते रहें. आप सब अब आगे की पढ़ाई के लिए विद्यालय से विदा हो रहें हैं. आप भविष्य में भी इस विद्यालय की भूमिका को सदैव याद रखिएगा. इस मौके पर विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभवों को साझा किया. विद्यालय में कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक प्रकाश कुमार यादव, देवनारायण कुमार सिंह, मिथिलेश प्रसाद, राजू माली, मुकेश कुमार वर्मा, रवि शंकर सोनी, सविता, सरिता, शिखा, कंचन कुमारी माही समेत अन्य की भूमिका रही.

बद्री महतो व भगिया देवी की मनी 25वीं पुण्यतिथि

इचाक । ईचाक प्रखंड के दरिया गांव के स्वतंत्रता सेनानी सोना महतो के पुत्र बद्री महतो व उनकी धर्मपत्नी भगिया देवी की 25वीं पुण्यतिथि दरिया स्थित पैतृक आवास में संपन्न हुई. इस अवसर पर बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के युवा नेता गौतम कुमार ने दोनों के आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया. गौतम कुमार ने कहा कि बद्री महतो के चार पुत्र बैजनाथ प्रसाद मेहता, बीरबल प्रसाद मेहता, लखन मेहता व मनोज कुमार हैं. जो कि अपने माध्यम से हमेशा समाज मे अपनी सेवा दे रहे हैं. लखन मेहता शरीर से अक्षम होने के बाद भी आईटीआई कॉलेज के माध्यम से हज़ारों बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहें हैं जो कि क्षेत्र के लिए गर्व की बात है. आज वे मेडिकल क्षेत्र में भी कदम रखे हैं. जिससे हज़ारो बच्चे डॉ बनकर निकलेंगे. आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पण के दौरान, जिप अध्यक्ष उमेश मेहता, पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव, वरिष्ठ नेता बटेश्वर मेहता मौजूद थे.

विधायक ने किया पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास

बरकट्ठा । प्रखंड क्षेत्र के ग्राम परबता में विधायक अमित कुमार यादव ने शिलान्यास किया. अमित ने विधायक मद से स्वीकृत विष्णु मंदिर से छठ घाट तक लगभग साठ लाख की लागत से बनने वाले पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. साथ ही बरकट्ठा परियोजना बालिका उच्च विद्यालय में उन्नयन के लिए विविध कार्य का शिलान्यास किया. कार्यक्रम स्थल विधायक का ग्रामीणों एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय के शिक्षकों ने फूल माला पहनाकर व पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया. इस दौरान विधायक अमित ने पूजा-अर्चना कर एवं नारियल फोड़कर भूमि पूजन किया. ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व विद्यालय की चाहरदीवारी गिर गयी थी. जिसकी सूचना विधायक को दिया गया था. जिसके उपरांत विधायक ने विद्यालय पहुंचकर औचक निरीक्षण किया. शिलान्यास के दौरान अमित ने कहा कि विद्यालय से जुड़ी समस्याओं को दूर करने का हरसंभव प्रयास करूंगा. ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को विद्यालय में कोई परेशानी ना हो और बच्चे अच्छे वातावरण में मन-लगाकर पढ़ाई कर सकें.

ब्रीफ खबरें

ग्रामसभा में ग्रामीणों ने सीओ को सौंपा ज्ञापन

बड़कागांव। हजारीबाग जिला प्रशासन ने बड़कागांव प्रखंड मुख्यालय में शुक्रवार को ग्रामसभा का आयोजन किया. प्रशासन ने यह आयोजन डाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड के लिए, जिसे कोयला मंत्रालय द्वारा गोंदलपुरा खनन परियोजना के लिए खदान आवंटित किया गया है. इस दौरान वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी मे सेंटर फॉर एडवांसिंग एंड लॉन्चिंग एंटरप्राइजेज (क्रेडल) के सलाहकार भी मौजूद थे. हालांकि इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपना विरोध जताया. महिलाओं समेत ग्रामीण हाथों में बैनर पोस्टर लेकर मौजूद थे और नारे भी लगाए. विरोध के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से लिखित रूप में अपनी मांगों और विरोध को दर्ज करने का अनुरोध किया.

डीडीसी की अध्यक्षता में हुई गंगा समिति की बैठक

रामगढ़ । रामगढ़ डीडीसी रोबिन टोप्पो की अध्यक्षता में शुक्रवार को उनके कार्यालय कक्ष में जिला गंगा समिति की बैठक हुई. बैठक के दौरान डीडीसी ने सर्वप्रथम जिला गंगा समिति की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी जिला योजना पदाधिकारी नमामि गंगे योजना चंदन कुमार सहित समिति के अन्य सदस्यों से ली. मौके पर जिला योजना पदाधिकारी नमामि गंगे योजना के द्वारा उप विकास आयुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को नमामि गंगे योजना के तहत फरवरी माह में आयोजित किये जाने वाले गतिविधियों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई. डीडीसी ने समिति के सदस्यों को जिला शिक्षा पदाधिकारी के साथ समन्वय कर विद्यालय स्तर पर जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करने का निर्देश दिया.

रेलवे ट्रैक पास मिला दिहाड़ी मजदूर का शव

रामगढ़ । भदानीनगर ओपी क्षेत्र देवरिया गांव में रेलवे लाइन के निकट शुक्रवार की सुबह शव पाया गया. मृतक की पहचान देवरिया निवासी आनंद महली पिता भुवनेश्वर महली के रूप में हुई है. घटना की सूचना पर पहुंची भदानीनगर पुलिस ने पंचनामा कर शव को कब्जे में ले लिया है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. मिली जानकारी के अनुसार मृतक आनंद पेशे से दिहाड़ी मजदूर था. घर में अपनी पत्नी, एक पुत्री और एक पुत्र के साथ रहता था. जबकि उसकी बहन के घर पिता रहते हैं और छोटा भाई रांची में रहता है. वह नशे का आदी भी था. घर में पत्नी से अक्सर उसकी अनबन होती थी और झगड़ा भी होता था. इधर, गुरुवार को घरेलू विवाद के बाद मृतक आनंद के ससुराल वाले कुचू (रांची) से देवरिया आए थे.

डीएसई ने डेटा से सूची निकालकर नोटिस भेजने का दिया आदेश

जिले के मृत शिक्षकों को भी जारी कर दिया गया नोटिस

संवाददाता । हजारीबाग

जिले में पोशाक सहित अन्य मामलों में अनियमितता को लेकर जांच के घेरे में चल रहे जिला शिक्षा अधीक्षक संतोष गुप्ता को अब कब्र और श्मशान घाट से आकर मृत शिक्षक विद्यालय में अनुपस्थित रहने का कारण बताएंगे. जिला शिक्षा अधीक्षक के आदेश को माने तो केवल मुर्दे हीं नहीं बल्कि सेवानिवृत शिक्षक और लंबे समय पूर्व शिक्षा विभाग छोड़कर जा चुके ऊंचे ओहदे पर कार्यरत पदाधिकारियों को भी तीन दिनों के अंदर जवाब देना है. मृत, सेवानिवृत और अन्य कारणों से अनुपस्थित चल रहे शिक्षकों को जिला शिक्षा अधीक्षक ने दो फरवरी को अनुपस्थित पाया है. इसी को आधार बनाकर विद्यालय से अनुपस्थित रहने को लेकर पत्र जारी किया गया है. शिक्षा अधीक्षक के कार्यालय द्वारा ऐसे करीब आठ सौ शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, जो शिक्षा विभाग के ई विद्या वाहिनी पोर्टल दो फरवरी को ऑनलाईन अनुपस्थित दिखाई दे रहे थे. दरअसल जिला शिक्षा अधीक्षक संतोष गुप्ता पर पोशाक हीं नहीं अल्पसंख्यक विद्यालयों में नियुक्ति, प्रबंध समिति सहित अन्य कई गंभीर आरोप हैं, जिसे उपायुक्त से लेकर प्राथमिक शिक्षा निदेशक सहित अन्य विभागों द्वारा जांच चल रहा है. ऐसे में जांच और आरोप से बौखलाए जिला शिक्षा अधीक्षक ने दो फरवरी को आंनलाईन डेटा से सूची निकालकर नोटिस भेजने का आदेश दिया. इसमें आठ सौ की संख्या में शिक्षक अनुपस्थित दिखाई दे रहे हैं. इसके पीछे के कारणों की पड़ताल भी नहीं की. ज्ञात हो कि जिले में एफएलन प्रशिक्षण का कार्य चल रहा है. नियमानुसार चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्य में प्रति प्रखंड 40 शिक्षकों को प्रशिक्षण देना है, परंतु 80 की संख्या को प्रशिक्षित किया जा रहा है. ऐसे में अकेले 16 प्रखंडों के 640 शिक्षक प्रशिक्षण ले रहे हैं. प्रशिक्षण लेने वाले शिक्षकों को भी विभाग ने नोटिस भेज दिया है.

जिला शिक्षा अधीक्षक किस तरह शिक्षकों को परेशान करने में लगे हैं इसका सबसे बड़ा उदाहरण जिले के विभिन्न प्रखंडों में संचालित उर्दू विद्यालय के शिक्षक हैं. दो फरवरी का दिन शुक्रवार का था और इस दिन उर्दू शिक्षकों का साप्ताहिक अवकाश रहता है. जबकि अन्य विद्यालयों में रविवार को साप्ताहिक अवकाश रहता है. ऐसे में जिला शिक्षा अधीक्षक ने उर्दू विद्यालयों के शिक्षकों को भी वेतन काटने का आदेश दिया है. जिले में उर्दू शिक्षकों की संख्या करीब 70 का है. ऐसे में उर्दू शिक्षक संगठनों में भी हाय तौबा मचा है और जिला शिक्षा अधीक्षक के ज्ञान पर लोग आश्चर्यचकित हो रहे हैं. जिला शिक्षा अधीक्षक के मनमानी के विरोध में मोर्चा खोल कर विभिन्न शिक्षक संगठनों के साथ-साथ सहायक अध्यापक पारा शिक्षक संघ भी बैठा है. जिसकी बानगी देखने को मिली 19 दिसंबर को 2023 को जब विद्यालय के प्रधान से अवकाश स्वीकृत कराकर रांची विधानसभा घेराव करने पहुंचे 744 से अधिक पारा शिक्षक और विभिन्न कारणों से अवकाश पर रहने वाले मध्य व प्राथमिक विद्यालय के 100 से अधिक शिक्षकों का वेतन काटने का आदेश जिला शिक्षा अधीक्षक ने जारी किया. यह आदेश जिला शिक्षा अधीक्षक ने उपायुक्त नैंसी सहाय के आदेश को ताक पर रख कर किया, जिसमें उपायुक्त ने स्वयं हस्तक्षेप कर सदर विधायक और जिला शिक्षा अधीक्षक का घेराव करने वाले सहायक शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल के समक्ष वेतन नहीं काटने का आदेश दिया था.

विचित्र आदेश

- सभी को तीन दिनों के अंदर नोटिस का जवाब देना है
- आठ सौ शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है
- जिला शिक्षा अधीक्षक पर कई गंभीर आरोप लगे हैं

उत्क्रमित विद्यालय महूदी के भी शिक्षक का है नाम

इसमें एक सतीश कुमार यादव, बरही, बेसिक स्कूल पंच माधव, बरही, दूसरा शंकर राणा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय मलकको, बरही, तीसरा मो. खालिद हुसैन, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, महूदी,बड़कागांव, चौथा निर्मल गोप, उत्क्रमित मध्य विद्यालय नापो खूर्द, बड़कागांव और पांचवां नागेश्वर तिवारी, उमवि, भदैय खाप, केरेडारी के हैं. इसी तरह डाड़ी, विष्णुगढ़ से भी एक मृत शिक्षक को नोटिस भेजा गया है. वहीं गदोखर, कटकमसांडी इसी तरह डाड़ी, चौपारण, सदर, बरही, विष्णुगढ़, बड़कागांव के दो दर्जन से अधिक शिक्षकों को भी नोटिस भेजा गया है. आश्चर्य की बात है कि जिला शिक्षा अधीक्षक विभाग द्वारा लंबे समय पूर्व विभाग छोड़ चुके शिक्षकों भी नोटिस भेज दिया गया है. इनमें एक तो जिला शिक्षा अधीक्षक के ही बैच के जामताड़ा डीएसई दीपक राम है, जो हजारीबाग में शिक्षक थे. इसी तरह प्रखंड विकास पदाधिकारी के रुप में कार्यरत ललित कुमार तिवारी, मनोज चौरसिया सहित अन्य को भी नोटिस भेजा गया है.

अर्पित ने सर्वाधिक टी-शर्ट पहनकर बनाया रिकॉर्ड

चौपारण। हजारीबाग के बीएसएस 2 के विद्यार्थी के अर्पित कुमार राणा का इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ. 16 साल 6 महीने 11 दिन के अर्पित ने एक मिनट में 22 टी-शर्ट पहनकर इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया. अर्पित, पिता संजय कुमार राणा, नगवां, कांग्रेस विधायक राजेंद्र कुमार राणा के पोते हैं. चौपारण के ने पूरे विश्व में सबसे कम उम्र में यह वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है. उनके स्कूल के प्रधानाध्यापक ने बताया कि अर्पित पूरे विद्यालय का सबसे अच्छा विद्यार्थी है. अर्पित पूरे जिले में एकमात्र लड़का है, जो पिछले साल एनसीसी नेशनल कैंप चैंपियन रह चुका है.

स्वीप के तहत हुआ निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

रामगढ़। आगामी लोकसभा आम चुनाव के दौरान रामगढ़ जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार के द्वारा मतदाता जागरुकता कोषांग को रचनात्मक तरीके से विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों आदि का आयोजन करने का निर्देश दिया गया है. इसी क्रम में शुक्रवार को रामगढ़ जिला अंतर्गत गांधी स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय रामगढ़ सहित अन्य विद्यालयों में मतदाता जागरुकता से संबंधित निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में बच्चों ने हिस्सा लिया. वहीं बच्चों ने अपने-अपने तरीके से मतदान के महत्व की व्याख्या करते हुए निबंध लिखा. गौरतलब है कि स्वीप के तहत जिले में जो भी पेंटिंग, स्लोगन, निबंध लेखन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी.

केरेडारी कोयला खनन प्रोजेक्ट में अपराधियों ने मचाया उत्पात

संवाददाता। केरेडारी

एनटीपीसी के केरेडारी कोयला खनन परियोजना में बीती रात लगभग दस बजे तीन नकाबपोश अपराधियों ने धावा बोलकर जमकर उत्पात मचाया. माइंस के एमडीओ बीजीआर कम्पनी के वर्कर्स को भी पीटा व स्कानिया डंपरों के शीशा भी तोड़े गए. हालांकि इस मामले में केरेडारी थाना में कोई आवेदन नहीं दिए गए हैं और ना ही पुलिस ने कोई मामला दर्ज किया है.

बताया जा रहा है कि तीन नकाबपोश अपराधी गुरुवार रात्रि लगभग दस बजे ओबी डंप एरिया में डंडा लेकर घुसे और सभी स्कानिया डंपरों के चालकों का नाम पूछने लगे. फिर आधार चेक करने लगे. जिनका पता केरेडारी से बाहर का था गाड़ी से उतार कर पीटा गया और भगा दिया गया. दो तीन डंपरों के शीशे भी पत्थर चलाकर तोड़े गए. वहीं जिनका पता

केरेडारी प्रखंड था, उन्हें कुछ नहीं कहा गया. यहां अज्ञात लोगों द्वारा लगभग आधे घंटे तक उत्पात मचाया गया. जिससे प्रखंड के बाहर से आये डंपर चालकों व वर्कर्स में दहशत छा गया. इधर इस घटने के सम्बंध में पुलिस का कहना है कोई बाहरी अपराधी नहीं स्थानीय कुछ लोग बदमाशी की है. उसकी जांच की जा रही है. ज्ञात हो कि गुरुवार सुबह स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बीजीआर कम्पनी को ज्ञापन सौंपकर सभी वर्कर्स की सूची मांगी है. यही कारण है कि पुलिस को शक की सुई स्थानीय ग्रामीणों के तरफ जा रहा है. वहीं केरेडारी कोयला खनन परियोजना में 16 जनवरी को भी नकाबपोश अपराधियों ने गोलीकांड को अंजाम दिया था.

धावा बोला

- लगभग रात दस बजे तीन नकाबपोश बदमाश घुसे
- बदमाशों ने डंपर का शीशा तोड़ा व वर्कर्स को पीटा

156 आंगनबाड़ी केंद्रों को मिला बर्तन का सेट

हजारीबाग । ओएनजीसी बोकारो के सौजन्य से सीएसआर मद से ईचाक प्रखंड के सभी 156 आंगनबाड़ी केंद्रों में बर्तन किट का वितरण किया गया. उपायुक्त सभागार में डीसी नैंसी सहाय के द्वारा ईचाक प्रखंड के 156 केन्द्रों के लिए ओएनजीसी बीएम परिसम्पति बोकारो के सौजन्य से सीएसआर मद से बर्तन किट का वितरण किया गया. इस मौके पर सभागार से कुल 05 आंगनबाड़ी केन्द्रों, जिसमें सुशीला देवी, परासी बड़ा अखाडा, प्रमिला देवी, परासी कुटुमसुकरी, दरिया -2, बबिता देवी, बरियठ महतो, वीणा कुमारी, बरियठ तार टोला में सभी आंगनबाड़ी सेविका को मौके पर बर्तन देकर वितरण कार्य प्रारम्भ किया गया. मौके पर उपायुक्त ने कहा कि इस परियोजना के तहत 156 केंद्रो से 3660 बच्चों को इसका लाभ मिलेगा. इस परियोजना का संचालन हस्तशिल्प विकास संस्थान, हजारीबाग द्वारा किया गया. इस मौके पर ओएनजीसी के पदाधिकारी दयानंद कन्डूलिया ओएनजीसी प्रबंधक मौजूद थे.

सर्द रात में सुर सरगम का पारा रहा गर्म, देर रात तक डटे रहे श्रोतागण

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड के करमा पंचायत में नवनिर्मित मनोकामना शिवमन्दिर के प्राण प्रतिष्ठा का नौ दिवसीय महारुद्र यज्ञ सह शिव प्राण प्रतिष्ठा शुक्रवार को महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण भंडारा के साथ शान्तिपूर्ण भक्तिमय माहौल में संपन्न हो गया. इससे पूर्व आठ फरवरी को कई नामचीन कलाकारों द्वारा भजन और शिव तांडव की आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं.

जिसमें लगभग दस हजार से अधिक श्रोतागण लोक गायिका देवी, स्टार गुंजन सिंह, अदिति राज सहित अन्य नामचीन कलाकारों के सुर सरगम के कारण सर्द रात में भी देर रात तक डटे रहे. कानपुर और दिल्ली से आए कलाकारों ने शिव तांडव, मां काली का रौद्र रूप, नौ दुर्गा का रूप, राम सीता हनुमान जी का जीवंत झांकी प्रस्तुत की. जिसे देख सभी

लोग हतप्रभ रह गए. दर्शकों ने कहा कि ऐसा आयोजन प्रखंड में पहली बार देखने को मिल रहा है. कार्यक्रम में झारखंड भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सह सिमरिया विधानसभा के विधायक किसुन दास, बरही विधायक सह निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला, झारखंड पुलिस सर्जेंट मेजर रमेश मण्डल, मेजर देवरथ, थाना प्रभारी शम्भूनन्द ईश्वर, जिप सदस्य रवि अकेला सहित कई लोग मौजूद थे. मुख्य अतिथियों ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. जिन्हें पूजा समिति के अध्यक्ष रेवाली पासवान सहित अन्य ने अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम की अपार सफलता पर मंदिर के संस्थापक सह भाजपा युवा मोर्चा के प्रमंडलीय प्रभारी सह शिव प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य पुजारी अविनाश आर्या चंद्रवंशी ने सभी ग्रामीणों व श्रोतागण को तहे दिल से आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि 9 दिवसीय प्राणप्रतिष्ठा को शांति समपन्न करवाने में पूजा समिति के साथ साथ गांव के सभी ग्रामवासियों काफी महत्वपूर्ण योगदान रहा.

एनटीपीसी

बरवाडीह में सामुदायिक विकास गतिविधियों के तहत सकारात्मक बदलाव लेने के लिए अनेक गतिविधियां चल रही हैं

बरवाडीह में सिलाई प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ उद्घाटन

संवाददाता। बड़कागांव

एनटीपीसी पकरी बरवाडीह में विभिन्न सामुदायिक विकास गतिविधियों के तहत आसपास के क्षेत्र में निरंतर सकारात्मक बदलाव लेने के लिए अनेक गतिविधियां चल रही हैं. इन प्रयासों में परियोजना प्रभावित गांव में आधारभूत संरचना का विकास हो या बच्चों को कौशल विकास की प्रशिक्षण, हर क्षेत्र में एनटीपीसी ने लोगों की जिंदगी में सार्थक बदलाव लाने के लिए कई काम किए हैं.

अपने इसी प्रयास को आगे बढ़ते हुए पकड़ी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना के द्वारा ग्रामीण महिलाओं

को सशक्त बनाने, उन्हें कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से आत्मनिर्भर और वित्तीय रूप से स्वतंत्र बनाने के लिए सिलाई और टेलरिंग प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन किया है. इस पहल से ग्रामीण महिलाएं प्रशिक्षण प्रकार अपने जीवनयापन और घर परिवार को बेहतर ढंग से चलने में सशक्त बना पाएंगी. साथ ही यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन पंकज ध्यानी, जीएम (एलए/आर एंड आर) द्वारा किया गया. समारोह की शोभा एसके सेनापति, डीजीएम (सीएसआर/आर एंड आर), और कमलाराम रजक, वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर) ने बढ़ाई. अपने संबोधन के दौरान, जीएम (एलए एंड आर एंड आर) ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा प्रस्तुत अवसर को स्वीकार कर नए कौशल सीख कर अपने जीवन को बेहतर बनाने की बात कही. तीन महीने की अवधि और दो पालियों में लगभग 55 ग्रामीण महिलाओं को शामिल करने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपना खुद का व्यवसाय स्थापित करने और आय के वैकल्पिक स्रोत को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है. बबीता देवी ने महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के लिए आभार व्यक्त किया. उनकी प्रशंसा लाभार्थियों की भावनाओं को प्रतिबिंबित करता है जो इसे अवसर की किरण के रूप में देखते हैं.

मिलेगी ट्रेनिंग

- महिला सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है
- कार्यक्रम का उद्घाटन जीएम पंकज ध्यानी ने किया

चोरी की बाइक साथ 4 गिरफ्तार

संवाददाता। हजारीबाग

सदर थाना पुलिस ने चोरी के आठ बाइक के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया. पुलिस ने उनके पास से आठ बाइक और चार मोबाइल भी बरामद किया. यह जानकारी एसपी अरविंद कुमार सिंह और सदर एसडीपीओ कुमार शिवाशीष ने दी. दोनों अधिकारी शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे.

उन्होंने बताया कि उन्हें गुप्त रूप से सूचना मिली थी कि सदर थाना कांड संख्या 48/24 में चोरी गए दो बाइक को मंडईकला की ओर तीन व्यक्ति को लेकर जाने वाले हैं. उक्त सूचना के आलोक में त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस सदर थाना प्रभारी ललित कुमार के नेतृत्व में एक छापामार दल का गठन किया गया. उक्त छापामार दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी गए दोनों बाइक साथ तीन व्यक्तियों को रंगे हाथ पकड़ लिया. इनलोगों के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर विभिन्न जगहों पर छापामारी कर चोरी के अन्य छह बाइक भी बरामद किया. बाइक चोरी मामले में पुलिस ने पकड़े गए आरोपी कृष्ण कुमार, आयुष कुमार, नितिश कुमार सभी का थाना पेलावल ओपी कटकमसांडी और चंदन कुमार ग्राम बसरिया थाना दारू है, को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. एसपी ने बताया कि पुलिस ने जिन स्थानों से चोरी की बाइक बरामद की है, उसमें दोनूरा से दो, कंचनपुर से दो, हनुमान नगर से दो, सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक और एक झील के पास से बरामद किया गया है.

ब्रीफ खबरें

प्रपोज डे पर युवती ने युवक को मारा थप्पड़

किरीबुरू। 8 फरवरी प्रपोज डे की देर शाम मेघाहातुबुरु स्थित फीटनेश पार्क में एक युवती ने प्यार का इजहार करने आया एक युवक के गाल पर जोरदार थप्पड़ जड़ा. इस घटना को देख उक्त पार्क में वाकिंग व अन्य शारीरिक गतिविधियां कर रही कुछ महिलाएं अवाक व मूकदर्शक बनी रही. इसके बाद युवती व 3-4 युवक आपस में झगड़ा करते पार्क से बाहर निकल गये. घटना के बाबत पार्क में वाकिंग कर रही कुछ महिलाओं ने बताया की 8 फरवरी की रात लगभग 8 बजे पार्क स्थित झूला के पास एक युवती व 3-4 युवक अंधेरे में खडे.थे. इसी दौरान युवती ने एक युवक के गाल पर जोरदार थप्पड़ जड़ दिया.

हिंदू राष्ट्र सम्मेलन में शामिल होंगे कई लोग

बहरागोड़ा। गोवर्धन मठ पुरी के पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती महाराज की ओर से स्थापित आदित्य वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद झा की अध्यक्षता में ऑनलाइन संगोष्ठी द्वारा एक बैठक हुई. जिसमें बहरागोड़ा क्षेत्र से शामिल होने वाले लोगों के लिए विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया, जिसमें आदित्य वाहिनी झारखंड प्रदेश के महामंत्री कार्तिक ठाकुर, क्षेत्रीय संयोजक पूर्वी सिंहभूम के उत्पल साहू, क्षेत्रीय संयोजक अनुरंजन कुमार, अभिजीत दीप, केशव झा, के निर्मल झा आदि शामिल थे.

तीसरे दिन पूजन के साथ शुरू हुआ महायज्ञ

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के मौदा गांव में मदन मोहन जीउ मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान के तीसरे दिन विभिन्न प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान हुआ. शुक्रवार सुबह से ही सूर्य पूजा, गो पूजा, महास्नान हुई. इसके तत्पश्चात पुजारी के समूह द्वारा महायज्ञ किया गया. इन सारे पूजा में कई मौजा के लोगों की भीड़ उमड़ी पड़ी. वही पूजा समाप्ति के बाद आसपास के गांव से आए हुए ग्रामीण भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया. उधर मिली जानकारी के अनुसार दस फरवरी को पूर्णाहुति के साथ यह धार्मिक अनुष्ठान का समापन होगा.

छात्र-छात्राओं ने किया कल्चरल ट्रेडिशनल नृत्य

नोवामुंडी। 33वीं वार्षिक पुष्प एवं सब्जी प्रदर्शनी नोवामुंडी एमई स्कूल ग्राउण्ड में की गई. इस उद्घाटन समारोह में कई स्कूल के छात्र छात्राओं ने संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुति की. उद्घाटन समारोह में आरसीपीपी कंप्यूटर एजुकेशन के द्वारा कल्चरल ट्रेडिशनल नृत्य ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया. मौके पर उपस्थिति चीफ गेस्ट एसडीएम जगन्नाथपुर मुकेश मछुवा, नोवामुंडी थाना प्रभारी अंकिता सिंह ने नृत्य की प्रशंसा की और बच्चों को इसी तरह लाइफ में आगे बढ़ाने की शुभकामनाएं दी.

कथावाचक के कार्यक्रम से पूर्व गिरी महिला, मौत

जमशेदपुर। जमशेदपुर से सटे डोबो के काजू बगान में बीते पांच फरवरी से पांच दिवसीय शिव महापुराण की कथा का आयोजन किया गया था. इस आयोजन के आखिरी दिन शुक्रवार को कार्यक्रम शुरू होने से पहले तड़के पांच बजे एक महिला की मौत हो गई. दरअसल, दुर्गापुर के सिटी सेंटर स्थित डीवीसी मोड़ निवासी 51 वर्षीय संध्या सरकार अपने क्षेत्र के 15 महिलाओं के साथ 4 फरवरी को ही कथा सुनने के लिया पहुंची थी. शुक्रवार को उसकी टोली की महिलाएं तड़के तीन बजे से ही भजन–कीर्तन में लीन थी. इसी दौरान संध्या गश खाकर जमीन में गिर पड़ी.

सारंडा घाटी में सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए लगाए गए हैं लोहे के गार्ड

सड़क किनारे लगे गार्डवाल की चोरी की तैयारी में चोर

संवाददाता । किरीबुरु

स्क्रैप माफियाओं ने चोरों के सहयोग से चोरी की सारी हदें पार करते हुये एक बार पुनः सारंडा घाटी में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु किरीबुरु-बड़ाजामदा मुख्य सड़क के किनारे लगाये गये स्टील के गार्ड वालों की चोरी की तैयारी प्रारंभ कर दी है.

यात्रियों व वाहन चालकों के लिये हमेशा जीवन रक्षक की तरह तटस्थ भूमिका निभाने वाला इस गार्डवाल को चोरी होने से कैसे बचाया जाये. यह किरीबुरु के नये एसडीपीओ अजय केरकेट्टा के नेतृत्व में विभिन्न थाना की पुलिस के लिये बड़ी चुनौती बनी हुई है. उल्लेखनीय है कि किरीबुरु-बड़ाजामदा मुख्य मार्ग पर

चोरों ने सड़क किनारे गार्डवाल को खोल कर रखा है.

सारंडा घाटी में गहरे खाई व तीखा मोड़ वाले स्थानों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्टील (लोहा) के गार्डवाल लगाये गये हैं. वायरलेश मैदान से लेकर सैडल गेट के बीच सारंडा घाटी में विभिन्न जगहों पर लगे स्टील के गार्डवाल के नट को खोलकर और गड्ढे खोद कर उसके स्टील के पिलर को निकाल लिया जा रहा हैं.

अब कुछ ही बोर्ड बचे हैं : इससे पहले सड़क किनारे लोहे का एंगल में लगा बोर्ड को पूरे सड़क से एक-एक कर चोरी कर लिया गया. अब कुछ एक स्थानों में ही ऐसे बोर्ड बचे है. गार्डवाल खोले जाने का ताजा मामला वायरलेश मैदान के पास का है. हालांकि यहां से अभी खोले गये गार्डवाल की चोरी नहीं की गई है बल्कि कुछ गार्डवाल खोलकर रखा हुआ है. इसी स्थान पर सड़क दुर्घटना में मेघाहातुबुरु का एक स्कॉर्पियो वाहन गार्डवाल से टकराकर गहरे खाई में जाने से बचा था. लौहांचल के गुवा, बड़ाजामदा, बड़बिल एवं नोवामुंडी क्षेत्र में मुठ्ठी भर स्क्रैप माफिया एवं उनके नेतृत्व में स्क्रैप की चोरी करने वाले चोर सक्रिय हैं. इनके कई अवैध स्क्रैप यार्ड भी विभिन्न क्षेत्रों में संचालित है. लेकिन इनके खिलाफ पुलिस की कार्यवाही नहीं होने से बड़ा सवाल उठने लगा है.

इन स्क्रैप चोरों से सेल की किरीबुरू, मेघाहातुबुरु, गुवा, चिड़िया जैसे खदान प्रबंधन के अलावे आम लोग भी परेशान है. चोरों का मनोबल इसलिए भी बढ़ रहा है कि इनके खिलाफ पुलिस स्वतः कोई कार्यवाही नहीं करती और न ही ऐसी चोरी की कोई शिकायत थाने में दर्ज कराता है.

लोग चिंतित

- स्क्रैप की चोरी करने वाले चोर सक्रिय हैं
- कार्यवाही नहीं होने से सवाल उठने लगे हैं

हेमंत बाबू ने जो वायदा किया, उसे हमारी सरकार पूरा करेगी : चंपाई

सीएम ने कोल्हान को 'अबुआ आवास योजना' की सौगात दी

रोहित कुमार। जमशेदपुर

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने शुक्रवार जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में कोल्हान को 'अबुआ आवास योजना' की सौगात दी. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने पहले चरण में 24,827 लाभुकों के बैंक खाते में कुल 74.48 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए. इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए, यह अधिकारी सुनिश्चित करें. उन्होंने केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी पर भी जमकर निशाना साधा. चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड को सजाना-संवारना हमारा काम है. हेमंत बाबू के जेल जाने के बाद जो काम अधूरे रह गए हैं, उसे हम पूरा करेंगे.

सिंचाई के लिए उपलब्ध कराएंगे पानी : चंपाई सोरेन ने कहा कि गठबंधन की सरकार पाइपलाइन के जरिए झारखंड में खेतों तक पानी पहुंचाएगी. खेतों में अब 12 महीने पानी मिलेगा. उन्होंने कहा कि जमशेदपुर में अगर डिमना लेक का पानी 10 तल्ला मकान तक पहुंच सकता है, तो किसानों के खेत तक पानी क्यों नहीं पहुंच सकता. हम स्वर्णरेखा, खरकई के पानी को खेतों तक पहुंचाएंगे. उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे बेहतर शिक्षा हासिल करें. इसके लिए हेमंत सोरेन ने जो

परिकल्पना की थी, उसको हम साकार करेंगे. आदिवासी बच्चों को भी बेहतर शिक्षा मिले, इसके लिए उन्होंने मॉडल स्कूल खोले. गुरुजी क्रेडिट कार्ड की शुरुआत की. सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना की शुरुआत की. हेमंत सोरेन के इन दूरदर्शी कार्यों की वजह से विपक्ष घबरा गया. इसलिए साजिश के तहत जेल में बंद कर दिया.

बोले चंपाई

- ये आपकी सरकार है, ये गांव से ही चलेगी
- हर गांव को सजाना है, वंचित गांव में बिजली पहुंचाना है

शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन ने कभी समझौता नहीं किया

चंपाई सोरेन ने गोपाल मैदान से शिबू सोरेन के आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन ने कभी समझौता नहीं किया, इसलिए हेमंत बाबू को जेल जाना पड़ा. सच्चाई की कभी हार नहीं होती. आज महागठबंधन ने जो जिम्मेदारी मुझे दी है, मैं उसका पूरी ईमानदारी से निर्वहन करूंगा. हमारी सरकार हर गरीब और जरूरतमंद के साथ खड़ी रहेगी. हम चाहते हैं कि झारखंड की खनिज संपदा का उचित उपयोग हो, ताकि हमारा प्रदेश विकसित बने. ये आपकी सरकार है. ये सरकार गांव से ही चलेगी. हर गांव को सजाना है, संवारना है. छूटे गांवों में बिजली पहुंचाना है.

चंपाई ने खुद को हेमंत सोरेन पार्ट-2 बताया

चंपाई ने खुद को हेमंत सोरेन पार्ट-2 बताते हुए कहा कि जमशेदपुर और अन्य क्षेत्रों में बहुत अंतर है. जमशेदपुर से सटे आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में आधारभूत संरचना तैयार करने का मन बनाया है. यहां की निजी कंपनियों में 50 फीसदी आदिवासी, मूलवासी को नौकरी मिलेगी. इससे आदिवासी समृद्ध होंगे. मुझे पूरा भरोसा है कि झारखंड प्रशासन के सभी पदाधिकारी सरकार की योजनाओं को लागू करने में अहम भूमिका निभाएंगे.

अज्ञात वाहन से टकराया बाइक, एक घायल

बहरागोड़ा। बरसोल थाना क्षेत्र के अजंता होटल के समीप एन एच 49 पर पश्चिम बंगाल के कोठारिया से लौटते वक्त गम्हरिया गांव निवासी राम मुर्मू (38) किसी अज्ञात वाहन के पीछे जोरदार टक्कर मार देने पर बुरी तरह से घायल हो गया. जीसे हाईवे पुलिस पेट्रोलिंग टीम द्वारा तड़ित कार्रवाई करते हुए पेट्रोलिंग वाहन पर ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लाया गया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए उच्च चिकित्सा हेतु रेफर कर दिया गया.

शिव महापुराण महाआरती में शामिल हुए काली शर्मा

जमशेदपुर। सोनारी के डोबो में चल रहे श्री शिव महापुराण कथा के पांचवें एवं अंतिम दिन शुक्रवार को भाजयुमो के प्रदेश मीडिया प्रभारी कृष्णा शर्मा उर्फ काली शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा जी से आर्शीवाद लिया. साथ ही महाआरती में शामिल हुए और झारखंड एवं देश के विकास की प्रार्थना की. शिव महापुराण कथा दरबार में हाजरी लगायी और कथा का आनंद लिया.

कांग्रेस कमेटी ने बैठक कर सीएम के प्रति जताया आभार

बिजली सब्सिडी बढ़ाए जाने पर जनता में हर्ष का माहौल

संवाददाता। सुकेश

विश्वास मत हासिल करने के साथ ही मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने बिजली सब्सिडी में जल्द वृद्धि की घोषणा कर आम गरीब बिजली उपभोक्ताओं को बिजली बिल से निजात दिलाने की और महंगाई से राहत दिलाने की सराहनीय पहल किया है. शुक्रवार को कांग्रेस भवन चाईबासा में जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास की अध्यक्षता में बैठक कर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के प्रति आभार प्रकट किया गया. मालूम हो कि पूर्व में विद्युत उपभोक्ताओं को 100 यूनिट की बिजली सब्सिडी के रूप में दी जाती थी.

मुख्यमंत्री के घोषणा के उपरांत यह सब्सिडी बढ़कर 125 यूनिट तक कर दिया जायेगा. जिससे आम गरीब ग्रामीण उपभोक्ताओं को बिजली बिल से राहत मिलने की पूरी संभावना है. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के द्वारा गरीब विद्युत उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने के कार्य से ग्रामीण जनों में काफी प्रसन्नता है. साथ ही जिला कांग्रेस कमेटी उन विद्युत उपभोक्ताओं को भी राहत दिलाने की मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से अपेक्षा की है जिन विद्युत उपभोक्ताओं के ऊपर विद्युत विभाग के द्वारा बकाया बिल को लेकर मुकदमा दायर किया गया है. बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी ने तय किया है कि मुख्यमंत्री से मिलकर विद्युत उपभोक्ताओं के समस्या समाधान की दिशा में पहल की जाएगी. कांग्रेस भवन में बैठक कर आभार व्यक्त करने वालों में कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, महासचिव त्रिशानु राय , प्रवक्ता जितेन्द्र नाथ ओझा , सचिव संतोष सिन्हा , प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां , मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडरी , विष्नो राज दास शामिल थे.

विधायक दीपक बिरुवा के प्रयास से मिला नए ट्रांसफार्मर, ग्रामीण खुश

सुकेश कुमार। चाईबासा

सदर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सदर प्रखंड अंतर्गत पंडाबीर के लादुराटोला में विधायक दीपक बिरुवा के प्रयास से नए ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया. इसका उद्घाटन शुक्रवार को किया गया. इससे टोला में फिर से बिजली बहाल हो गई. टोला में फिर से बिजली की रोशनी से जगमगाते देख ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी. लेकिन इस टोला के लोग विगत एक माह से ट्रांसफार्मर खराब हो जाने के कारण अंधेरे में रहने को विवश थे. ग्रामीणों ने खराब पड़े ट्रांसफार्मर को बदलवाने की गुहार विधायक से लगाई थी. विधायक ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को नए ट्रांसफार्मर लगाने का निर्देश दिया था. विभागीय पदाधिकारियों ने देरी किए बिना

खराब पड़े ट्रांसफार्मर को बदलते हुए 25 केवीए का नए ट्रांसफार्मर उपलब्ध कर दिए. विधायक के प्रयास से फिर गांव बिजली की रोशनी से जगमग हो उठा.

ग्रामीणों ने धन्यवाद देते हुए विधायक के प्रति आभार प्रकट किया. शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने विधिवत पूजा अर्चना के बाद फीता काट कर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया. मौके पर झामुमो पंचायत अध्यक्ष सूरज बोयपाई, ग्रामीण मुंडा बुधन सिंह बोयपाई, ग्राम विकास समिति पांडावीर के अध्यक्ष विजय सिंह बोयपाई, अलप्रेम बोयपाई, पप्पू बोयपाई, अर्जुन तांती, सिकंदर, राजू, मोहन सिंह, मनोज, सरोज, जयंती बोयपाई, सोनामुन्नी, प्रीति, मनीषा, हीरा मोती, सावित्री, जयंती, संगीता, पालो, पार्वती समेत काफी संख्या में ग्रामीण महिला एवं पुरुष उपस्थित थे.

परेशानी पदाधिकारियों को अपनी कार्यप्रणाली के बदौलत जनता का विश्वास जीतना होगा

नक्सली क्षेत्र में सूचना एकत्र करना हो रहा मुश्किल

शैलेश सिंह । किरीबुरु

पश्चिम सिंहभूम जिले के अत्यंत नक्सल प्रभावित सारंडा, कोल्हान एवं पोड़ाहाट जंगल क्षेत्र के तमाम अनुमंडल, पुलिस निरीक्षक व थानाओं के पुलिस पदाधिकारियों का स्थानांतरण एक सप्ताह के अंदर किये जाने से नक्सलियों के खिलाफ सूचना एकत्रित करने में पुलिस को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. वर्तमान में सिर्फ स्थानांतरित होकर आये एसडीपीओ अथवा डीएसपी ने अपने अपने मुख्यालय में योगदान दिया है. जबकि दूसरे जिले से स्थानांतरित होकर आये

अथवा आने वाले नये इन्स्पेक्टर व थाना प्रभारियों की पोस्टिंग विभिन्न थाना में करने का कार्य पुलिस अधीक्षक द्वारा किया जाना है. सारंडा व कोल्हान जैसे अत्यन्त नक्सल प्रभावित क्षेत्र के गांवों में नक्सलियों के खिलाफ सूचना तंत्र मजबूत करना पुलिस के लिये पहले से ही चुनौती भरा कार्य रहा है. नये पुलिस पदाधिकारियों व थाना प्रभारियों के लिये यह काम काफी मुश्किल भरा रहने वाला है. इसके अलावे सेल की खदान क्षेत्रों से होने वाली स्क्रैप की चोरी, झारखंड-ओडिशा सीमांत क्षेत्रों से लौह अयस्क, बालू तस्करी, अंध विश्वास व भूमि विवाद की वजह से घटित होने वाली नृशंस हत्याओं की घटना, नकली व अवैध शराब तथा कोरेक्स का अवैध कारोबार व तस्करी, अन्य छोटे-बडे.अपराधों पर नियंत्रण लगाना नये पुलिस पदाधिकारियों के लिये बड़ी चुनौती साबित होगी. ऐसे अपराधों पर नियंत्रण गांव से लेकर शहरों तक बेहतर सूचना तंत्र मजबूत करने से हीं संभव होगा. नये पुलिस पदाधिकारियों को अपनी निष्पक्ष व पारदर्शी कार्यप्रणाली की बदौलत जनता का विश्वास जीतकर किया जा सकता है. तमाम थानों, खासकर नक्सल प्रभावित क्षेत्र के थानों में तेजतर्रार, अनुभवी व सहनशीलता वाले पुलिस पदाधिकारियों की पदस्थापना करने की जरूरत होगी. सारंडा व कोल्हान जंगल क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ पुलिस व अर्द्ध सैनिक बल निर्णायक लड़ाई तेज कर दी है.

चुनौती बढ़ी

- अत्यंत नक्सल प्रभावित क्षेत्र है सारंडा और कोल्हान
- नये थाना प्रभारियों की पोस्टिंग किया जाना बाकी है

नेताजी सुभाष पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव संपन्न, कुलाधिपति ने कहा-

बच्चों का सर्वांगीण विकास जरूरी

संवाददाता। जमशेदपुर

साकची स्थित राजेंद्र विद्यालय प्रेक्षागृह में शुक्रवार को नेताजी सुभाष पब्लिक स्कूल की पोखारी, परसुडीह, गोविंदपुर, जमशेदपुर एवं आदित्यपुर शाखा का वार्षिकोत्सव संयुक्त रूप से समारोह पूर्वक मनाया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जियेडा के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन तथा विशिष्ठ अतिथि के रूप में नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मदन मोहन सिंह, चेयरमैन एमके झा, स्कूल की राखामाइंस शाखा की प्राचार्य वाई मंगा लक्ष्मी, हल्दीपोखर शाखा की प्राचार्य वाई ज्योति लक्ष्मी,

पोखारी शाखा के प्राचार्य अवधेश कुमार शर्मा व अन्य सम्मानित अतिथि उपस्थित थे. सबों ने साई महाराज व नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया.

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रेम रंजन ने कहा कि विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास करता है. साथ ही यह बच्चों में भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता लाता है. नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मदन मोहन सिंह ने कहा कि विद्यालय बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्ध हैं.

न्यूज अपडेट

युवाओं ने कुणाल षाड़ंगी को अवार्ड मिलने पर दी बधाई

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र के यह युवा नेता अभिजीत बाग ने भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी को फेडरेशन ऑफ़ इंडियन एसोसिएशन शिकागो की ओर से इंटरनेशनल यूथ आइकॉन अवार्ड मिलने पर हार्दिक बधाई दी. साथ ही प्रदेश प्रवक्ता को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया. इस अवसर पर कुणाल षाड़ंगी ने युवाओं को वर्तमान समाज के उत्थान के लिए आगे आने के लिए आव्हान किया. वहीं युवाओं को सोशल मीडिया से अच्छे ज्ञान की प्राप्ति करना ना बल्कि इसकी लत में पड़ जाना चाहिए.

किरीबुरु-मेघाहातुबुरु में कनकनी बढ़ गई

किरीबुरु। किरीबुरु-मेघाहातुबुरु एवं सारंडा क्षेत्र में गुरुवार की रात से अचानक तापमान में भारी गिरावट आने एवं तेज सर्द हवा चलने से कनकनी काफी बढ़ गई है. शुक्रवार को किरीबुरु का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री तक पहुंच गया है. तापमान में निरंतर उतार-चढ़ाव की वजह से सर्दी-खांसी जैसी मौसमी बीमारियां बढ़ रही हैं. ठंड व कनकनी बढ़ने के कारण स्कूली बच्चों, वृद्धों व आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है.जानकार बताते हैं कि 9 फरवरी से तापमान में वृद्धि होने की संभावना है. इससे लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिलना प्रारम्भ हो जायेगा. शहर में कई जगह कुछ लोग अलाव तापते भी नजर आये.

घाटशिला कॉलेज में 10 मॉड्यूल प्रदर्शित किया गया

घाटशिला। घाटशिला महाविद्यालय में बालिका के महत्व को बढ़ावा (इन्हांसिंग द वैल्यू ऑफ गर्ल्स चाइल्ड) देने के उद्देश्य से विगत 2 फरवरी से चल 7 दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को संपन्न हुआ. इस दौरान 10 मॉड्यूल वीडियो छात्र- छात्राओं के बीच प्रदर्शित किया गया. इनमें से 8 मॉड्यूल में एक बालिका आनंदी की जीवन पर केंद्रित वीडियो दिखाया गया. अन्य दो मॉड्यूल वीडियो में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी गई. इस मौके पर प्राचार्य डॉ आर के चौधरी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्राएं अपनी समस्याओं को बताने में संकोच नही करें.

जमशेदपुर में 'जीवन' करेगा सेवाओं का विस्तार

जमशेदपुर। जमशेदपुर में आत्महत्या की रोकथाम के लिए समर्पित 'जीवन' आत्महत्या निवारण केंद्र अपनी सेवाओं का विस्तार करने जा रहा है. इसके लिए केंद्र को स्वयंसेवकों की आवश्यकता है. वर्ष 2006 में 4 घंटे के साथ अपनी सेवाओं की शुरुआत करने वाला केंद्र वर्तमान में 8 घंटे सेवाएं दे रहा है. जीवन अपनी सेवाओं में विस्तार करने जा रहा है. इच्छुक व्यक्ति केंद्र के पर आकर एक फॉर्म भर सकते हैं. जीवन के स्वयंसेवक 9297777499 या 9297777500 पर फोन पर सहायता प्रदान करने के लिए आसानी से उपलब्ध हैं.

केंद्र की योजनाओं से महिलाएं हुईं लाभान्वित : गीता

घाटशिला। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष चंडी चरण साव की अध्यक्षता में शुक्रवार को घाटशिला के एक होटल में शक्ति वंदन कार्यशाला अभियान को लेकर बैठक आयोजित की गई. बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष हिमांशु मिश्रा ने किया. बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित शक्ति वंदन अभियान की प्रदेश सह संयोजक गीता बालमुचू ने कहा कि नारी शक्ति को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष सत्र बुलाकर महिलाओं को आरक्षण देते हुए विशेष कानून पास किया है. महिलाओं को केंद्र में रखकर कई प्रकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं लेकर देश के महिलाओं को लाभान्वित किया है.

15 छात्र ज्योति फेलोशिप स्कॉलरशिप के लिए चयनित

घाटशिला। बांकी पंचायत के मुखिया फागु सोरेन के पहल पर दामपाड़ा क्षेत्र के 15 छात्र ज्योति फैलोशिप स्कॉलरशिप के लिए शुक्रवार को चयनित हुए. टाटा स्टील फॉउंडेशन की ओर से आयोजित परीक्षा में सभी छात्र चयनित हुए है. चयनित छात्रों को फाउंडेशन की ओर से प्रति वर्ष स्कॉलरशिप दिया जाएगा. कक्षा 7 एव 8 में प्रति वर्ष 6 हजार रुपये, कक्षा 9 एवं 10 में प्रति वर्ष 9 हजार रुपये व कक्षा 11 एवं 12 में प्रति वर्ष 18 हजार रुपये का स्कॉलरशिप मिलेगा.

छात्रों के लिए हार-जीत मायने नहीं रखती : प्राचार्य

घाटशिला। अरवाआईन एड्वेंटिस्ट स्कूल गोपालपुर के प्रांगण में शुक्रवार को वार्षिक खेलकूद एवं शैक्षणिक कार्यक्रम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य जॉर्ज रंजीत हेंब्रम के द्वारा किया गया. उन्होंने विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देते हुए बधाई दी. प्राचार्य ने कहा कि छात्रों के लिए हार जीत बहुत ज्यादा मायने नहीं रखती. मुख्य बात यह है कि हम विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने शारीरिक और मानसिक क्षमता को बेहतर बनाते हैं.

टाटा वर्कर्स यूनियन के मेंबर आरआर सिंह हुए सम्मानित

जमशेदपुर। टाटा वर्कर्स यूनियन के ट्यूब कंपनी से कमेटी मेंबर आरआर सिंह को भारतीय जनतंत्र मोर्चा सह ट्यूब डिवीजन एसटीपी फिनिशिंग वेयर हाउस विभाग के पी विजय राव ने सम्मानित किया. आरआर सिंह टाटा स्टील ट्यूब डिवीजन एसटीपी फिनिशिंग वेयर हाउस में कार्यरत हैं. एसटीपी वेयर हाउस में कार्यरत पी विजय राव ने आरआर सिंह को निर्विरोध चुने जाने पर सम्मानित किया. आरआर सिंह वर्ष 2002 से लगातार यूनियन के कमेटी मेंबर के पद पर चुने जा रहे हैं.

ब्लैक बनाम व्हाइट पेपर

किसी भी लोकतंत्र में ठीक चुनाव के पहले यदि विमर्श विपक्ष के ब्लैक पेपर और सरकार के व्हाइट पेपर पर केंद्रित हो जाए तो इससे बेहतर कुछ और नहीं हो सकता. आमतौर पर हमारे देश में चुनाव को भावनात्मक मुद्दों पर ही केंद्रित करने का प्रयास किया जाता है तथा सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के तमाम प्रयास किए जाते हैं. आम चुनाव के ठीक पहले पिछले बीस सालों के आर्थिक सवालों पर विमर्श हो जाए तो इससे जाहिर होगा कि देश की दिशा किस ओर है. तमाम दावों के बावजूद जमीनी हालत को ले कर अनेक सवाल उठते रहते हैं. जरूरी तो यह भी है कि जब से भारत की अर्थव्यवस्था उदारीकरण के लिए खोली गयी, तब से ले कर आज के संदर्भ को विमर्श के केंद्र में रखा जाए. वैसे भी प्रधानमंत्री संसद हो या जन सभा पिछली सरकारों पर आरोप मढ़ते रहते हैं. आजादी के बाद भारत ने मिश्रित अर्थव्यवस्था का सहारा लिया और ध्रुवों में बंटी दुनिया में गुट निरपरेक्ष रहते हुए आर्थिक उन्नति के लिए पंचवर्षीय योजनाओं का सहारा लिया. भारत के औद्योगीकरण के दरवाजे खुले और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने भारत की उन्नति की राह में अहम भूमिका निभायी. 1990 भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बुरा दौर साबित हुआ. एक तरह से देश पहली बार भुगतान संतुलन की समस्या का हल करने में कारगर साबित नहीं हुआ. 1991 में भारत की इकोनॉमी खोल दी गयी और डॉ. मनमोहन सिंह और नरसिंह राव की जोड़ी ने देश को नई दिशा दी. तबसे भारत की पूरी इकोनॉमी तमाम उतार चढ़ाव के बावजूद उसी राह पर आगे बढ़ रही है. डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्वकाल में एक समय ऐसा भी आया, जब भारत तेज गति से डबल डिजिट विकास दर की ओर बढ़ा. 2008 की आर्थिक मंदी के दौर में भारत लड़खड़ाया नहीं. मनरेगा के कारण भारत में लगभग 27 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए. अब जब कि केंद्र सरकार ने इन्हीं दस सालों पर एक श्वेत पत्र जारी किया है, जिसमें दावा किया गया है कि यूपीए के कार्यकाल की आर्थिक नीतियां औसत ही मानी जा सकती हैं. दस सालों में 15 घोटाले भी हुए. दूसरी ओर ब्लेक पेपर में मोदी सरकार के कार्यकाल को अन्याय का काल बताते हुए बेरोजगारी,किसानों के साथ हुए अन्याय, महिला उत्पीड़न में बढ़ोतरी जैसे सवालों को फोकस किया गया है. बेहतर हो यदि अगला चुनाव इन्हीं पत्रों के आधार पर दोनों पक्ष लड़ें. इससे वोटरों को भी तय करने का मौका मिलेगा कि किन पत्रों के दावे वास्तविकता के करीब हैं. लेकिन भारत में आम चुनाव आर्थिक सवालों पर केंद्रित नहीं किए जाते. इस समय भारत की विकास दर को सबसे तेज बताया जा रहा है, लेकिन जिस तरह की गैर-बराबरी बढ़ रही है, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. परसेप्सन की लड़ाई में कौन-सा पत्र किस पर हावी होगा, यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन लोकतंत्र के लिए बेहतर होगा यदि ऐसे सवाल ही मुख्य बना दिए जाएं.

> मनरेगा के कारण भारत में लगभग 27 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए. अब जब कि केंद्र सरकार ने इन्हीं दस सालों पर एक श्वेत पत्र जारी किया है, जिसमें दावा किया गया है कि यूपीए के कार्यकाल की आर्थिक नीतियां औसत ही मानी जा सकती हैं.

सुभाषित

मूर्खस्य पञ्च चिन्हानि गर्वो दुर्वचनं तथा।
क्रोधश्च दृढवादश्च परवाक्येष्वनादरः॥

मूर्खों के पांच लक्षण हैं, जिससे उनकी पहचान आसानी से हो जाती है.वे गर्व में चूर रहते हैं, हमेशा अपशब्दों का प्रयोग करते हैं, बात-बात में क्रोध करते हैं, हठी होते हैं और दूसरों की बातों का अनादर करते हैं.

राजनीति की बात, घात-प्रतिघात

हेमंत की गिरफ्तारी के बाद से एनडीए खूब गाल बजा रहा था. जिस 'खेला'की आशंका से महागठबंधन के 37 विधायकों को दो फरवरी की शाम हैदराबाद शिफ्ट कर दिया गया था, वैसा कुछ भी नहीं हुआ. जितनी आसानी से चंपाई का मुख्यमंत्रित्व कन्फर्म हो गया, कैबिनेट बनाने में उनको उतनी ही जद्दोजहद करनी पड़ रही है. इसी कारण 8 फरवरी को कैबिनेट की तय शपथ 16 फरवरी तक टाल देनी पड़ी.

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

दो फरवरी को झारखंड की राजनीति में दो महत्वपूर्ण घटनाएं हुईं. छह बार के विधायक झामुमो के चंपाई सोरेन ने राज्य के 12वें मुख्यमंत्री के बतौर अपने दो सहयोगी मंत्रियों कांग्रेस के आलमगीर आलम और राजद के सत्यानंद भोक्ता संग शपथ ली. दूसरी ओर 31 जनवरी की रात ईडी द्वारा गिरफ्तार किये गये तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पीएमएलए कोर्ट ने पूछताछ के लिए पांच दिनों के रिमांड पर भेज दिया. सात फरवरी को उसी कोर्ट ने उनको ईडी के जिस आधार पर अगले पांच दिनों के लिए पुनः रिमांड पर भेजा दिया, उससे पता चलता है कि उन पर और केस लदेंगे.
इसके पहले चंपाई सरकार के फ्लोर टेस्ट के लिए पांच और छह फरवरी को विधानसभा का सत्र बुलाया गया. पहले दिन राज्यपाल के परंपरागत अभिभाषण के बाद महागठबंधन को फटाफट सवा घंटे में प्रतिपक्ष के 29 के मुकाबले 47 मतों से विश्वासमत प्राप्त हो गया. संख्याबल का सीधा-सादा गणित था. जनवरी 2020 में हेमंत सरकार को समर्थन देनेवाले निर्दलीय सरयू राय तटस्थ रहे. एनसीपी के कमलेश सिंह इस बार एनडीए के पाले में चले गये. सात महीने पहले 2 जुलाई 2023 को महाराष्ट्र में एनसीपी के दो फाड़ होने के बाद वे सत्ता पक्ष से बिदक कर प्रतिपक्ष में जा बैठे थे. एनडीए की संगति पकड़े निर्दलीय अमित कुमार यादव गैरहाजिर रहे. झामुमो के रामदास सोरेन दिल्ली में और भाजपा के इंद्रजीत महतो हैदराबाद में अपना इलाज कराने के कारण अनुपस्थित रहे. अंतिम पाली खेल रहे मनोनीत विधायक ग्लेन जोसेफ गॉलस्टन सत्ता पक्ष के साथ ही रहे. एक सीट गांडेय रिक्त है.
हेमंत की गिरफ्तारी के बाद से एनडीए खूब गाल बजा रहा था. जिस 'खेला'की आशंका से महागठबंधन के 37 विधायकों को दो फरवरी की शाम हैदराबाद शिफ्ट कर दिया गया था, वैसा कुछ भी नहीं हुआ. जितनी आसानी से चंपाई का मुख्यमंत्रित्व कन्फर्म हो गया, कैबिनेट बनाने में उनको उतनी ही जद्दोजहद करनी पड़ रही है. इसी कारण 8 फरवरी को कैबिनेट की तय शपथ 16 फरवरी तक टाल देनी पड़ी. इस राज्य की यही रवायत रही है, हालांकि मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला, जबकि वहां तो 'अनुशासन' वाली पार्टी सत्ता में आई थी.
अदालती आदेश से हेमंत सोरेन फ्लोर टेस्ट में भाग लेने सदन पहुंचे. उन्होंने सदन में चौंकानेवाली बातें कहीं. बोले, ईडी ने सदन में बोलने से मना किया था, लेकिन मैंने जब कहा कि आप इस बावत स्पीकर को लिखंत दें तो वे मौन साध गये. वे 25 मिनट तक ईडी और भाजपा पर गरजते-बरसते रहे. आदिवासी कार्ड चलने में भी पीछे न रहे. चुनौती पेश की, बरियातु-रांची की जिस साढ़े आठ एकड़ जमीन के मामले में मुझको गिरफ्तार किया गया, उससे संबंधित एक भी कागज दिखा दिया जाय तो राजनीति से संन्यास ले लूंगा. मुझे राजभवन में गिरफ्तार कर इतिहास रच दिया गया. इसमें राजभवन भी शामिल था. इसके 24 घंटे बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मीडिया के समक्ष किसी संतोष मुंडा का एक ऑडियो वीडियो पेश कर दावा किया कि उस भुंइहरी प्लॉट पर हेमंत का कब्जा था, जिसे बड़ी हड़बड़ी में मूल रैयत को वापस किया गया. संतोष ने पत्थर की चारदीवारी वाले उस प्लॉट का खुद को चौकीदार बताया.
चंपाई के विश्वासमत प्राप्त करने और बड़ी ईमानदारी से कुबूलनामे 'मुझे हेमंत सरकार पार्ट-टू कहलाने में आपत्ति नहीं'के कुछ देर बाद पांच फरवरी को ही पुरानी विधानसभा के निकट शहीद मैदान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एचईसी कर्मियों और हेमंत के समर्थन और भाजपा के विरोध में हुंकार भरी. यह वही शहीद मैदान है, जिसमें राहुल की मां सोनिया गांधी ने 2004 के इलेक्शन में एचईसी को पुनर्जीवित करने का भरोसा दिलाया था. चुनाव बाद उसको पुनरुद्धार पैकेज मिला भी था. आज का दिन है कि एशिया की यह सबसे बड़ी मदर इंडस्ट्री काम के लिए तरस रही है और कामगार महीनों से वेतन न मिलने के कारण धरना-प्रदर्शन पर आमादा हैं. राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पार्ट-2 के तहत मणिपुर के थैबल से 14 जनवरी को प्रारंभ 15 राज्यों, 110 जिलों, सौ लोकसभा सीटों को कवर करनेवाली 6,700 किलोमीटर की न्याय यात्रा के क्रम में उस दिन झारखंड में थे. उन्होंने एलान किया कि एचईसी को निजी हाथों में नहीं जाने देंगे. देखिए आगे क्या होता है? जाहिर है कि उनकी यह यात्रा केवल भारत दर्शन नहीं, अपितु चुनावी यात्रा भी है. हेमंत के आरोपों को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने आठ फरवरी को पत्रकारों के समक्ष सिरे से खारिज कर दिया. लोकसभा चुनाव कभी भी दस्तक दे सकता है. बहुत संभव है, दस फरवरी को संसद के बजट सत्र की समाप्ति के बाद वह क्षण आ धमके. पांच फरवरी को ही लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के अकेले दम 370 सीटें और एनडीए के 400 सीटें जीतने की उम्मीद जताई. कश्मीर से धारा 370 हटाकर पीएम ने 370 सीटें जीतने की उम्मीद बांध ली है. पांच फरवरी को ही सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ में 30 जनवरी को हुए मेयर चुनाव में निर्वाचन पदाधिकारी भाजपा काउंसलर अनिल मसीह की मनमानी पर टिप्पणी करते हुए कहा, यह लोकतंत्र के साथ मजाक है. यह लोकतंत्र की हत्या है. 35 वोटरों में 'इंडिया' के 20 वोट होने के बावजूद मसीह ने उसके आठ वोट रद कर भाजपा प्रत्याशी के 16 वोट सुनिश्चित करा दिया था. बड़े मामलों में क्या होता होगा? अपनी राजनीति घात-प्रतिघात के बीच ऐसे ही लस्टम-पस्टम चलती रहेगी और हम अपने राजनेताओं से बिना कोई सवाल पूछे विश्व का महानतम गणतंत्र कहलाने पर गर्व करते रहेंगे. करना भी चाहिए.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

अपना अपना महत्त्व

एक समुराई(जापानी सेना नायक) जिसे उसके शौर्य, निष्ठा और साहस के लिए जाना जाता था, एक संन्यासी से सलाह लेने पहुंचा. जब संन्यासी ने ध्यान पूर्ण कर लिया तब समुराई ने उससे पूछा , " मैं इतना हीन क्यों महसूस करता हूं ? मैंने कितनी ही लड़ाइयां जीती हैं , कितने ही असहाय लोगों की मदद की है. पर जब मैं और लोगों को देखता हूं तो लगता है कि मैं उनके सामने कुछ नहीं हूं , मेरे जीवन का कोई महत्त्व ही नहीं है."
"रुको, जब मैं पहले से एकत्रित हुए लोगों के प्रश्नों का उत्तर दे लूंगा, तब तुमसे बात करूंगा.", संन्यासी ने जवाब दिया. समुराई इंतज़ार करता रहा , शाम ढलने लगी और धीरे -धीरे सभी लोग वापस चले गए. " क्या अब आपके पास मेरे लिए समय है?", समुराई ने संन्यासी से पूछा. संन्यासी ने इशारे से उसे अपने पीछे आने को कहा. चांद की रोशनी में सबकुछ बड़ा शांत और सौम्य था, सारा वातावरण बड़ा ही मोहक प्रतीत हो रहा था. "तुम चाँद को देख रहे हो, वह कितना खूबसूरत है ! वह सारी रात इसी तरह चमकता रहेगा, हमें शीतलता पहुंचाएगा, लेकिन कल सुबह फिर सूरज निकल जायेगा और सूरज की रोशनी तो कहीं अधिक तेज होती है, उसी की वजह से हम दिन में खूबसूरत पेड़ों , पहाड़ों और पूरी प्रकृति को साफ़–साफ़ देख पाते हैं. मैं तो कहूंगा कि चांद की कोई ज़रूरत ही नहीं है....उसका अस्तित्व ही बेकार है !!"
"अरे ! यह आप क्या कह रहे हैं, ऐसा बिलकुल नहीं है "- समुराई बोला, " चांद और सूरज बिलकुल अलग - अलग हैं. दोनों की अपनी-अपनी उपयोगिता है, आप इस तरह दोनों की तुलना नहीं कर सकते ", समुराई बोला. "तो इसका मतलब तुम्हें अपनी समस्या का हल पता है. हर इंसान दूसरे से अलग होता है, हर किसी की अपनी-अपनी खूबियां होती हैं और वह अपने-अपने तरीके से इस दुनिया को लाभ पहुंचाता है. बस यही प्रमुख है, बाकी सब गौण है", संन्यासी ने अपनी बात पूरी की. मित्रों ! हमें भी स्वयं के अवदान को कम अंकित कर दूसरों से तुलना नहीं करनी चाहिए. प्रायः हम अपने गुणों को कम और दूसरों के गुणों को अधिक आंकते हैं. यदि औरों में भी विशेष गुणवत्ता है तो हमारे अन्दर भी कई गुण मौजूद हैं. यदि उन गुणों को महत्व देते हुए उसका उपयोग किया जाये तो कभी आत्महीनता और अवसाद का सामना नहीं करना पड़ेगा. इसलिए आत्म सम्मान को कभी निर्बल नहीं होने देना चाहिए.

सर्वधर्म सद्भाव की विरासत के मायने

• सद्भाव

विश्वनाथ सचदेव

राम धुन गायी हो या भले ही न गायी हो किसी ने, पर सुनी तो अवश्य होगी. 'रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम', यह शब्द कभी न कभी दिल से या मस्तिष्क से टकराये तो होंगे ही. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का प्रिय भजन था यह. बताया जा रहा है कि यह भजन मूलतः पंडित लक्ष्मणाचार्य ने लिखा था और उसमें 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम' वाली पंक्ति नहीं थी. हो सकता है गांधी जी ने यह शब्द जोड़े हों. लेकिन महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इससे न तो मूल भजन की महत्ता कम होती है और न ही मूल भजन के प्रति किसी अवमानना का कोई भाव सामने आता है. कुछ सकारात्मक जुड़ ही रहा है इस पंक्ति से. देखा जाये तो यह 'एकम् सद्विप्रा बहुधा वदन्ति' का ही एक रूप है. ईश्वर एक है उसे किसी भी नाम से पुकार लो, ध्वनि पहुंचेगी उसी एक जगह जहां वह है. रोज सुबह अपनी प्रार्थना-सभा में ईश्वर अल्लाह तेरे नाम का संदेश देकर गांधी धर्म के नाम पर फैलती या फैलायी जा रही कटुता को समाप्त करने का संदेश ही दे रहे थे. पता नहीं मूल भजन में यह शब्द बापू ने जोड़े थे या किसी और ने पर जिसने भी जोड़े थे उसके प्रति हमें आभार व्यक्त करना चाहिए- इससे भजन को नया आयाम मिला है और जब हम कहते हैं, 'सबको सन्मति दे भगवान' तो इसका सिर्फ एक ही अर्थ निकलता है कि हम संपूर्ण मनुष्य जाति के कल्याण की कामना कर रहे हैं. इसे कोई और अर्थ देने का अथवा कोई और मंतव्य निकालने का मतलब 'एकम् सत्' की मूल भावना को ही नकारना होगा. ऐसा ही एक मंतव्य हमारे संविधान में दिये गये शब्द 'सेक्युलर' या 'पंथ-निरपेक्ष' का निकालने की कोशिश की जा रही है. कहा यह भी जा रहा है कि ये शब्द मूल संविधान में नहीं था, इसे संविधान में संशोधन करने के बाद जोड़ा गया. सही है यह बात. हमारे संविधान के निर्माताओं ने सेक्युलर या धर्म-निरपेक्ष शब्द जोड़ने से इंकार किया था. संविधान सभा में के.टी. शाह ने एक संशोधन प्रस्ताव रखते हुए 'भारत धर्म-निरपेक्ष, संघीय समाजवादी राज्यों का संघ होगा' शब्द जोड़ने का आग्रह किया था. तब बाबा साहेब अंबेडकर ने यह कहकर प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था कि धर्मनिरपेक्षता संविधान की संरचना में ही निहित है. जवाहरलाल नेहरू ने अंबेडकर की बात से सहमति जतायी थी. संविधान सभा में तब यह भी कहा गया था कि आने वाली पीढ़ियां यदि चाहेंगी तो आवश्यकता के अनुसार शब्द जोड़ सकती हैं. वर्ष 1976 में, आपातकाल के दौरान, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने यही किया था. संविधान के 42वें संशोधन के अनुसार तब संविधान के आमुख में 'पंथनिरपेक्ष' और 'समाजवाद' शब्द जोड़े गये थे. आपातकाल घोषित करने के लिए इंदिरा गांधी को किसी भी दृष्टि से सही नहीं ठहराया जा सकता, पर बयालीसवें संशोधन की उपयोगिता को नहीं नकारा जाना चाहिए. सेक्युलरिज्म का यह अर्थ कदापि नहीं है कि सरकार धर्म-विरोधी है. संविधान में इसे जोड़ने का उद्देश्य सिर्फ इस बात को रेखांकित करना है कि देश की सरकार किसी धर्म विशेष को प्रश्रय नहीं देगी. उसकी दृष्टि में सब नागरिक समान हैं, भले ही नागरिक किसी भी धर्म को मानने वाला क्यों न हो. सरकार का कोई धर्म नहीं होगा. सरकार की दृष्टि में सब धर्म समान होंगे का अर्थ सिर्फ यही है कि धर्म-निरपेक्ष भारत में सरकार किसी भी धर्म विशेष के प्रति कोई विशेष आग्रह नहीं रखेगी. सब धर्म समान हैं, सब धर्मों का लक्ष्य एक है. यह लक्ष्य है मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाना. यदि हम इस बात को समझ लेते हैं, स्वीकार कर लेते हैं तो किसी भी भारतीय के प्रति हमारे मन में कोई द्वेष-भाव नहीं पनपेगा. हमारा साझा आंगन होगा, हमारा साझा चूल्हा होगा. यही धर्म-निरपेक्षता है. धर्म-निरपेक्षता का अर्थ धर्म का विरोध नहीं है, सर्व धर्म समभाव है. लोगों को उनकी जाति और धर्म के बावजूद प्यार करना ही धर्म-निरपेक्षता की भावना को समझना है. हमारे लिए यह समझ नयी नहीं है. सच तो यह है कि हमारी समावेशी संस्कृति भी हमें यही संदेश देती है. हाल ही में भारतरत्न से सम्मानित लालकृष्ण आडवाणी ने वर्ष 1998 में संविधान की समीक्षा के संदर्भ में लिखे अपने एक लेख में कहा था, 'सेक्युलरिज्म भारत की संस्कृति में है'. आडवाणी जी तब देश के गृहमंत्री थे. कुछ ऐसी ही बात 2015 में पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भी कही थी. अपने एक भाषण में उन्होंने कहा था 'भारत सिर्फ इसलिए सेक्युलर नहीं है, क्योंकि यह हमारे संविधान में है. भारत सेक्युलर है क्योंकि सेक्युलरिज्म हमारे डीएनए में है.

> सरकार की दृष्टि में सब धर्म समान होंगे का अर्थ सिर्फ यही है कि धर्म-निरपेक्ष भारत में सरकार किसी भी धर्म विशेष के प्रति कोई विशेष आग्रह नहीं रखेगी. सब धर्म समान हैं, सब धर्मों का लक्ष्य एक है. यह लक्ष्य है मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाना. यदि हम इस बात को समझ लेते हैं, स्वीकार कर लेते हैं तो किसी भी भारतीय के प्रति हमारे मन में कोई द्वेष-भाव नहीं पनपेगा.

चंडीगढ़ में लोकतंत्र की हत्या तो झांकी है !

• सामयिकी

डॉ. पी. दीपक

हाल ही में चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में जिस प्रकार से पीठासीन अधिकारी ने कांग्रेस एवं आम आदमी पार्टी के 8 वोटों को साफ जान पड़ती दुर्भावना तथा षड़यंत्रपूर्वक रद्द करते हुए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को विजयी घोषित किया, उससे सियासी तूफान तो पहले से ही उठा हुआ था, सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि 'यह लोकतंत्र के साथ मज़ाक है. लोकतंत्र की हत्या है.' दरअसल यह मामला आप के मेयर पद के उम्मीदवार रहे कुलदीप कुमार द्वारा उच्चतम न्यायालय ले जाया गया है. भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्दीवाला एवं जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने सुनवाई के दौरान वकील अभिषेक मनु संघवी द्वारा पेश किया गया वह वीडियो देखा जिसमें पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह 8 बार अपना पेन इधर-उधर घुमाते दिखाई दे रहे हैं. इतने ही वोट अवैध बतलाकर निरस्त कर दिये गये जबकि चंडीगढ़ नगर निगम में कांग्रेस-आप के पास 20 एवं भाजपा के पास 16 वोट हैं. इतने वोट रद्द कराकर भाजपा उम्मीदवार को विजयी घोषित कराना सारी कहानी को साफ-साफ बयां करता है. इस वीडियो को देखकर नाराज़ न्यायाधीशों ने अनेक प्रकार की सख्त टिप्पणियां की हैं और कई तरह के निर्देश भी दिये हैं. पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट को न्याय करने में असफल करार देते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया का पूरा रिकार्ड सुरक्षित रूप से हाईकोर्ट के पास जमा कराया जाये. सुको ने नगर निगम की सभी अगली कार्रवाइयों पर रोक भी लगा दी है. शीर्ष कोर्ट ने सरकारी वकील को कहा है कि वे 'पीठासीन अधिकारी को बतलाएं कि उन्हें न्यायालय देख रहा है.' अगली सुनवाई में उन्हें स्वयं सुप्रीम कोर्ट में उपस्थित रहने के निर्देश भी दिये गये हैं, जो कि 12 फरवरी को निर्धारित की गयी है. देखना तो यह है कि सर्वोच्च अदालत ने जितनी सख्त टिप्पणी की है, सज़ा भी उतनी ही सख्त होने जा रही है या फिर किसी न किसी आधार पर अपराध की गम्भीरता को कमतर मानते हुए चंडीगढ़ मेयर चुनाव के पीठासीन अधिकारी की सज़ा को भी नरम सी, हल्की-फुल्की, चेतावनी जैसा कुछ जारी कर दिया जायेगा अथवा फिर माफी ही दे दी जायेगी? सवाल तो यह है कि कोर्ट-कचहरी की एक मुकम्मल व्यवस्था के रहते हुए एक अधिकारी नियमों की ऐसी धज्जियां उड़ाने की हिम्मत कर कैसे सकता है? जाहिर है, जो जिम्मेदार पद पर बैठा है, वह कानूनी प्रावधानों को जानता ही होगा. आखिरकार नियमों से तो वह कतई अनभिज्ञ नहीं होगा. असल में वह चारों ओर देख रहा है कि सभी तरह के नियमों व कानूनों को तोड़ने वाली राजनीतिक शक्तियां विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, स्वायत्त संस्थाओं एवं संवैधानिक संस्थानों पर इस कदर हावी हैं कि इन सभी का काम केवल सत्ता एवं सत्तारूढ़ भाजपा की हां में हां मिलाना रह गया है. अब तो ऐसा कोई भी मंच नहीं रह गया है जहां लोकतंत्र का मज़ाक उड़ाने वाले तत्व धमाल न मचा रहे हों. संसद में न केवल महिला पहलवानों के उत्पीड़न के आरोपी शान से बैठते हैं, बल्कि सत्ताधारी दल के एक सदस्य अल्पसंख्यक विपक्षी सदस्य को संप्रदाय से जुड़ी भद्दी व असंसदीय गालियां देते हैं. उसी सदन में वे लोग भी मंत्री बनकर बैठे हुए हैं, जिनका बेटा सरेआम अपने वाहन से आंदोलन कर रहे किसानों को कुचल देता है. एक राज्य में कद्दावर नेता के पुत्र अधिकारी को बीच सड़क पर बैट से भरपूर मारते हैं और कोई कार्रवाई तक नहीं होती. दंगों व सामूहिक बलात्कार के आरोपियों की सज़ा अच्छे चाल-चलन के आधार पर माफ कर दी जाती है तो वहीं बलात्कार-हत्या का आरोपी एक कथित संत हर दो-चार माह में पैरोल पर निकल आता है और अपने आश्रम में कुछ समय बिताकर जेल लौट जाता है. पिछले कुछ दिनों से लोकतंत्र की हत्या और उसके साथ मखौल कुछ ज्यादा ही बढ़ चला है, इतना कि सारा देश ही उसका आनंद उठा रहा है. न्यायपालिका को तेजी से कार्यपालिका स्थानापन्न कर रही है और सज़ा दिलाने के लिये आरोपियों को न्यायाधीश के सम्मुख खड़ा करने के बजाये खुद ही बुलडोज़र चला रही है. सुको को इस बात पर भी गुस्सा नहीं आता कि उसकी जगह विध्वंसक मशीनों ने ले रखी है. आरोपी के साथ पूरे परिवार को बेघर करने के पीछे कौन सा कानून व तर्क काम करता है और कार्यपालिका कब से न्यायपालिका की जिम्मेदारियां निभाने लग गया है.

> पिछले कुछ दिनों से लोकतंत्र की हत्या और उसके साथ मखौल कुछ ज्यादा ही बढ़ चला है, इतना कि सारा देश ही उसका आनंद उठा रहा है. न्यायपालिका को तेजी से कार्यपालिका स्थानापन्न कर रही है और सज़ा दिलाने के लिये आरोपियों को न्यायाधीश के सम्मुख खड़ा करने के बजाये खुद ही बुलडोज़र चला रही है.

मीडिया में अन्यत्र

ट्रंप की राजनीति अमेरिका को प्रभावित करेगी

कोलंबिया सर्किट जिले के अमेरिकी अपीलीय अदालत ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ देश के संवैधानिक लोकतंत्र को कमजोर करने से संबंधित आरोपों के संदर्भ में यह फैसला दिया है कि श्री ट्रम्प को उन अपराधों के लिए अभियोजन से छूट प्राप्त नहीं है, जो उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किए होंगे. अदालत के संघीय अपीलीय पैनल के इस फैसले का आशय यह है कि श्री ट्रम्प पर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की साजिश से संबंधित मामले में मुकदमा चलाया जा सकता है. इस मुकदमे में उन्हें अमेरिका को धोखा देने की साजिश रचने और एक आधिकारिक कार्यवाही में बाधा डालने सहित चार आरोपों का सामना करना है. हालांकि अदालत द्वारा अभियोजन से छूट के मसले पर दलीलें सुनने और ताजा व्यवस्था देने की प्रक्रिया में एक महीने का वक्त गुजर चुका है, लिहाजा इस साल के चुनाव की निर्धारित तारीख 5 नवंबर से पहले साजिश के इस मुकदमे को सूचीबद्ध करने और उसे चलाने के मामले में एक भारी दबाव की स्थिति पैदा हो गई है. विशेष वकील जैक स्मिथ के नेतृत्व में अभियोजन दल को यह चिंता सता रही है कि अगर श्री ट्रम्प अभियोजन से छूट से संबंधित फैसले के खिलाफ अपील करते हैं और साजिश के मामले में अन्य अड़ंगा डालने वाली रणनीति का इस्तेमाल करते हैं, तो यह मुकदमा चुनाव की तारीख से आगे खिंच सकता है. ऐसी स्थिति में, एक वास्तविक जोखिम यह हो सकता है कि अगर श्री ट्रम्प फिर से राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत जाते हैं तो वह मौजूदा राष्ट्रपति के रूप में अपनी हैसियत का इस्तेमाल या तो अपने खिलाफ मामले को खारिज करने या संभावित रूप से खुद को क्षमादान देने के लिए कर सकते हैं.अब जबकि सर्किट अदालत ने श्री ट्रम्प को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपने फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए 12 फरवरी तक का समय दिया है, यह साफ नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश राजनीतिक रूप से इतने गर्मागर्म मामले को सुनेंगे या नहीं. अगर वे ऐसा करते भी हैं, तो फैसला देने में कई हफ्ते या महीने लग सकते हैं. पहले ही, सुप्रीम कोर्ट इस बात पर सुनवाई करने जा रहा है कि क्या संविधान के 14वें संशोधन के तहत, श्री ट्रम्प का नाम राज्य के मतपत्रों से हटाया जा सकता है - जैसा कि कोलोराडो जैसे राज्यों ने "विद्रोह वाली धारा" के तहत करने की मांग की है. लब्बोलुआब यह है: श्री ट्रम्प इस असंतुलित चुनावी मौसम में कानूनी मामलों से जूझते रहेंगे और संभावित रूप से चुनाव के बाद भी ऐसा करना जारी रखेंगे. (द हिंदू)

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

नगमा/नज्म/गजल

एक प्यार का नगमा है, मौजों की रवानी है. ये जिंदगी और कुछ भी नहीं, तेरी मेरी कहानी है. यह गीत मैं जब भी सुनता हूं तो मेरी जिज्ञासा बढ़ जाती है कि यह नगमा क्या है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार नगमा अरबी भाषा मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है गीत, गाना, मुधर स्वर, सुरीली आवाज. रेख्ता उर्दू हिंदी शब्दकोश में इसे नग्मा के रूप में मान्यता दी गयी है. विशेष अर्थ बताया गया है- गाया जानेवाला किसी प्रकार का मनोहर और सुरीला गीत या राग-रागिनी, राग, तराना. जानकारों का कहना है कि हिंदी में जिसे लोकगीत कहा जाता है वही उर्दू में नगमा है. नगमा शब्द का प्रयोग फिल्म जगत में प्यार के गीतों के लिए अक्सर किया जाता है. नज्म अरबी भाषा मूल का शब्द है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार है संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में इसका मतलब है पद्य, कविता और संज्ञा पुल्लिंग के रूप में है प्रबंध, इंतजाम. गजल फारसी मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है उर्दू, हिंदी या फारसी में मुख्यतः प्रेम विषयक काव्य, जिसमें प्रायः पांच से ग्यारह शेर होते हैं और सभी शेर एक ही रदीफ और काफिया में होते हैं. अर्थात दूसरी कड़ी में अनुप्रास होता है. प्रेमिका से वार्तालाप तो गजल है ही, पद्य या मुक्तक काव्य का वह रूप भी गजल है, जिसमें प्रतीकात्मकता और गीतात्मकता के साथ अनुभूति की तीव्रता की प्रधानता होती है. विशेषज्ञों का कहना है कि गजल और नज्म दोनों ही उर्दू शायरी के महत्वपूर्ण अंग हैं. दोनों में कुछ अंतर भी हैं. एक ग़ज़ल में जहाँ शेर अलग-अलग विषयों पर विचारों को व्यक्त करते हुए हो सकते हैं, वहीं नज़्म किसी एक ही विचार को लेकर लिखी जाती है. उसी विषय को आगे बढ़ाते हुए उसी भाव को व्यक्त करते आगे की पंक्तियां उसमें रहती हैं. यह हिंदी कविता जैसी होती है जिसमें उर्दू शब्द की प्रधानता होती है.

बड़ा भयंकर जीव है इस जग में दामाद

• तीर-तुक्का

प्रमोद यादव

भारतीय समाज में सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति होता है- दामाद...यहां के चालीस प्रतिशत दामादों का 'रेसिडेंशियल एड्रेस' ससुराल होता है..ऐसे दामादों को "घरजमाई" कहते है..एक ने तो दामाद को ऐसे भी परिभाषित किया - यह वह चीज है जो न खाते बने न उगलते..मध्यमवर्गीय परिवारों में दामाद को भगवान् या वीवीआईपी जैसा दर्जा दिया जाता है..ऐसे दामादों की गिनती नहीं के बराबर है..भगवान् श्रीराम ऐसे ही दामाद थे राजा जनक के.. श्रीराम जैसे तो इक्के-दुक्के ही होते हैं.. अधिकाँश तो बर्बादी के आंकड़े होते है..प्रेम चोपड़ा और गुलशन ग्रोवर की तरह....बेटी की हथेली से मेहंदी उतरी नहीं होती और ये मुखौटा उतार लेते हैं..औकात पर आ जाते हैं..मान-सम्मान में कहीं कोई थोड़ी भी चूक हुई कि ससुराली जलील और अपमानित...ससुर सब कुछ न्योछावर कर याचक बन जाता है, पर दामाद कभी उसका शुक्रगुजार नहीं होता. उसकी नजर में तो ससुराल वाले दोयम दर्जे के होते हैं..काका हाथरसी ने भी दामादों की दुनिया पर एक कविता लिखी थी और कहा था-बड़ा भयंकर जीव है, इस जग में दामाद. सास-ससुर को चूसकर, कर देता बरबाद. भगवान् शिव बड़े गुस्सैल दामाद थे, राजा प्रजापति दक्ष के..दुनिया के सबसे प्रथम दामाद होने का उन्हें गौरव प्राप्त है..राजा दक्ष शिवजी को अपमानित करने का कोई अवसर नहीं चूकते थे..यज्ञ हो या हवन ..जानबूझकर उन्हें आमंत्रित नहीं करते..हमेशा उसे निरादर भाव से देखते...कारण केवल यह था कि एक बार मुनियों का एक समूह यज्ञ करवा रहा था.यज्ञ में सभी देवताओं को बुलाया गया था. जब राजा दक्ष आये तो सभी खड़े हो गए लेकिन शिवजी नहीं हुए.वे बड़े स्वाभिमानी थे.. दक्ष क्रोधित हुए..और यहीं से दामादजी भी हुए गुस्सैल.... राजा दक्ष को दामाद से ऐसी अपेक्षा नहीं करनी चाहिए थी.. आखिर में हश्र ये हुआ कि एक दिन गुस्से में उनका तीसरा नेत्र खुल गया और उनके आदेश पर वीरभद्र ने दक्ष का सिर काट दिया. शिवजी के बाद भी कई स्वाभिमानी दामाद अवतरित होते रहे..जैसे कालान्तर में भारत में नेहरूजी के दामाद फिरोज गांधी..उन्होंने ससुर का सिर तो नहीं काटा पर संसद में उनकी काफी चिकोटी काटे....शिवजी की तरह इनकी भी ससुर से कभी नहीं बनी...इसके विपरीत जिन ससुर दामादों की सबसे ज्यादा बनी..वे श्रीराम और राजा जनक थे..आज के युग में भी हर ससुर-दामाद राजा जनक और श्रीराम के जैसे ही बनना चाहते हैं लेकिन अधिकांश बन जाते हैं दक्ष और शिव जैसे.... दुनिया में दो ही प्रकार के दामाद होते हैं- पहला-अच्छा दामाद और दूसरा- बुरा दामाद..इनमें भी दो वर्ग होते हैं- एक-पैसे वाला दामाद और दूसरा- कंगला दामाद..वैसे दूसरे प्रकार वाले की ख्वाहिश किसी सास-ससुर को नहीं होती..

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष – आय के लिए दिन अच्छा है. पारिवारिक मेलजोल के लिए अच्छा दिन है. कार्यक्षेत्र में व्यर्थ की चिंताएं न करें. काम अपनी गति से चल रहा है और समय से समाप्त हो जाएगा. जीवनसाथी आपसे खुश होगा. धन का संचय आवश्यक है.

वृषभ – समय बहुत ही उत्तम है. आपकी आमदनी बढ़ेगी और आर्थिक लाभ प्राप्त करने के नए रास्ते भी मिलेंगे. भाई-बहनों और बड़ों के साथ संबंध प्रेमपूर्ण रहेंगे. कुछ सरकारी कार्य अटक सकते हैं. कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं.

मिथुन – करियर लाइन बदलने के लिए उचित समय है. किसी नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है. यदि नया व्यापार आरम्भ करने का सोच रहे हैं तो लाभ होगा. दांपत्य जीवन में कुछ खुशी के पल आएंगे. शारीरिक परेशानी घेर सकती हैं.

कर्क – कोई परेशानी बनी हुई है. काम में पूरा फोकस बनाए रखें. व्यवसाय के लिए दिन बहुत लाभकारी रहेगा. इसका पूरा फायदा उठाएं. खर्चों में बढ़ोतरी होने से आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर रहेगी. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा.

सिंह – जीवन में नई ऊर्जा का संचार होगा. नए बिजनेस की शुरुआत करने के लिए आज का दिन शुभ है. किसी पुराने दोस्त से मुलाकात भी हो सकती है. किसी बात पर झगड़ा हो सकता है. फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे.

कन्या – कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति बेहतर रहेगी. सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा. समय पर चीजों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होगा. जल्दबाजी में निर्णय न लें. आपका कोई करीबी आपको परेशान कर सकता है.

तुला – पुराने रुके हुए काम बनेंगे. सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों की पदोन्नति हो सकती है. परिवार में अच्छा माहौल रहेगा. प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा. किसी भी निर्णय में किसी बड़े की सलाह लें.

वृश्चिक – कार्यक्षेत्र में नौकरी मिलने के आसार हैं. अपने वेतन और अपनी प्रतिष्ठा को लेकर कोई समझौता न करें. नौकरी में तरक्की के योग हैं. अविवाहितों के लिए दिन अच्छा है. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा. पेट से संबंधित कुछ कठिनाई हो सकती है.

धनु – इंजीनियर्स के लिए दिन फायदेमंद रहेगा. दिन स्टूडेंट्स के लिए अच्छा रहेगा. आपके आर्थिक पक्ष में स्थिरता रहेगी. यदि करियर लाइन बदलना चाहते हैं तो यह उचित समय है. काम से संबंधित कुछ नया सीखने का प्रयास करें.

मकर – नए और बड़े निवेश से बचें. वैवाहिक जीवन में कुछ परेशानियां उत्पन्न हो सकती है. प्रेम संबंधों के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है. स्वविवेक से काम लें और क्रोध में आकर संबंधों को खराब ना करें. शिवलिंग पर अभिषेक करें.

कुंभ – लवमेट के लिए दिन अच्छा रहेगा. अविवाहितों को आज विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं. अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होंगे. कारोबार में आकर्षक डील मिल सकती है. प्रियजनों से मुलाकात होगी. अन्न दान करें.

मीन – व्यवसाय में नए अवसर मिलेंगे. आपके कार्य प्रभाव से उन्नति और तरक्की के योग हैं. धन लाभ के अवसर मिलेंगे. कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे. जल्दबाजी में कोई कार्य न करें. बेरोजगार लोगों को अच्छी जॉब मिल सकती है.

किसकी लगेगी लॉटरी : किसके सिर पर सजेगा ताज, कांग्रेस विधायक सक्रिय

रवि भारती। रांची

चंपाई सोरेन सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार 16 फरवरी को होना है. इसमें सबसे ज्यादा कांग्रेस विधायक सक्रिय हैं. किसकी लगेगी लॉटरी, किसके सिर पर मंत्री पद का सजेगा ताज... इसे लेकर सत्ता के गलियारों में खूब चर्चा हो रही है. विधायक भी अपनी तरीके से फिल्डिंग सेट करने में लगे हैं कि कही बॉल बाउंड्री के बाहर न चला जाए. चंपाई कैबिनेट में कांग्रेस कोटे से चार मंत्रियों को शामिल किया जाना है. इसमें आलमगीर आलम पहले ही शपथ ले चुके हैं. अब सिर्फ तीन बर्थ ही बचा हुआ है. जानकारी के अनुसार रामेश्वर उरांव, बन्ना गुप्ता और बादल पत्रलेख को रिमूव करने की चर्चा है. कांग्रेस विधायकों के बीच पसोपेश की स्थिति बन गई है. जानकारी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस प्रभारी ने विक्षुब्ध विधायकों को भरोसा दिलाया था कि इस बार नये चेहरों को जगह मिलेगी. वहीं पूर्व मंत्रियों के खेमे के अनुसार प्रभारी ने उन्हें भी भरोसा दिलाया था कि चेहरे नहीं बदले जाएंगे. इस तरह दोनों ओर फिलहाल शांत करने कोशिश की गई है. प्रदेश प्रभारी को यह भी अंदेशा है कि ऐसा करने पर दूसरे विधायक नाराज हो सकते हैं.

खास बातें

- बादल पत्रलेख की मंत्री पद से हो सकती है छुट्टी
- बादल की जगह दीपिका की हो सकती है इंट्री
- बजट सत्र के दौरान रामेश्वर को हटाना मुश्किल

देवघर में नाराज दिखे थे राहुल गांधी

पार्टी सूत्रों के अनुसार बादल पत्रलेख की छुट्टी हो सकती है. इसकी वजह यह बताई जा रही है कि राहुल गांधी के देवघर में पूजा के दौरान पीएम मोदी के पक्ष में नारे लगे थे. बादल पत्रलेख के लिए यह नारेबाजी नकारात्मक राय क्रिएट कर चुकी है. उनके खिलाफ पहले ही पार्टी के कई विधायक बोलते रहे हैं. जानकारी के अनुसार बादल जगह महगामा से कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय सिंह को जगह मिल सकती है.

बन्ना, अंबा और अकेला के बीच है कड़ी टक्कर

वहीं पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता और अंबा प्रसाद के बीच मंत्री पद के लिए कड़ी टक्कर है. इसकी वजह यह है कि बन्ना गुप्ता के ओबीसी कैटेगरी को बैलेंस करने के लिए अंबा प्रसाद को पार्टी एक विकल्प दिखती हैं. बन्ना गुप्ता अपनी फिल्डिंग सेट करने में लगे हुए हैं. वहीं अंबा प्रसाद ने एड़ी चोटी लगा दी है. राहुल गांधी से मिलने के लिए खूंटी में उनकी न्याय यात्रा में भी शामिल हुई थीं. बन्ना की जगह लेने के लिए उमाशंकर अकेला भी जोर लगा रहे हैं.

बजट सत्र के दौरान रामेश्वर को हटाना मुश्किल

डॉ रामेश्वर उरांव को बजट सत्र को देखते हुए उन्हें हटाना मुश्किल दिख रहा है. चर्चा यह है कि डॉ रामेश्वर उरांव अर्थशास्त्र के अच्छे जानकार हैं. जो भी हो मंत्री बनने की होड़ में शामिल होने की दौड़ सबसे अधिक कांग्रेस में लगी है. जानकारी के अनुसार कांग्रेस की ओर से मंत्री बनने वाले तीन लोगों में से कम से कम दो नए चेहरे हो सकते हैं. अब देखना होगा कि 16 फरवरी को मंत्रिमंडल विस्तार में किनकी किनकी लॉटरी खुलती है, किसके सिर पर ताज सजेगा.

ओबीसी अधिकार रैली को सफल बनाने की अपील

बालूमाथ(लातेहार)। पिछड़ा वर्ग ओबीसी एकता, अधिकार मंच एवं राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के तत्वावधान में 11 फरवरी को मेदिनीनगर के शिवाजी मैदान में ओबीसी अधिकार सम्मेलन व रैली का आयोजन किया जायेगा. इस रैली को सफल बनाने के लिए प्रखंडों मे सघन जनसंपर्क एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में एकता रथ बालुमाथ पहुंचा और लोगो से इस पलामू प्रमंडलीय सम्मेलन में भाग लेने की अपील की. यहां एक नुक्कड़ सभा का भी आयोजन किया गया. संयोजक जुगल पाल ने कहा कि झारखंड में पिछड़े वर्ग की आबादी 50 फ़ीसदी से भी अधिक है. इसमें हिंदू और मुसलमान समाज से जुड़े 85 जातियां आती है. लेकिन यहां के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है. यह वर्ग सभी क्षेत्रों में अपने अधिकारों से वंचित है. मौके पर लातेहार जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सुशील कुमार समेत अन्य मौजूद थे.

प्रदेश के एक व्यक्ति को बचाने के लिए बनाया गया राज्यपाल, हम असंवैधानिक नहीं

पेपर लीक मामले की जांच एसआईटी से कराएंगे: सुप्रियो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि प्रदेश के एक व्यक्ति को जांच से बचाने के लिए राज्यपाल बनाया गया है. हमलोग असंवैधानिक काम करनेवाले लोग नहीं हैं. सरकार का काम है राजभवन की सुरक्षा करना. सीबीआई से बेहतर हमारी एसआईटी है. हम उसी से पेपर लीक मामले की जांच करायेंगे. सीबीआई की विश्वनियता पर सवाल उठने लगे हैं. सुप्रियो ने कहा कि हिंदी में एक कहावत है "दाढ़ी में तिनका", यह अभी सच की तरह लग रहा है. मीडिया से पता चला कि राज्यपाल ने कुछ मीडिया को बुलाया था. एक मीडिया हाउस से स्पष्टीकरण भी मांगा है. कई सारी बातें कहीं हैं.

एक न्यूज एजेंसी से राज्यपाल ने कहा है कि हेमंत सोरेन को ईडी हिरासत में ले चुकी थी, उसके बाद हेमंत सोरेन इस्तीफा देने राजभवन आये थे. उक्त बातें राज्यपाल के बयान पर जवाब देते हुए झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कही. शुक्रवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सुप्रियो ने बताया कि ईडी ने हिरासत में लेने की जानकारी दी, तब सभी लोग राजभवन पहुंचे. राजभवन से दो बसों को अंदर जाने की इजाजत मिली. थोड़ी ही देर में राजभवन के अंदर जाने के बाद इजाजत नहीं मिलने की बात कहते हुए सबों को बाहर निकाल दिया गया. सुप्रियो ने बताया कि राज्यपाल से वर्तमान सीएम ने सरकार बनाने का दावा किया था, तब उनके दावे को अस्वीकार करते हुए, राज्यपाल अपने कक्ष की ओर चले गए थे, जिसके बाद बह 15 मिनट के बाद दोबारा आए और दावे को स्वीकार किया. दूसरे दिन राज्यपाल के प्रधान सचिव से फोन पर बात की गई. तब भी सही जानकारी नहीं दी गई. इसके बाद फिर से राजभवन से समय की मांग की गई. तब गठबंधन के पांच नेताओं को मिलने की अनुमति मिली.

रात 10 बजे चंपाई सोरेन को सीएम बनने की बात कही गई. सुप्रियो ने कहा कि जब रात 8:30 बजे हेमंत सोरेन ने इस्तीफा दिया फिर अगले दिन रात तक का इंतजार क्यों किया गया. एक दिन से अधिक समय तक राज्य का कार्यपालक कौन था. मंत्रिमंडल विस्तार के समय फ्लोर टेस्ट की बात कहीं गई. 81 सदस्यीय विधानसभा में 49 विधायकों के समर्थन के बाद भी उन्हें राय लेनी पड़ी. उन्होंने मीडिया को बताया कि बिहार की परिस्थिति अलग है.

क्या कहा

- सुप्रियो ने कहा सीबीआई से बेहतर हमारी एसआईटी
- सीबीआई की विश्वनियता पर उठने लगे हैं सवाल

40 घंटे फरार थे हेमंत, तब किसके भरोसे था राज्य : प्रतुल

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झामुमो के प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पलटवार किया है. प्रतुल ने कहा कि राज्य में संवैधानिक संकट की स्थिति झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार ने पैदा की थी. देश के इतिहास में पहली बार शर्मशार करने वाली घटना घटित हुई, जब एक चुना हुआ मुख्यमंत्री कानून के डर से 40 घंटे तक फरार रहा. इस दौरान वह अपने राज्य के किसी भी अधिकारी से भी संपर्क में नहीं था. यानी साढ़े तीन करोड़ जनता को उनके भाग्य के भरोसे छोड़ दिया गया था. प्रतुल ने कहा कि झारखंड में तो सिर्फ भागम भाग का खेल चल रहा है. पहले 'भाग हेमंत भाग' हुआ. उसके बाद 'भाग विधायक भाग' हुआ. राजभवन ने चंपई सोरेन के सरकार बनाने के दावे पेश करने के बाद असामान्य परिस्थितियों के बीच विचार-विमर्श और कानून के मुताबिक निर्णय लिया. अब इसपर भी झामुमो को आपत्ति है.

यह रिश्ता क्या कहलाता है : प्रतुल ने झामुमो और कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिल्ली आवास से बीएमडब्ल्यू की रिकवरी पर अभी तक दोनों दल रहस्यमय तरीके से खामोश हैं. प्रतुल ने जानना चाहा कि धीरज साहू और हेमंत सोरेन के बीच का रिश्ता आखिर क्या कहलाता है. प्रतुल ने जानना चाहा कि क्या इतनी घनिष्ठता थी कि धीरज साहू अपनी गाड़ी हेमंत के गैरेज में रख रहे थे और हेमंत सोरेन अपना पैसा धीरज साहू के घर रख रहे थे. प्रतुल ने कहा कि इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि जो 350 करोड़ रुपए की रिकवरी धीरज साहू के घर में हुई थी, उसमें हेमंत सोरेन का कितना हिस्सा था.

यूजीसी की गाइड लाइन

उच्च शिक्षण संस्थान को 15 साल के लिए बनाना होगा प्लान

संवाददाता। रांची

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने हायर एजुकेशन में गुणवत्ता के लिए गाइड लाइन जारी की है, जिसका नाम यू ज ीआ ई ड ीप ीए च ई आ ई (गाइडलाइंस फॉर इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लांस फॉर हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस) है.

गाइड लाइन के अनुसार उच्च शिक्षण संस्थानों को वोकेशनल एजुकेशन ट्रेनिंग व स्किल को शुरू करने को कहा है. अब उच्च शिक्षण संस्थानों को एक ऐसा प्लान भी बनाना होगा, जिसमें पढ़ाई पूरा करने के बाद आने वाले 15 सालों तक उन्हें फायदा पहुंचे. ऐसे कोर्स को भी जोड़ना है, जिसे छात्रों को पढ़ने के बाद लाभ पहुंचे. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत इस प्रकार के काम किए जा रहे हैं. वहीं यूजीसी का निर्देशन है कि इस प्रकार के प्लान बनाते समय संस्थान, शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं शामिल रहे. प्लान की क्या रूपरेखा होगी, इसके लिए सभी शामिल होकर बनाएंगे तो अच्छा प्लान विकसित होगा. उच्च शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है. इस प्लान में छात्रों की भी भूमिका अहम होगी.

यूजीसी ने दी है ये गाइड लाइन

- लक्ष्य और उद्देश्य को चुनें
- संसाधन की जरूरत के लिए प्लान बनाएं
- नए-नए प्रयोग करें
- रणनीति बनाए और काम करें
- जरूरत के अनुसार बदलाव करें
- जांच करें और रिपोर्ट बनाएं

नौकरशाह लोगों पर नियम कानून ना थोपें

संवाददाता। चाईबासा

गैर राजनीतिक सामाजिक संगठन झारखंड पुनरूत्थान अभियान के मुख्य संयोजक सन्नी सिंकु ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री और राज्यपाल को छह सूत्री मांग पत्र प्रेषित कर जिला के आला अधिकारियों की प्रशासनिक कार्यसंस्कृति की ओर ध्यान आकृष्ट किया है. छह सूत्री मांग पत्र में अभियान संयोजक ने उल्लेख किया है झारखंड पांचवी अनुसूची राज्य है. प. सिंहभूम अनुसूचित जिला है. जिला में विकास परियोजना हो या विधि व्यवस्था सामान्य क्षेत्र के नियम कानून जिला वासियों पर जिला में पदस्थापित नौकरशाह के द्वारा नहीं थोपा जाना चाहिए. इसके लिए झारखंड पुनरूत्थान अभियान की ओर से एक वर्षों से जिला के आला अधिकारियों को चरणबद्ध आंदोलन करने के बाद बार-बार लिखित मांग पत्र के द्वारा ध्यान आकृष्ट किया गया. लेकिन वे पोस्टकॉर्ब से इतर इस जिला के निरक्षर निर्दोष आदिवासी मूलवासियों को कहने लगते है कि सरकार की जमीन है.

अभियंता पेंशनर्स संघ की बैठक संपन्न

रांची। विद्युत डिप्लोमा अभियंता पेंशनर्स संघ की पांचवीं वार्षिक आमसभा सह अधिवेशन का आयोजन शुक्रवार को कोकर के पास होटल स्वयंवर वाटिका में हुआ. इसकी अध्यक्षता जयनंदन शर्मा ने की. सभा में सबसे पहले बीते वर्ष दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी गयी. फिर संघ के सदस्यों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया. साथ ही सत्र 2024-26 के लिए नयी कार्यकारिणी का चुनाव किया गया. इसमें जयनंदन शर्मा अध्यक्ष, केडीएन सिंह व ललितेश कुमार सिंह उपाध्यक्ष, प्रवीण कुमार महामंत्री, रमेश प्रसाद सचिव, सीताराम कोषाध्यक्ष चुने गए. इसके साथ ही पांच कार्यकारिणी सदस्य चितरंजन कुमार, श्रीनिवास सिंह, मदन मोहन प्रसाद, शिव कुमार सिंह व पंचानंद तिवारी भी चुने गए.

उमवि के प्रधानाध्यापक सुरेंद्र का निधन

कांडी। प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय चटनियां के प्रधानाध्यापक सुरेंद्र प्रसाद साहू 52 वर्ष की मौत गुरुवार की रात्रि अस्पताल से घर आने के क्रम में हो गई. वे मंगलवार को विद्यालय में अचानक बेहोश होकर गिर पड़े थे. जिसके बाद परिजनों द्वारा आनन फानन में गढ़वा एवं गढ़वा से वाराणसी स्थित हेरिटेज हॉस्पिटल ले जाया गया था. जहां से डॉक्टरों के तीन दिनों तक कड़ी मेहनत करने के बाद स्थिति में सुधार नहीं होने पर उन्हें घर लाया जा रहा था. घर लाने के क्रम में रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया. सुरेंद्र प्रसाद साहू 18 सितंबर 2008 को शिक्षक के रुप में मझिआंव प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय करकट्टा में योगदान दिये थे. 28 मार्च 2016 को उत्क्रमित मध्य विद्यालय चटनियां में योगदान देने के बाद से प्रधानाध्यापक के रुप में सेवारत थे. मौत की खबर सुनकर उनके अंतिम दर्शन के लिए लोगों का ताता लगा रहा.

शैलू चंद्रवंशी गरीबों का नेता है: विजय

मेदिनीनगर। चंद्रवंशी समाज के नेता सह पूर्व जिला पार्षद शैलेंद्र कुमार शैलू चंद्रवंशी को इंजीनियर हत्याकांड हत्याकांड में रिहा किया गया. इस अवसर पर चंद्रवंशी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय चंद्रवंशी एवं चंद्रवंशी समाज के सभी लोगों ने मिठाई खिलाकर बधाई दी. विजय चंद्रवंशी ने कहा कि शैलू चंद्रवंशी गरीबों का नेता है . संघर्ष के साथी हैं इन्हें साजिश के तहत फसाया गया था. लेकिन हम लोग को न्यायालय पर भरोसा था और आज सच्चाई की जीत हुई . इस अवसर पर रंजन कुमार सिंह, वीरेंद्र कुमार पप्पू विकास कुमार विकी दिलीप कुमार दिलू, गणेश जी आदि मौजूद रहे.

केयू में जेनेरिक पेपर की परीक्षा के लिए मुख्यमंत्री व राज्यपाल को ज्ञापन

संवाददाता। जमशेदपुर

ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (एआईडीएसओ) झारखंड राज्य कमेटी की ओर से कोल्हान विश्वविद्यालय में जेनेरिक पेपर की परीक्षा आयोजित करने की मांग की गई है. इसे लेकर संगठन की ओर से मुख्यमंत्री व कुलाधिपति सह राज्यपाल को ई-मेल के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया है. संगठन के राज्य सचिव सोहन महतो ने कहा कि कोल्हान विश्वविद्यालय में वर्ष 2017 से सेमेस्टर प्रणाली को लागू किया गया है, उसके बाद से दो सब्सिडियरी पेपर की जगह केवल एक पेपर पढ़ाया गया और परीक्षा भी ली गई. लेकिन अब एक पेपर की परीक्षा के कारण कई ऐसी प्रतियोगिता परीक्षाएं हैं जिसमें छात्र-छात्राएं शामिल नहीं हो पा रहे हैं. जैसे इस बार झारखंड में लैब टेक्नीशियन की परीक्षा हुई, जिसमें छात्र शमिल नहीं हो पाए. इस कारण छात्र काफी परेशान हो रहे हैं. राज्य के अन्य विश्वविद्यालय में जेनेरिक पेपर की परीक्षा आयोजित की जा चुकी है, लेकिन कोल्हान विश्वविद्यालय में छात्रों के द्वारा मांग किए जाने पर भी परीक्षा आयोजित नहीं की गई है. अतः छात्रों के भविष्य को देखते हुए झारखंड के अन्य विश्वविद्यालयों की तरह सत्र 2017 से दूसरे जेनरिक पेपर की विशेष परीक्षा आयोजित की जाए. अन्यथा संगठन उग्र आंदोलन को बाध्य होगा. इस दौरान कई छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है : विधायक

मधुबन। खरखरी स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में शुक्रवार की शाम भाजपा की कार्यकर्ता सम्मेलन सह सम्मान समारोह आयोजित किया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो उपस्थित थे. कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि को फूलमाला पहनाकर स्वागत किया. अपने संबोधन में विधायक ढुल्लू महतो ने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है. इस बार भी जहां केंद्र में भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनने जा रहे है, वहीं झारखंड में भी भाजपा पूर्ण बहुमत से सरकार बनायेगी. झारखंड में डबल इंजन की सरकार को योगी मॉडल से चलाया जाएगा. उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि जैसी करनी वैसी भरनी जैसी कहावत चरितार्थ होता दिख रहा है. लूट खसोट की राजनीति करने वाले आज पूरी तरह से ईडी के चंगुल में फंस चुका है.

किशोरी ने बाल विवाह का किया विरोध परिजन ने अपनाने से किया इनकार

संवाददाता। धनबाद

एक किशोरी को बाल विवाह का विरोध करना भारी पड़ गया है. विरोध की वजह से उसके परिजन बेटी को अपनाने से इनकार कर रहे हैं. मामला झरिया के कोइरीबांध का है. किशोरी ने अपनी शादी का विरोध किया और इसकी शिकायत चाइल्डलाइन रांची से की थी. शिकायत पर बुधवार को बाल विवाह रुकवाया गया और लड़की को रेस्क्यू किया गया. धनबाद सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी ने बताया कि झरिया के कोइरीबांध की किशोरी का विवाह बुधवार को चंद्रपुरा के पहाड़ी मंदिर में होना था. इसकी सूचना चाइल्ड वेलफेयर कमेटी को मिली. स्थानीय पुलिस व चाइल्ड लाइन की टीम को कोइरीबांध भेजा गया. जिस समय टीम पहुंची, उस समय शादी की तैयारी चल रही थी. शादी के लिए किशोरी समेत परिवार के सदस्य चंद्रपुरा रवाना होने वाले थे. उम्र सत्यापन के बाद 16 वर्षीया किशोरी दुल्हन को रेस्क्यू कर बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया. उसे सरायढेला स्थित बालिका गृह भेज दिया गया है. परिजन अब उसे अपनाने से इनकार कर रहे हैं.

- बाल विवाह को विरोध पड़ा भारी
- परिजन ने किशोरी को अपनाने से किया इनकार
- सीडब्ल्यूसी मां की कराएंगे काउंसिलिंग

मां की होगी काउंसिलिंग

सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष ने बताया कि गुरुवार को किशारी के पिता को बाल कल्याण समिति के समक्ष उपस्थित होना था, लेकिन वह नहीं पहुंचा. मां बालिका गृह से किशोरी को घर ले जाने के लिए तैयार नहीं है. सीडब्ल्यूसी के सदस्य किशोरी के घर जाएंगे और मां की कांउसिलिंग की जाएगी. किशोरी नौवीं कक्षा की छात्रा है. पूछताछ में उसने बताया कि वह शादी नहीं करना चाहती थी और आगे पढ़ाई करना चाहती है, इसलिए उसने किसी अन्य माध्यम से रांची चाइल्डलाइन में शिकायत की थी. जिस लड़के से शादी होने वाली थी वह व्यस्क है और बोकारो में निजी कंपनी में नौकरी करता है.

बड़ा विवाद | धार्मिक देवशाल पत्थर को हटाकर घर बनाने के कारण ग्रामीण अक्रोशित

नीमडीह में पुलिस-प्रशासन की सक्रियता से दंगा टला

संवाददाता। चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के नीमडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत झिमड़ी गांव के साप्ताहिक हाटतोला में जाहिरा के जमीन पर हिंदू धर्मावलंबियों की आस्था देवशाल पत्थर को कथित रूप से हटाकर टीना शेड बनाए जाने के बाद ग्रामीण में आक्रोश है. बुधवार की रात एक समुदाय के लोग कथित रूप से देवशाल पत्थर को हटाकर टीना शेड निर्माण कर दिया था.

गुरुवार की सुबह जब ग्रामीणों को इसकी सूचना मिली, तो सरायकेला-खरसावां के पुलिस अधीक्षक को फोन पर इसकी जानकारी देकर आस्था पर ठेस न पहुंचाने का आग्रह किया. गुरुवार सुबह नीमडीह थाना प्रभारी घटनास्थल पहुंच कर अक्रोशित ग्रामीणों को समझाया और कहा कि शुक्रवार को सरकारी अमीन से मापी करायी जाएगी. शुक्रवार को नीमडीह के प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार एस अभिनव, अंचल अधिकारी अभिषेक कुमार, थाना प्रभारी मो तंजिल खान, तिरुलडीह थाना प्रभारी चित्तरंजन कुमार पुलिस बल के साथ सरकारी अमीन से जाहिरा के जमीन की मापी करायी. मापी में उक्त जमीन जाहिरा का चिन्हित हुआ. अंचल अधिकारी ने अतिक्रमण करने वाले व्यक्ति को तत्काल टीना शेड हटाने का निर्देश दिया. वहीं तत्काल पुलिस बल की मौजूदगी में टीना शेड हटाया गया. नीमडीह प्रशासन एवं पुलिस के सक्रियता से ग्रामीणों के बीच बड़ा बवाल होने से टल गया.

होती है सड़क पूजा : इस संबंध में झिमड़ी सोलोआना दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र महतो ने बताया कि झिमड़ी के जाहिरा की जमीन पर लगभग तीन सौ साल पुरानी हिंदुओं की आस्था देवशाल पत्थर को एक समुदाय के व्यक्ति ने हटाकर उस स्थान पर टीना शेड का मकान बनाया लिया. उन्होंने कहा कि देवशाल पत्थर काफी प्राचीन है. उन्होंने कहा कि तीन सौ साल पहले से यहां चड़क पूजा के पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ की पूजा के पूर्व पाटा को धार (शाल) दिया जाता है. उन्होंने प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन की सक्रियता से एक बड़ा हंगामा टल गया. इस संबंध में ग्रामीणों ने झिमड़ी पंचायत के मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्य को जानकारी दिया. जनप्रतिनिधि इस विवाद का फैसला नहीं कर पाए.

कृषि योजनाओं का लाभ लें किसान, स्वावलंबी बनें: पूनम

लातेहार। जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी ने किसानों से सरकार के द्वारा चलायी जा रही कृषि योजनों का लाभ लेने की अपील की. उन्होंने कहा कि सरकार के द्वारा किसानों के लिए कई योजनायें चलायी जा रही है, किसान उनका लाभ ले और स्वाबलंबी बनें. जिप अध्यक्ष जिला स्टेडियम में संयुक्त कृषि कार्यालय लातेहार के द्वारा आयोजित जिला स्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं. उन्होंने आधुनिक तरीके से कृषि कर अधिक पैदावार करने की अपील की. इससे पहले जिप अध्यक्ष पूनम देवी, रामा रविदास, विनोद उरांव, संतोषी शेखर, सरोज देवी, प्रियंका देवी, चंचला देवी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया.

जेएसएससी के खिलाफ आंदोलन करेगी आजसू

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा की हो सीबीआई जांच : आजसू

संवाददाता। रांची

आजसू के संगठन सचिव एस अली ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में कहा कि जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में बड़ी मात्रा में धांधली हुई है. सरकार द्वारा प्रश्न पत्र लीक मामले को लेकर गठित एसआईटी से आजसू पार्टी संतुष्ट नहीं है. छात्रों के हक और अधिकार के खातिर आजसू जेएसएससी के खिलाफ अपनी चार सूत्री मांगों को लेकर राज्य स्तरीय आंदोलन करेगी.

इन मांगों में सीजीएल परीक्षा की जांच सीबीआई से कराने, इस परीक्षा में हुए धांधली को लेकर विरोध कर रहे निर्दोष छात्रों पर हुए प्राथमिकी को अविलंब वापस लेने, झारखंड चयन आयोग के अध्यक्ष सहित सभी अधिकारियों को बर्खास्त करने और गलत तरीके से चयनित परीक्षा एजेंसी को काली सूची में डालने एवं झारखंड नकल कानून के तहत कानूनी कार्यवाही करने की मांग मुख्य रूप से शामिल है. प्रेस वार्ता के दौरान हरीश कुमार, गौतम सिंह, ओम वर्मा, जब्बार अंसारी, सचिन भगत, चेतन प्रकाश, अजित सिंह, रोशन, आशुतोष मौर्य, अभिषेक शुक्ला, आशुतोष सिन्हा, दीपक दुबे मौजूद थे.

विवाद : पिता अनिरुद्ध सिंह जडेजा ने कहा- बेटा-बहू से किसी तरह के संबंध नहीं

रवींद्र जडेजा को क्रिकेटर बना कर हो रहा पछतावा

ऐजेंसी । नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के पिता अनिरुद्ध ने एक अखबार को दिए इंटरव्यू में बड़ा खुलासा किया. उन्होंने बताया कि अब उनका रवींद्र जडेजा और उसकी पत्नी रीवाबा से किसी तरह का कोई संबंध नहीं है. उन्होंने बताया कि रवींद्र की शादी के दो-तीन महीने बाद से ही घर में विवाद होने लगा था. पता नहीं उसकी पत्नी ने उस पर क्या जादू कर दिया है. वह मेरा बेटा है इसलिया दिल जलकर राख हो जाता है. हालात इस तरह खराब हो चुके हैं कि न हम उन्हें बुलाते हैं न वे हमें बुलाते हैं. रवींद्र जडेजा के पिता ने कहा कि फिलहाल मैं जामनगर में अकेला रहता हूं, सवींज्ञ अलग रहता है. उन्होंने कहा कि उसे क्रिकेटर बाकर पचतावा हो रहा, उसे क्रिकेट न बनाता तो अच्छा होता और हम इस हाल में नहीं होते. अनिरुद्ध ने बताया कि रवींद्र की शादी के तीन महीने बाद से ही घर में कलह होने लगी.

शादी के तीन महीने बाद ही रीवाबा कहने लगीं कि सब कुछ मेरा होना चाहिए, मेरे नाम पर होना चाहिए. उन्होंने परिवार को परेशान करना शुरू कर दिया. वे परिवार नहीं चाहतीं, अकेले आजादी से रहना चाहती थीं. उन्होंने कहा कि चलो मान लिया कि मैं बुरा हूं, रवींद्र की बहन नयनाबा भी खराब है, लेकिन परिवार में 50 लोग हैं, क्या सब बुरे हैं. ये बस उनकी नफरत है.अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि अलग-अलग रहने के कारण मैंने पांच साल से अपनी पोती का चेहरा नहीं देखा है. उन्होंने बताया कि रीवाबा के माता-पिता, खासतौर से रवींद्र की सास ही सब कुछ संभालती हैं. उनका दखल बहुत अधिक है.

बेतुके इंटरव्यू में कही गई बाते निरर्थक व झूठी : रवींद्र जडेजा

रविंद्र जडेजा ने पिता के द्वारा लगाए गए गंभीर आरोप पर सोशल मीडिया (एक्स) पर पोस्ट पर सफाई दी . जडेजा ने अपने पिता के द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों को निराधार बताया . उन्होंने कहा उनकी छवि बर्बाद करने की कोशिश की जा रही है साथ ही उन्होंने इस इंटरव्यू को इग्नोर करने की अपील की है. जडेजा ने एक्स पर लिखा कि बेतुके इंटरव्यू में कही गई सभी बातें निरर्थक और झूठी हैं. यह एक तरफ से कही गई बात है, जिसे मैं अस्वीकार करता हूं. मेरी छवि को धूमिल करने का प्रयास वास्तव में निंदनीय और अशोभनीय है. मुझे भी बहुत कुछ कहना है, जो तब तक ठीक है जब तक मैं इसे सार्वजनिक रूप से न कहूं.

पत्नी की पेंशन से खर्च चला रहे हैं अनिरुद्ध

अनिरुद्ध सिंह बताया, वह अपनी पत्नी की 20 हजार रुपये की पेंशन से घर खर्च चलाते हैं. उन्होंने बताय कि मैं टू बीएचके फ्लैट में अकेला रहता हूं. दिन में दो बार मेड से खाना बनवाता हूं और अच्छे से रहता हूं, जिंदगी अपने तरीके से जीता हूं. फ्लैट में अब भी रवींद्र के लिए अलग कमरा है. पहले वो इसी कमरे में रहता था. इसमें रवींद्र की शील्ड और जर्सी सजाकर रखी हैं. इससे उसकी सारी यादें आंखों के सामने रहती हैं. अब भी रवि मैच खेलता है, तो नजर उसी पर रहती है.

बहन नयनाबा ने मां की तरह पाला

रवींद्र जडेजा के बचपन को याद करते हुए अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि हमने रवींद्र को क्रिकेटर बनाने के लिए बहुत मेहनत की. मैंने चौकीदारी का काम किया. घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी. मुझसे ज्यादा नयनाबा ने मेहनत की. नयनाबा रवींद्र की बहन है, लेकिन उसने उसे मां की तरह पाला है. अब नयनाबा के साथ भी उसका कोई लेना-देना नहीं है.

रीवाबा के परिवार को पैसों से मतलब

रवींद्र की पत्नी रीवाबा के परिवार पर आरोप लगाते हुए अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि रीवाबा अपने माता-पिता की इकलौती बेटी हैं. उन लोगों को रवींद्र की जरूरत नहीं है, उन्हें सिर्फ पैसों से मतलब है. हमें इसकी जरूरत भी नहीं है. मेरे पास खेत और पेंशन है. होटल (जड्डूस) भी हमारा है, जिसका मैनेजमेंट नयनाबा करती है.

किया था दावा, दूसरे बच्चे का इंतजार कर रहे हैं विराट व अनुष्का

गलत जानकारी साझा कर बड़ी गलती कर दी : एबी

भाषा । जोहानिसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि उन्होंने भारत के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली के बारे में गलत सूचना साझा करके बहुत बड़ी गलती कर दी. कोहली ने निजी कारणों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक लिया है और डिविलियर्स ने यहां कहा कि उन्हें कोई अंदाजा नहीं है कि वहां क्या हो रहा है. डिविलियर्स ने कुछ दिन पहले अपने 'यूट्यूब चैनल' पर दावा किया था कि कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ अपने दूसरे बच्चे के जन्म का इंतजार कर रहे हैं. दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व दिग्गज ने यहां 'एसए20 लीग' के इतर चुनिंदा मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि परिवार सबसे पहले आता है, जैसा कि मैंने अपने यूट्यूब चैनल पर भी कहा था.

मैने भी उस समय गलत जानकारी साझा कर के बड़ी गलती कर दी. मेरी वो बातें बिल्कुल भी सच नहीं थी. 'एसए20' के ब्रांड दूत डिविलियर्स ने कहा कि मैं बस यही सोचता हूं कि जो कुछ भी विराट और उनके परिवार के लिए सबसे अच्छा है उसे प्राथमिकमा मिलनी चाहिये. कोई नहीं जानता कि वहां क्या हो रहा है. मैं बस उनके लिये सब कुछ अच्छा होने की कामना कर सकता हूं. इस ब्रेक का कारण चाहे जो भी हो, मुझे वास्तव में उम्मीद है कि वह मजबूत और बेहतर तरीके से वापसी करेंगे. क्रिकेट के असली 'मिस्टर 360 डिग्री' को इसके साथ ही इस साल जून में होने वाले टी-20 विश्व कप में सूर्यकुमार यादव से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है और उनका यह भी मानना है कि भारत खिताब के सबसे प्रबल दावेदारों में से होगा. टी-20 क्रिकेट में जबर्दस्त प्रदर्शन के दम पर सूर्यकुमार को भी 'मिस्टर 360 डिग्री' की उपमा मिली जो पहले डिविलियर्स को कहा जाता था. टी-20 क्रिकेट के साथ 360 डिग्री तकनीक का ईजाद हुआ जिसमें बल्लेबाज मैदान के चारों तरफ शॉट्स खेल सकते हैं.

1 डिविलियर्स ने कहा- परिवार सबसे पहले आता है, विराट को परिवार के लिए क्रिकेट से ब्रेक लेने का पूर पर हक

2 डिविलियर्स ने कुछ दिन पहले अपने 'यूट्यूब चैनल' पर दावा किया था कि कोहली बच्चे के जन्म का इंतजार कर रहे हैं

विश्व कप में सूर्याकुमार की बल्लेबाजी देखना चाहते हैं डिविलियर्स

डिविलियर्स ने 'भाषा' के सवाल पर कहा कि टी20 विश्व कप में यूं तो कई खिलाड़ियों पर नजरें होंगी लेकिन मैं स्काय (सूर्याकुमार यादव) की बल्लेबाजी देखना चाहता हूं. मैं उसका बड़ा प्रशंसक हूं और उम्मीद है कि वह अच्छा खेलेगा. दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान का मानना है कि भारत 13 साल से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने का कलंक मिटा सकता है. उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि भारत सबसे प्रबल दावेदारों में से होगा. इतने साल से आईपीएल हो रहा है और उसने भारतीय क्रिकेट की जड़ें काफी मजबूत कर दी है. भारत सबसे मजबूत टीमों में से एक होगी लेकिन हर बार सबसे मजबूत टीम जीत नहीं पाती. उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि उन्हें अपने मौके भुनाने होंगे और थोड़ा किस्मत का साथ भी जरूरी है. दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में गिने जाने वाले डिविलियर्स ने कहा कि विश्व कप से ठीक पहले आईपीएल होने से खिलाड़ियों की थकान का मसला नहीं होगा क्योंकि प्रारूप समान है. उन्होंने कहा कि आईपीएल विश्व कप से ठीक पहले है लेकिन दोनों है तो टी20 प्रारूप ही. गेंदबाज को टेस्ट की तरह 15 या 20 ओवर प्रतिदिन नहीं बल्कि चार ही ओवर डालने हैं.

ओलंपिक क्वालीफायर्स के लिए कुश्ती ट्रायल 10 व 11 मार्च को

भाषा । नयी दिल्ली

आगामी ओलंपिक क्वालीफायर और एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय कुश्ती टीम चुनने के लिए चयन ट्रायल का आयोजन 10 और 11 मार्च को क्रमशः पटियाला और सोनीपत में होगा. इस ट्रायल की योजना शुरुआत में 27 से 29 फरवरी के लिए बनाई गई थी, लेकिन 'अपरिहार्य परिस्थितियों' के कारण सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी में देरी के बाद इसे स्थगित कर दिया. महिला पहलवानों के लिए ट्रायल 'एनएसएनआईएस' पटियाला में होंगे जबकि ग्रीको रोमन और फ्रीस्टाइल पहलवानों के लिए ट्रायल भारतीय खेल प्राधिकरण सोनीपत में होंगे. भूपेन्द्र सिंह बाजवा की अध्यक्षता वाली तदर्थ समिति ने एक बयान में कहा कि आगामी ओलंपिक क्वालीफायर और एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय कुश्ती टीम के चयन के लिए तदर्थ समिति 10 और 11 मार्च को चयन ट्रायल का आयोजन करेगी. समिति ने कहा कि इससे पहले ट्रायल को 27 से 29 फरवरी के बीच आयोजित करने की घोषणा की गयी थी लेकिन 2023 सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन में देरी के कारण ट्रायल्स को स्थगित किया जा रहा है. ओलंपिक भार वर्ग में ट्रायल के विजेता को आगामी ओलंपिक क्वालीफायर (19 से 21 अप्रैल तक एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर और नौ से 12 मई तक विश्व ओलंपिक क्वालीफायर) में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा.

रग्बी प्रीमियर लीग लांच करने को तैयार रग्बी इंडिया

भाषा । नयी दिल्ली

भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ (आईआरएफयू) देश में खेल की लोकप्रियता बढ़ाने के उद्देश्य पर काम करते हुए फ्रेंचाइजी आधारित रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) लांच करने के लिए तैयार है. लीग में भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर की भी कुछ सर्वश्रेष्ठ रग्बी प्रतिभायें हिस्सा लेंगी. यह लीग इस साल सितंबर में खेल के 'सेवंस' प्रारूप में खेली जायेगी जिसके शुरूआती चरण में छह टीम हिस्सा लेंगी. आईआरएफयू के अध्यक्ष ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि यह भारत के लिए और भारतीय रग्बी के लिए ऐतिहासिक पल है. रग्बी दुनिया भर के बड़े खेलों में से एक है और भारत पिछले कुछ वर्षों से इस खेल में लगातार प्रगति कर रहा है. उन्होंने कहा कि इससे हमारा विश्वास मजबूत हुआ कि अब हमारे लिए भारत में एक पेशेवर लीग शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ने का सही समय है. हमें भरोसा है कि आरपीएल भारतीय रग्बी के लिए 'गेम चेंजर' साबित होगी और हमारे खिलाड़ियों को दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने और अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करेगी.

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराया

वार्नर ने अपने 100वें टी-20 में किया शानदार प्रदर्शन, जड़ा अर्धशतक

होबार्ट (आस्ट्रेलिया)

सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने अपने 100वें टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 36 गेंद में 70 रन जड़े जिसके बाद स्पिनर एडम जम्पा के (26 रन देकर) तीन विकेट से ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को यहां पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 11 रन से शिकस्त दी. वार्नर और टिम डेविड (17 गेंद में नाबाद 37 रन) की आक्रामक पारियों से ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सात विकेट पर 213 रन का स्कोर खड़ा किया. वेस्टइंडीज की टीम ने ब्रैंडन किंग (53) और जॉनसन चार्ल्स (42) की बदौलत तेज शुरूआत की लेकिन

जम्पा के महत्वपूर्ण मौकों पर दिये गये झटकों से ऑस्ट्रेलिया ने प्रतिद्वंद्वी टीम को 20 ओवर में आठ विकेट पर 202 रन ही बनाने दिये. ऑस्ट्रेलिया के पाकिस्तान को 3-0 से हराने के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने वाले वार्नर ने कहा कि वह छोटे प्रारूप से संन्यास लेने से पहले आगामी टी-20 विश्व कप में खेलना चाहते हैं. ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले तीन हफ्तों में छह टी-20 मैच खेलेगी. उसने वनडे श्रृंखला में वेस्टइंडीज को 3-0 से शिकस्त दी थी. तीन मैच की टी-20 श्रृंखला का दूसरा मैच रविवार को एडीलेड में खेला जायेगा.

36 गेंद में वार्नर ने बनाए 70 रन

11 रन से जीता ऑस्ट्रेलिया

हांगकांग में मैच के दौरान मेस्सी थे अनुपस्थित, नाराजगी बढ़ी

भाषा । हांगकांग

हांगकांग में एक फुटबॉल मैच के दौरान लियोनल मेस्सी के मैदान पर नहीं उतरने के बाद सरकार और खेल प्रेमियों के गुस्से का सामना करने वाले आयोजक ने शुक्रवार को कहा कि वे विश्व कप विजेता फुटबॉलर की अनुपस्थिति के लिए टिकट की 50 प्रतिशत राशि लौटने की पेशकश करेंगे. इस हफ्ते के शुरू में स्थानीय टीम के खिलाफ हुए इस मैच में मेस्सी को भी मैदान पर खेलने उतरना था लेकिन वह 'ग्रोइन' चोट के कारण पूरे 90 मिनट तक बेंच पर बैठे रहे. लेकिन अर्जेंटीना का यह स्टार खिलाड़ी बुधवार को इंटर मियामी के ताजा प्रदर्शनी मैच में तोक्यो में 30 मिनट तक मैदान पर उतरा था, जिससे पिछले दो दिन से चीन में सोशल मीडिया पर लोग मेस्सी के हांगकांग में मैच नहीं खेलने पर निराशा व्यक्त कर रहे हैं. शुक्रवार को स्थानीय आयोजक टैटलर एशिया ने 'इंस्टाग्राम' पोस्ट पर उन लोगों से माफी मांगी जो मैच से काफी निराश थे. उसने कहा कि मेस्सी के नहीं खेलने के बारे में जब पता चला तो उसने इंटर मियामी के प्रबंधन से अनुरोध किया था कि वह इस फुटबॉलर से दर्शकों को समझाने का आग्रह करे. अनुबंध के अनुसार मेस्सी को 45 मिनट तक खेलना था लेकिन अगर चोटिल हो तो ऐसा नहीं कर पायेगा.

टीम से बाहर हो सकते हैं अय्यर

अंतिम तीन टेस्ट से पहले 'ग्रोइन' व कमर में खिंचाव की शिकायत

- अय्यर ने पहले दो टेस्ट में 35, 13, 27 और 29 रन की पारी खेली थी

भाषा । नयी दिल्ली

श्रेयस अय्यर ने कमर और 'ग्रोइन' में खिंचाव की शिकायत की है जिसके बाद उनके इंग्लैंड के खिलाफ बची हुई टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में चुने जाने की संभावना नहीं है. अय्यर को कमर में लगातार परेशानी हो रही है जिसके लिए उन्होंने पिछले साल सर्जरी भी करायी थी. अय्यर (29 वर्ष) ने पहले दो टेस्ट में 35, 13, 27 और 29 रन की पारी खेली थी. वह अच्छी शुरुआत का फायदा

नहीं उठा पाये थे. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि उन्होंने खिंचाव और कमर में दर्द की शिकायत की है. भारत पहले ही चोटों की समस्या से जूझ रहा है क्योंकि उसके मुख्य खिलाड़ी केएल राहुल और रविंद्र जडेजा चोटिल हैं. स्टार बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से पहले दो टेस्ट में नहीं खेल पाये थे और उनके राजकोट और रांची में होने वाले मुकाबलों के लिए भी उपलब्ध होने की संभावना नहीं है. भारतीय चयनकर्ताओं को अभी अंतिम तीन टेस्ट के लिए टीम की घोषणा करनी है. श्रृंखला अभी 1-1 की बराबरी पर है. भारतीय खिलाड़ी 11 फरवरी को राजकोट पहुंचेंगे और इंग्लैंड के एक दिन बाद वहां पहुंचने की उम्मीद है.

मिले टिप्स आक्रामक गेंदबाजी से अंडर-19 विश्व कप में सुर्खियां बंटोरने वाले नमन तिवारी ने कहा-

एनसीए में जसप्रीत बुमराह मे मिले टिप्स काफी कारगर साबित हुए

भाषा । बेनोनी

अपनी आक्रामक गेंदबाजी से अंडर-19 विश्व कप में सुर्खियां बंटोरने वाले बायें हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज नमन तिवारी ने कहा कि एनसीए में सीनियर गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से मिले टिप्स ने उन्हें एक बेहतर गेंदबाज बनाने में काफी मदद की है. लखनऊ के रहने वाले तिवारी ने टूर्नामेंट में आयरलैंड के खिलाफ चार विकेट लेकर भारत की जीत में सूत्रधार की भूमिका निभाई थी. इसके अलावा उनके शानदार यॉर्कर और रफ्तार भी चर्चा का विषय बने हुए हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को होने वाले फाइनल के लिये भारतीय टीम के अभ्यास सत्र से इतर उन्होंने भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में कहा कि बुमराह तो हमारे लिये प्रेरणास्रोत हैं. उनकी गेंदबाजी के वीडियो मैं बहुत देखता हूं. एनसीए में मुझे कई बार मिले हैं और उनसे गेंदबाज की मानसिकता और कौशल के बारे में काफी बात की है. उन्होंने बहुत कुछ समझाया है जो काम आ रहा है. तिवारी ने कहा कि उन्होंने बताया कि सटीक यॉर्कर कैसे लगा सकते हैं जिस पर मैंने काफी काम किया. इसमें और आक्रामकता लाने के लिये मेहनत करनी है. उन्होंने आगे कहा कि मैं हर गेंदबाज से कुछ न कुछ सीखता हूं. जिसका जो अच्छा लगता है , उसके वीडियो देखकर समझने और सीखने की कोशिश करता हूं.

विश्व की सबसे तेज गेंद फेंकना चाहते हैं नमन

नमन का लक्ष्य दुनिया की सबसे तेज गेंद फेंकना है और इसके लिये वह हर तेज गेंदबाज से कुछ ना कुछ सीखते हैं. उन्होंने कहा कि मैं एक दिन दुनिया की सबसे तेज गेंद फेंकना चाहता हूं. इरादे तो सीनियर टीम के साथ विश्व कप खेलने के भी हैं लेकिन फिलहाल प्रदर्शन पर फोकस करना है. मैं अपने खेल में लगातार निखार लाना चाहता हूं क्योंकि आगे चुनौतियां और भी बड़ी आयेंगी और उनका सामना करने के लिये अपना बेस तैयार करना होगा.

बल्लेबाज बनना चाहते थे नमन

नमन तिवारी ने कहा कि वह असल में बल्लेबाज बनना चाहते थे लेकिन बल्लेबाजी का मौका नहीं मिलने की वजह से उन्हें गेंदबाजी चुननी पड़ी. उन्होंने कहा कि बतौर बल्लेबाज ही मैने क्रिकेट खेलना शुरू किया था लेकिन मुझे बल्लेबाजी मिलती ही नहीं थी. इसलिये मैंने लखनऊ में अकादमी में गेंदबाजी शुरू की और बायें हाथ से काम करता हूं तो बायें हाथ का ही तेज गेंदबाज बना. तिवारी के पिता एलआईसी में अभिकर्ता हैं और आम मध्यमवर्गीय परिवार की तरह तीन बहनों के इस इकलौते भाई पर भी पढ़ाई पर फोकस करने का दबाव था लेकिन उसका दिल क्रिकेट में लगता था. उन्होंने कहा कि पापा हमेशा पढने के लिये कहते रहते थे. मैं सातवीं में था और मेरा मन क्रिकेट में लगता था. दो जगह फोकस नहीं कर पाता था तो मैने पापा से तीन साल का समय मांगा ताकि अच्छा क्रिकेटर बनकर दिखा सकूं. आज मेरी सफलता से मेरा परिवार बहुत खुश है.

सेल यूनिट क्लब वॉलीबॉल टूर्नामेंट में टीम-2 बनी विजेता

संवाददाता । रांची

सेल यूनिट स्पोर्ट्स क्लब ने के द्वारा आयोजित वॉलीबॉल टूर्नामें में टीम-2 की टीम विजेता बनी. इस टूर्नामेंट में पांच टीमों ने टीम वर्क का शानदार प्रदर्शन किया. टूर्नामेंट का फाइनल मैच टीम-2 (कप्तान- उज्ज्वल मंडल) और टीम-4 (कप्तान- मिलिंद वर्मा) के बीच खेला गया. जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम-2 विजयी रही. फाइनल मैच के कार्यक्रम में एसके वर्मा, ईडी-सीईटी और संदीप कुमार कर, ईडी-आरडीसीआईएस ने उपस्थिति दर्ज करा सबको प्रेरित किया. वॉलीबॉल विंग के सचिव मनीष माधव के कुशल प्रयास से यह प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी. मैचों के सुचारू संचालन का श्रेय रेफरी राजेश कुमार सिंह, कुंदन कुमार और अजय कुमार झा को दिया गया.

ब्रीफ खबरें

केके पाठक ने किया स्कूलों का निरीक्षण

मधुबनी। जिला मुख्यालय स्थित शिवगंगा बालिका उच्च विद्यालय का निरीक्षण शिक्षा विभाग के वरीय पदाधिकारी केके पाठक ने शुक्रवार को किया. मौके पर पाठक ने उपस्थित शिक्षकों व विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया. पाठक ने गुरुवार को जिला के घोघरडीहा प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण करने के बाद रात्रि विश्राम मुख्यालय स्थित जलसा होटल में किया. इसके बाद उन्होंने शुक्रवार को शिवगंगा बालिका उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया.

दादी ने पोते को जहर देकर मार डाला

नवादा। नवादा में एक लोमहर्षक घटना घटी, जहां शुक्रवार को तीन वर्षीय बालक की मौत हो गई. वहीं, परिजनों ने चचेरी दादी पर बच्चे को जहर देकर हत्या का आरोप लगाया है. मामला वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के धनकौर गांव की है. आरोपी को पुलिस गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है. मृतक मासूम की पहचान विकास कुमार के तीन वर्षीय पुत्र अनमोल कुमार के रूप में की गई है. फिलहाल कारणों का पता नहीं चल सका है. वहीं, पुलिस चचेरी दादी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. मुख्यालय डीएसपी कल्याण आनंद ने बताया कि बच्चे को जहर देकर हत्या करने की सूचना मिली है.

चंदन व शार्गिद समेत दिल्ली से गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जिला पुलिस के इनपुट पर जिले का कुख्यात चंदन राम और उसके एक शार्गिद को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है. चंदन एक सीरियल किलर है. उस पर दर्जनों मामले दर्ज है, जिसमें 6 से ज्यादा हत्या के मामले है. हाल में ही मोतिहारी शहर में हत्या की एक घटना को अंजाम देने के बाद वह फरार चल रहा था. जिसके बाद उसके दिल्ली में होने की सूचना पर स्पेशल सेल की टीम ने धर दबोचा है. बताया गया है कि वह दिल्ली से ही फोन कर लोगों से अवैध वसूली कर रहा था. बिहार पुलिस ने उस पर 50 हजार का इनाम भी घोषित किया था.

उर्मिला इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड का मामला

दूसरे दिन भी पटना-दिल्ली में छापेमारी

संवाददाता। पटना

आयकर विभाग की टीम ने करोड़ों के टैक्स चोरी के मामले में आउटसोर्सिंग कंपनी उर्मिला इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के कई ठिकानों पर शुक्रवार दूसरे दिन छापेमारी की है. ये छापेमारी पटना के दस और दिल्ली के दो ठिकानों पर हुई है. ये छापेमारी पटना में उर्मिला इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के प्रबंध निदेशक अविनाश कुमार के खाजपुरा कॉलोनी में स्थित आवास और पाटलीपुत्रा इंडस्ट्रियल एरिया में की गयी है, जहां से टीम ने 35 लाख से अधिक कैश

फाइल फोटो

बरामद किया हैं, जिसकी जांच चल रही है. इसके साथ ही शुक्रवार को इस कंपनी के दो अन्य निदेशकों के घरों और इनसे जुड़े ठिकानों पर भी टीम जांच कर रही है.

बताया जा रहा है कि छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में दस्तावेज मिले हैं. इसमें सरकारी कर्मियों के अस्थायी बहाली से जुड़े दस्तावेज भी हैं. अविनाश कुमार के अलावा कंपनी के दो अन्य निदेशक में ज्योति कुमारी और सुधीर कुमार सिंह है. आठ साल पुरानी इस कंपनी और इसके निदेशकों से संबंधित कई अन्य कंपनियां भी हैं. सभी स्थानों के कार्यालयों में भी आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी की है.

उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व से ही आयकर विभाग की कई टीमें छापेमारी कर रही हैं. पटना के पाटलीपुत्र औद्योगिक क्षेत्र के पास स्थित कंपनी के कार्यालय और कंपनी के प्रबंध निदेशक अविनाश कुमार के खाजपुरा मोहल्ला स्थित आवास पर छापेमारी हुई है.

रेलवे में लैंड फॉर जॉब का मामला, लालू परिवार को मिली राहत

राबड़ी, मीसा, हेमा और हृदयानंद को अंतरिम जमानत

संवाददाता। दिल्ली/पटना

लैंड फॉर जॉब मामले में लालू परिवार को राहत मिली है. शुक्रवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव और हृदयानंद चौधरी को अंतरिम जमानत मिली है. शुक्रवार को राउज ऐवन्यू कोर्ट में पेश होने के लिए पहुंचे थे. स्पेशल जज विशाल गोगने की कोर्ट में पेशी हुई. इस मामले में ईडी ने 4751 पेज की चार्जशीट दाखिल की है. लैंड फॉर जॉब मामले में ईडी की ये पहली चार्जशीट है. इस मामले में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कुल सात लोगों को आरोपी बनाया है. सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि आरोपी अमित कात्याल ने वर्ष 2006-07 में एके इन्फोसिस्टम नामक कंपनी का गठन किया था. कंपनी आईटी से जुड़ी हुई थी. ईडी ने अदालत को बताया था कि कंपनी ने वास्तविक रूप से कोई व्यापार नहीं किया बल्कि कई भूखंड खरीदे. इनमें से एक भूखंड नौकरी के बदले जमीन घोटाले से हासिल किया गया. मामले में आरोपी अमित कात्याल वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े. आरोपी हृदयानंद चौधरी भी अदालत में पेश होने के लिए पहुंचे. मामले में सभी आरोपियों ने कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की है. राउज एवेन्यू कोर्ट से रेगुलर जमानत की मांग की है. कोर्ट ने ईडी से जमानत अर्जी पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा है.

लालू परिवार से हो रही है लगातार पूछताछ

बता दें कि लैंड फॉर जॉब मामले में लालू परिवार से लगातार पूछताछ हो रही है. अभी कुछ दिनों पहले ही लालू प्रसाद और तेजस्वी से पटना में ईडी ने पूछताछ की थी. लालू को करीब 10 घंटे तो तेजस्वी को 8 घंटे के आसपास बैठाया गया था. कई सवाल पूछे गए थे. अब दिल्ली में राबड़ी, मीसा और हेमा को अंतरिम जमानत मिलने के बाद थोड़ी राहत जरूर मिली है.

पटना में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

घर लौट रहे थे, अपराधियों ने घेर कर मारी चार गोली

संवाददाता। पटना

पटना के खगौल थाना क्षेत्र के नयन चक काली मंदिर के नजदीक गुरुवार की देर रात अपराधियों ने प्रॉपर्टी डीलर को गोलियों को भून डाला. आसपास के लोग इलाज के लिए पटना के एक निजी नर्सिंग होम ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद पूरे इलाका में सनसनी का माहौल कायम हो गया. सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है. मृतक की पहचान प्रॉपर्टी डीलर भानू पासवान के रूप में हुई है.

अपनी कार से घर लौट रहे थे : घटना की जानकारी देते हुए भानू पासवान के साला चितरंजन पासवान ने बताया कि भानू पासवान (40) गुरुवार की देर रात अपनी कार से घर लौट रहे थे. बताया जा रहा है कि घर के कुछ दूरी पर गाड़ी से उतरकर वह पैदल ही घर पहुंचने वाले थे. इसी क्रम में नयानचक काली मंदिर के नजदीक पूर्व से घात लगाए अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ चार गोलियां मार दी.

पुलिस ने छानबीन शुरू की

स्थानीय लोगों ने घायल भानू पासवान को इलाज के लिए पटना के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही खगौल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है. पुलिस ने घटनास्थल एवं आसपास के सीसीटीवी को भी खंगालना शुरू कर दिया है. घटना का कारण आपसी विवाद बताया जा रहा है.

डॉक्टर को इलाज के लिए बुलाया और मार दी गोली

नालंदा। जिले के हिलसा थाना इलाके के अकबरपुर गांव में आरएमपी चिकित्सक को गुरुवार देर रात बदमाशों ने बुलाकर गोली मारकर घायल कर दिया है. घायल हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है. घायल डॉक्टर की पहचान अकबरपुर गांव निवासी दीपक कुमार के रूप में हुई है. जो गांव में क्लिनिक चलाता हैं. गोली लगने की सूचना मिलने पर मौके पर पुलिस पहुंची फिर मामले की जांच में जुट गई. बताया जाता है कि बदमाशों ने मरीज देखने का झांसा देकर डॉक्टर को बुलाया था. मौका मिलते ही गोली मारकर बदमाश फरार हो गए. गोली की आवाज सुनने के बाद गांव वालों ने पुलिस को सूचना दी. मिली जानकारी के अनुसार डॉक्टर को तीन गोली लगी है. घायल डॉक्टर के परिवार वालों ने पुलिस को बताया कि ग्रामीण चिकित्सक क्लिनिक बंद कर घर आ गए थे, लेकिन एक अंजान नंबर से कॉल आया और बोला कि कुर्मिया विगहा मरीज देखने के लिए जाना है. फोन आने के बाद दीपक क्लिनिक खोल कर अपना बैग लेकर निकल गए, जहां बदमाशों ने सुनियोजित तरीके से गोली मारकर जख्मी कर दिया. घटना के कारण का पता फिलहाल नहीं चल सका है, फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

डॉक्टर को पटना रेफर कर दिया गया

इस मामले को लेकर थाना प्रभारी अभिजीत कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी होने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. डॉक्टर को गंभीर हालत में पटना रेफर कर दिया गया था. थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि पूछताछ में पता चला है कि बदमाशों ने इलाज कराने के लिए डॉक्टर को बुलाया था इसके बाद घटना को अंजाम दिया गया है.

सीमांचल से चुनावी बिगुल फूंकेंगे ओवैसी

पटना। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी तीन दिवसीय दौरे पर बिहार के सीमांचल आ रहे हैं. 16 से 18 फरवरी तक बिहार में रहेंगे. 2024 लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे. इस दौरान 16 फरवरी को किशनगंज में जनसभा को भी संबोधित करेंगे. मुस्लिम बहुल सीमांचल की चारों सीट किशनगंज, अररिया, पूर्णिया, कटिहार पर ओवैसी की नजर है. 2020 बिहार विस चुनाव में सीमांचल में पांच सीटों पर ओवैसी की पार्टी की जीत हुई थी.

परीक्षा दिए बिना बन गया शिक्षक, गिरफ्तार

कटिहार। बीपीएससी से दूसरे चरण में बहाल हुए शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है. इसी क्रम में गुरुवार को एक फर्जी शिक्षक की गिरफ्तारी हुई है. कटिहार के शिक्षा विभाग के कार्यालय में सभी सफल अभ्यर्थियों के चेहरा का मिलान और अंगूठे का मिलान हो रहा था. इस दौरान एक शिक्षक के अंगूठे का मिलान नहीं हो सका तो उस पर शक हुआ. इसके बाद पूछताछ की गई तो उसने खुद ही सब बता दिया. फ्रॉड शिक्षक की पहचान मधुबनी जिले के फुलपरास थाना क्षेत्र में सुग्गापट्टी गांव के रहने वाले ओंकार नाथ भिंडवार के रूप में की गई है.

फाइनेंस कंपनी के कर्मियों को बंधक बनाकर 8 लाख की लूट

गया। खिजरसराय के धूरा पर स्थित एक फाइनेंस कंपनी से बदमाशों ने दिनदहाड़े 8 लाख से अधिक रुपये लूट लिए. शुक्रवार को दिनदहाड़े लूट की इस वारदात के बाद हड़कंप मच गया है. घटना खिजरसराय थाना क्षेत्र की है. दो बाइक पर चार हथियारबंद बदमाशों ने पूरी घटना को अंजाम दिया है. बताया जाता है कि फाइनेंस कंपनी के खुलते ही बदमाश सुबह 10 बजकर 5 मिनट के आसपास घुसे. फाइनेंस कंपनी के गार्ड और कर्मियों को हथियार का भय दिखाकर अपने कब्जे में ले लिया. फिर बाथरूम में सबको बंद कर दिया. करीब सात मिनट में बदमाशों ने सारा पैसा लूट लिया.

हथियार लेकर घूसे थे अपराधी

बताया जा रहा है कि घटना को अंजाम देने वाला बदमाशों ने पहले ही रेकी कर ली थी. शुक्रवार को जैसे ही फाइनेंस कंपनी का कार्यालय खुला तो हथियार लेकर सबने धावा बोल दिया. बैंक में तैनात गार्ड जब तक कुछ समझ पाता तब तक बदमाशों ने उसे बंधक बना लिया. इसके बाद अन्य कर्मियों को भी बंधक बना लिया गया.

ऑटो पलटी, आधा दर्जन से ज्यादा घायल

मौनी अमावस्या पर स्नान करने जा रहे दो की मौत

संवाददाता। बगहा

बगहा जिले में शुक्रवार सुबह बगहा एवं वाल्मीकि नगर मुख्य सड़क पर हुए सड़क हादसे में ऑटो सवार आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. वहीं घायल एक महिला व एक पुरूष की मौत हो गई. ये लोग मौनी अमावस्था पर त्रिवेणी संगम पर स्नान करने जा रहे थे तभी यह घटना घटी. घटना से आक्रोशित लोगों ने रोड जाम कर जमकर हंगामा किया. बताया जाता है कि नयागांव-रामपुर

के पास तेज गति से आ रही बोलेरा ने यात्रियों से भरी ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी.टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो में सवार दर्जन भर लोग घायल हो गए. मौके पर पुलिस ने सभी घायलों को जीएमसीएच बेतिया में भर्ती कराया गया.

कारोबार

मैक्स हेल्थकेयर ने किया अधिग्रहण

नयी दिल्ली। स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं से जुड़े मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट ने नागपुर स्थित एलेक्सिस मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड का 412 करोड़ रुपये में अधिग्रहण कर लिया है. मैक्स हेल्थेकेयर ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि 200 बिस्तरों वाला यह अस्पताल नागपुर के उत्तरी इलाके मनकापुर में दो एकड़ भूमि पर स्थापित है. इस अस्पताल की बिस्तर क्षमता को जरूरी नियामकीय अनुमोदनों के बाद बढ़ाकर 340 बिस्तर तक किया जा सकता है.

एचपीसीएल बाड़मेर रिफाइनरी शुरू कर देगी

बेतुल (गोवा)। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) अगले साल जनवरी तक राजस्थान के बाड़मेर में देश की सबसे नई तेल रिफाइनरी शुरू कर देगी, जिससे उत्तर भारत में बढ़ती ईंधन मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी. एचपीसीएल के निदेशक (रिफाइनरी) एस. भारतन ने यहां भारत ऊर्जा सप्ताह (आईईडब्ल्यू) के मौके पर पत्रकारों से कहा, 90 लाख टन प्रति वर्ष की रिफाइनरी 76 प्रतिशत यांत्रिक रूप से पूरी हो चुकी है. साल के अंत तक इसका काम पूरा हो जाएगा. रिफाइनरी से पहला उत्पाद दिसंबर या अगले साल जनवरी में आएगा.

एंटरो हेल्थकेयर सॉल्यूशंस ने जुटाए 716 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। हेल्थकेयर उत्पाद वितरक एंटरो हेल्थकेयर सॉल्यूशंस ने एंकर निवेशकों से 716 करोड़ रुपये जुटाए हैं. बीएसई की वेबसाइट पर बृहस्पतिवार देर रात दी गई जानकारी के अनुसार, कंपनी ने 25 फंड को 1,258 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से कुल 56.95 लाख इक्विटी शेयर आवंटित किए. कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) शुक्रवार को खुला और 13 फरवरी को बंद होगा. आईपीओ के लिए 1,195-1,258 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है.

डीएनपीए कॉन्क्लेव एआई की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा

एआई जीवन को बदलेगा और ट्रांसफॉर्म करेगा

भाषा। नयी दिल्ली

नयी दिल्ली में आयोजित डीएनपीए कॉन्क्लेव और अवाड्र्स 2024 में दुनियाभर में एआई (आर्टिफिशल इंटेलिजेंस) की महत्ता पर प्रकाश डाला गया. इस अवसर पर आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार एआई के फायदों को पहचानने के साथ-साथ इसकी चुनौतियों का भी सक्रिय रूप से समाधान कर रही है. मैं नहीं मानता कि हमें टेक्नोलॉजी से डरना चाहिए. एआई हमारे जीवनकाल का सबसे बड़ा आविष्कार है. उन्होंने कहा हमारा ध्यान इस बदलाव का विरोध करने पर नहीं बल्कि इसका पूरी तरह से दोहन करने पर होना चाहिए. यह तय है कि एआई हमारे जीवन को गहराई से आकार देगा, बदलेगा और ट्रांसफॉर्म करेगा. जिसे हम सामान्य मानते हैं उसे फिर से परिभाषित करेगा. हमें एआई प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय करने की जरूरत है, जिससे इन प्लेटफार्म्स की सेफ्टी और ट्रस्ट सुनिश्चित हो सके. चाहे आप अमेरिका या भारत की कंपनी हों, या एक छोटी या बड़ी एंटिटी हों, आप उपभोक्ताओं को जो भी प्रदान करते हैं वह सुरक्षित होना चाहिए.

न्यूज कंजंप्शन के पूरी तरह से डिजिटल होने में एआई बड़ी भूमिका निभाएगा

वहीं नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत का मानना है कि दुनिया में अपलोड की सबसे ज्यादा संख्या के साथ, न्यूज कंजंप्शन भी पूरी तरह से डिजिटल होने की ओर अग्रसर है और एआई ऐसा करने में एक बड़ी भूमिका निभाएगा. उनका मानना है कि न्यूज कंजंप्शन के पूरी तरह से डिजिटल होने में एआई बड़ी भूमिका निभाएगा. कांत ने कॉन्क्लेव में कहा कि मैं रियल टाइम न्यूज एक्सेस कर सकता हूं. जब तक मुझे अगले दिन अखबार में खबर मिलती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है. यह पुराना हो चुका होता है. रात में, दुनिया के अन्य हिस्सों में कई अन्य चीजें घटित हो चुकी होती हैं.

एआई -जनरेटिव एआई समाचार की दुनिया में बड़ा व्यवधान होगा

अमिताभ कांत का मानना है कि एआई और जनरेटिव एआई न्यूज कंटेंट को स्थानीय बोलियां बोलने वाली डायवर्स ऑडियंस तक पहुंचाने और एक ऑल-इन्क्लूसिव न्यूज एनवॉयर्नमेंट बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. उन्होंने एआई-बेस्ड ट्रांसलेशन टूल भाषिनी एआई का उदाहरण दिया. ये टूल रियल-टाइम में विभिन्न भारतीय भाषाओं को ट्रांसलेट करता है. इसने लैंगवेज बैरियर को तोड़ा है. एआई और जनरेटिव एआई समाचार की दुनिया में अगला बड़ा व्यवधान होगा.

कार्यक्रम को केंद्रीय कौशल विकास मंत्रालय के साथ चलाया जाएगा

बता दें कि एआई की उपयोगिता को देखते हुए माइक्रोसॉफ्ट सजग है. माइक्रोसॉफ्ट भारत के 20 लाख युवाओं को एआई के क्षेत्र में नौकरी के लिहाज से प्रशिक्षित करने के लिए एडवांटेज इंडिया कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की कुछ समय पहले की है. 2025 तक चलने वाले कार्यक्रम को केंद्रीय कौशल विकास मंत्रालय के साथ चलाया जाएगा. प्रशिक्षण में सरकारी विभाग, निजी कंपनियां व गैर-सरकारी संगठन शामिल होंगे .भारत और दक्षिण एशिया में माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष पुनीत चंडोक का कहना है कि एडवांटेज इंडिया पहल पूरे देश में एआई कौशल तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने की दिशा में अहम कदम है. इस कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों और प्रशिक्षण केंद्रों में 5,00,000 छात्रों और नौकरी चाहने वालों को एआई का बुनियादी और उन्नत प्रशिक्षण दिया जाएगा. टियर 2 और 3 के शहरों में उच्च शिक्षा संस्थानों में 5,000 प्रशिक्षकों के जरिये 1,00,000 छात्राओं के लिए एआई तकनीकी कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा. इसके अलावा दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों के स्कूलों में 4,00,000 छात्रों को एआई के जिम्मेदारी से उपयोग और एआई-सक्षम करियर के बारे में जागरूक किया जाएगा, ताकि वे अगली पीढ़ी के एआई इनोवेटर्स बन पाएं. माइक्रोसॉफ्ट सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए भारत के राष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ 2,50,000 सरकारी अधिकारियों को जेनरेटिव एआई का आवश्यक प्रशिक्षण देगा और उनके कामकाज में एआई के उपयोग को बढ़ाया जाएगा.

उपलब्धि

बेहतरीन व इनोवेशन के साथ सेरेमिक टेबलवेयर परिवेश को मिलेगा नया आयाम

क्ले क्राफ्ट इंडिया ने डिजिटल प्रिंटिंग लॉन्च की

एजेंसी। जयपुर

सेरेमिक टेबलवेयर प्रोडक्ट्स बनाने वाले प्रमुख निर्माता क्ले क्राफ्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने डिजिटल प्रिंटिंग के लॉन्च के साथ भारत के पहले सेरेमिक टेबलवेयर निर्माता बनने की उपलब्धि हासिल कर ली है. यह टेक्नोलॉजी बेहतरीन कारीगरी एवं इनोवेशन के साथ सेरेमिक टेबलवेयर परिवेश को नया आयाम देगी. ब्राण्ड ने स्पेन के जाने-माने मशीन सप्लायर केराजेट से आधुनिक प्रिंटर खरीदा है, जिसे विश्वस्तरीय प्रिंटिंग समाधानों के लिए जाना जाता है. क्ले क्राफ्ट का मानना है कि यह डिजिटल प्रिंटिंग उपभोक्ताओं की बदलती पसंद के अनुसार टेबलवेयर के डिजाइन में नया बदलाव लेकर आएगी. टेबलवेयर पर सेरेमिक डिजिटल प्रिंटिंग कई कारणों से आधुनिक है. स्थायी प्रथाओं के लिए भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप डिजिटल प्रिंटिंग पानी और पेपर के इस्तेमाल को कम करेगी, इंक एवं मटीरियल के उपयोग को अनुकूलित कर पर्यावरण के प्रति सजग उत्पादन को बढ़ावा देगी. डिजाइन से लेकर प्रिंट की पूरी प्रक्रिया में मात्र 10 मिनट का समय लगता है, जिससे उत्पादन में बिना किसी देरी के रियल टाइम एडजस्टमेंट को सुनिश्चित किया जा सकता है. डिजिटल प्रिंटिंग के आगमन से न्यूनतम ऑर्डस की आवश्यकता कम हो जाएगी और एक पीस के लिए भी लागत प्रभावी उत्पादन को सुनिश्चित किया जा सकेगा.

डायरेक्टर ने खुशी जतायी

डायरेक्टर भारत अग्रवाल ने बताया कि हमें खुशी है कि खूबसूरत हस्तनिर्मित टेबलवेयर पर सेरेमिक डिजिटल प्रिंटिंग के साथ हम भारत में आधुनिक लेकर आए हैं. हम इस नई तकनीक के साथ देश के सेरेमिक उद्योग में नए विश्वस्तरीय मानक स्थापित करने जा रहे हैं. टेबलवेयर के लिए देश के पहले सेरेमिक डिजिटल प्रिंटर का अधिग्रहण इनोवेशन एवं गुणवत्ता के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

मार्केट में नया बदलाव लेकर आएंगे

केराजेट के एरिया मैनेजर साउथ एशिया विक्टर आहीकार्ट मोम्पलेट ने क्ले क्राफ्ट के साथ साझेदारी पर बात करते हुए बताया कि इस बदलावकारी यात्रा के लिए क्ले क्राफ्ट के साथ साझेदारी करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है. इस साझेदारी के द्वारा हम भारत के टेबलवेयर मार्केट में नया बदलाव लेकर आएंगे. क्ले क्राफ्ट की रचनात्मकता, आधुनिक एवं पेशेवर दृष्टिकोण तकनीकी प्रगति के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

पेटीएम के शेयर में लगातार दूसरे दिन गिरावट

नयी दिल्ली। पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट आई. बीएसई पर कंपनी का शेयर 8.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 408.30 रुपये पर आ गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी का शेयर में 8.20 प्रतिशत गिरकर 410 रुपये पर रहा. वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयर में बृहस्पतिवार को 10 प्रतिशत की गिरावट आई थी. इससे पहले तीन सत्र की भारी गिरावट के बाद गत मंगलवार को शेयर में तेजी आई थी.

अर्टिगा ने 10 लाख बिक्री का आंकड़ा किया पार

नयी दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया के बहुउद्देश्यीय वाहन (एमपीवी) अर्टिगा ने 10 लाख बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है. मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने एक बयान में कहा, अर्टिगा ने उन्नत प्रौद्योगिकी से लैस वाहन के तौर पर एमपीवी की अवधारणा को फिर से परिभाषित किया है. उन्होंने कहा कि यह मॉडल शहरी तथा ग्रामीण दोनों बाजारों में 37.5 प्रतिशत की प्रभावशाली बाजार हिस्सेदारी के साथ देशभर में लोकप्रिय रहा है. मोटर वाहन कंपनी घरेलू बाजार के अलावा 80 से अधिक देशों में इसका निर्यात भी करती है.

मुंबई में गुरुवार को लाइफस्टाइल एशिया मैगजीन की वैलेंटाइंस डे पार्टी के दौरान बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा. -फोटो : पीटीआई

ओयो को आगामी तिमाहियों में वृद्धि की उम्मीद

नयी दिल्ली। आतिथ्य एवं यात्रा-प्रौद्योगिकी मंच ओयो को वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ दोगुना होकर 30 करोड़ रुपये रहने के बाद इसमें लगातार वृद्धि की उम्मीद है. कंपनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रितेश अग्रवाल ने शुक्रवार को कर्मचारियों के साथ बातचीत दौरान कंपनी के मुनाफे में दो गुना वृद्धि की जानकारी दी. ओयो का संचालन करने वाली ओरावेल स्टेज लिमिटेड का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 16 करोड़ रुपये रहा था. अग्रवाल ने कर्मचारियों से कहा, आगामी तिमाहियों में हम शुद्ध लाभ में लगातार वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं.

अवाडा एनर्जी को सौर परियोजनाओं का मिला ठेका

नयी दिल्ली। अवाडा एनर्जी को देश की सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों से 1,400 मेगावाट से अधिक की सौर परियोजनाओं का ठेका मिला है. बयान के अनुसार, कंपनी ने एसईसीआई, जीयूवीएनएल और एनटीपीसी द्वारा जारी निविदाओं में क्रमशः 421 मेगावाट, 280 मेगावाट और 700 मेगावाट की क्षमता वाली परियोजनाओं का ठेका हासिल किया. गुजरात और राजस्थान में विकास के लिए प्रस्तावित ये परियोजनाएं भारत में अपने नवीकरणीय ऊर्जा पहुंच का विस्तार करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती करती हैं.

ब्रीफ खबरें

लोस ने दो दिवंगत पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली। लोकसभा ने शुक्रवार को सदन के दो दिवंगत पूर्व सदस्यों हरमोहन धवन और रुबाब सईदा को श्रद्धांजलि दी. सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने धवन और सईदा के निधन की जानकारी दी. इन दोनों पूर्व सदस्यों का हाल ही में निधन हुआ है. बिरला ने इन दोनों पूर्व सदस्यों के संसदीय जीवन का उल्लेख किया. इसके बाद सभा ने कुछ पल मौन रखकर दोनों दिवंगत पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि दी.

एएसआई ने 357 प्राचीन कलाकृतियां प्राप्त की

नयी दिल्ली। भारत से ले जाए गए पुरावशेषों की वापसी को प्राथमिकता बताते हुए सरकार ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने 1976 से अब तक विदेशों से 357 भारतीय प्राचीन वस्तुएं प्राप्त की हैं. केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने राज्यसभा को गुरुवार को यह भी बताया कि इन पुरावशेषों में से 344 धरोहरें 2014 के बाद एएसआई के सुपुर्द की गई हैं. संस्कृति मंत्री ने कहा कि सरकार पुरावशेषों की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए प्रतिबद्ध है.

मैसूर में बनेगा 'यूनिटी मॉल', मिली मंजूरी

बेंगलुरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने 'एक जिला, एक उत्पाद' परियोजना के तहत केंद्र द्वारा दिए गए 193 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त ऋण की मदद से मैसूर में 'यूनिटी मॉल' बनाने को मंजूरी दे दी है. राज्य के कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने बताया कि कर्नाटक वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, मैसूर प्रदर्शनी प्राधिकरण की 6.5 एकड़ भूमि पर इस मॉल का निर्माण करेगा. पाटिल ने कहा कि यूनिटी मॉल एक प्रदर्शनी केंद्र होगा.

अमेरिका ने हूती विद्रोहियों पर फिर किए हवाई हमले

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने यमन के हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर फिर से हवाई हमले किए हैं. 'सेंट्रल कमांड' ने बताया कि अमेरिकी सैन्य बलों ने गुरुवार को विस्फोटकों से लदी उन चार ड्रोन नौकाओं और सात पोत रोधी क्रूज मिसाइल लॉन्चर को नष्ट कर दिया, जिनके द्वारा लाल सागर में पोतों को निशाना बनाए जाने की आशंका थी. सेंट्रल कमांड ने कहा कि वे क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना के पोतों और वाणिज्यिक पोतों के लिए खतरा थे.

शुक्रवार को प्रयागराज में वार्षिक धार्मिक माघ मेला उत्सव के दौरान मौनी अमावस्या के अवसर पर गंगा नदी में डुबकी लगाने वाले भक्तों का एक हवाई दृश्य. **-फोटो : पीटीआई**

1.4 करोड़ लोगों ने गंगा में लगाई डुबकी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की 'संगम नगरी' प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक लगभग 1.40 करोड़ लोगों ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई. इस बीच, हेलीकाप्टर से स्नान करने वाले श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा भी की गई. माघ मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक करीब 1.40 करोड़ लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया. इस बीच हेलीकाप्टर से स्नान करने वाले श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई. उन्होंने बताया कि गुरुवार मध्यरात्रि 12 बजे से ही जनसैलाब घाटों की तरफ उमड़ा हुआ है और गांव देहात व दूसरे जिलों से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं. अधिकारी ने बताया कि भारी भीड़ को देखते हुए घाटों की लंबाई 6800 फुट से बढ़ाकर 8000 फुट कर दी गई है और कुल 12 घाट बनाए गए हैं एवं सभी घाटों पर पर्याप्त संख्या में वस्त्र बदलने की सुविधा स्थापित की गई है. पुलिस उप महानिरीक्षक (माघ मेला) राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि मेला क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं और पूरे क्षेत्र में 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और कई एआई (कृत्रिम बुद्धिमता) आधारित कैमरे क्रियाशील हैं. मेला क्षेत्र में कोई भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नजर आने पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है. इसके साथ ही आतंक रोधी दस्ता (एटीएस), द्रुत कार्य बल (आरएएफ), एसडीआरएफ , एनडीआरएफ की टीमें, महिला पुलिसकर्मी, घुड़सवार पुलिस, बम निरोधक दस्ते सभी क्रियाशील हैं. मेला अधिकारी दयानंद प्रसाद ने बताया कि इसके अलावा, सार्वजनिक शौचालयों की संख्या भी 1800 से बढ़ाकर छह हजार कर दी गई है और 12,000 संस्थागत शौचालयों के साथ मेला क्षेत्र में शौचालयों की कुल संख्या अब 18,000 हो गई है.

'अवैध' मदरसे और मस्जिद को ढहाए जाने पर भड़की हिंसा, लगाया गया कर्फ्यू

हिंसा के 24 घंटे बाद भी सुलग रहा हल्द्वानी

भाषा। हल्द्वानी

उत्तराखंड के हल्द्वानी में गुरुवार शाम को दंगाइयों ने जमकर उत्पात मचाया. बनभूलपुरा इलाके में पुलिस थाने को घेरकर उस पर न केवल हमला किया गया बल्कि वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को जिंदा जलाने की कोशिश की गई. पुलिस प्रशासन अतिक्रमण को कब्जा मुक्त कराने गया था और इसी दौरान भीड़ आक्रोशित हो गई और जमकर पथराव कर पेट्रोल बम से हमले किए गए. दर्जनों वाहन फूंक डाले गए. इस पूरी घटना में 5 लोगों की मौत हो गई है. बनभूलपुरा में हुई इस हिंसा के बाद वहां कर्फ्यू लगा दिया गया है और इंटरनेट सेवाएं भी सस्पेंड कर दी गई हैं. इस हिंसा के बाद पूरे राज्य में हाई अलर्ट जारी किया गया है. नैनीताल की डीएम वंदना सिंह ने कहा कि गुरुवार को साजिश के तहत पुलिस टीम पर हमला किया गया और थाने को घेरकर अंदर मौजूद लोगों को बाहर नहीं आने दिया गया. उन पर पहले पथराव किया गया और फिर पेट्रोल बम से हमला किया गया. कई वाहनों को आग लगाकर फूंक दिया गया. हिंसा ने इसी बनभूलपुरा इलाके में एक साल पहले हुए बवाल की याद दिला दी.

एक साल पहले भी हुआ था बवाल : यह पहली बार नहीं है जब बनभूलपुरा इस तरह सुलगा हो, एक साल पहले जब कोर्ट के आदेश के बाद यहां अतिक्रमण हटाने की कोशिश की गई थी तो तब भी काफी बवाल हुआ था. रेलवे ने समाचार पत्रों के जरिए नोटिस जारी कर अतिक्रमण करने वालों को 1 हफ्ते के अंदर कब्जा हटाने को कहा था. रेलवे और जिला प्रशासन ने ऐसा न करने पर मकानों को तोड़ने की चेतावनी दी थी. इसके बाद लोगों का विरोध प्रदर्शन इस कदर तेज हुआ कि मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया. सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासने के फैसले पर अस्थायी रोक लगाकर लोगों को राहत दी थी.

रेलवे की जमीन पर दावा

रेलवे ने इसे अपनी जमीन बताते हुए 82.9 किमी से 80.17 किलोमीटर के बीच की जमीन खाली कराना चाहता है और इस पूरी जमीन पर अपना दावा करता है. नैनीताल हाईकोर्ट ने गौला नदी पर अवैध खनन के मामले में सुनवाई करते हुए अवैध निर्माण हटाने का आदेश दिया था. रेलवे दावा करता है कि सभी पक्षों की फिर दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने 20 दिसंबर 2022 को अतिक्रमणकारियों को हटाने का निर्देश दिया. रेलवे दावा करता है कि उसके पास पुराने नक्शे हैं. 1959 का नोटिफिकेशन है. 1971 का रेवेन्यू रिकॉर्ड है. 2017 की सर्वे रिपोर्ट है.

लोगों की दलील

वहीं विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि हाईकोर्ट में 29 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण का मसला था लेकिन अब रेलवे 78 एकड़ से अधिक की सारी जमीन पर अपना दावा कर रही है. प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग है कि राज्य सरकार को नजूल की जमीन के हिसाब से उनकी रिहाइश को मंजूरी देनी चाहिए, न कि रेलवे की जमीन बताकर उनके सौ साल पुराने रिहाइश को उजाड़ देना चाहिए. जिस जमीन को रेलवे अपना बता रही है,वहां करीब 50 हजार लोगों की बस्ती है, जिसे हटाने का आदेश हाईकोर्ट की ओर आया था. बनभूलपुरा में 4 हजार से ज्यादा परिवार रहते हैं. इस क्षेत्र में 4 सरकारी स्कूल, 11 निजी स्कूल, एक बैंक, दो ओवरहेड पानी के टैंक हैं.

प्रशासन सख्त

- प्रशासन अतिक्रमण को कब्जा मुक्त कराने गया था
- पुलिसकर्मियों को जिंदा जलाने की कोशिश की गई

रेलवे की जमीन पर बसी है पूरी बस्ती

दरअसल हल्द्वानी में रेलवे की जिस जमीन पर विवाद है वो बनभूलपुरा से सटी है. हल्द्वानी रेलवे स्टेशन के आसपास का यह इलाका करीब 2 किलोमीटर से भी ज्यादा के क्षेत्र को कवर करता है. इन इलाकों को गफ्फूर बस्ती, ढोलक बस्ती और इंदिरा नगर के नाम से जाना जाता है. यहां रहने वाले लोगों ने पहले रेलवे की इस जमीन पर कब्जा किया और फिर धीरे-धीरे पक्के मकान बनाए और हजारों की संख्या में यहां लोगों की रिहाइश हो गई.

जमीन अवैध है तो सरकारी स्कूल कैसे बने?

यहां रहने वालों का यही सवाल है कि अगर जमीन अवैध है तो सरकारी स्कूल कैसे बने. कैसे बैंक खुल गए? पानी की टंकी अवैध नोटिस के वक्त क्यों बनाई गई. इतना ही नहीं घर का बिजली का मीटर भी चालू है. आजादी के पहले इस हिस्से में बगीचे, लकड़ी के गोदाम और कारखाने थे. इनमें उत्तर प्रदेश के रामपुर, मुरादाबाद और बरेली के अल्पसंख्यक समाज के लोग काम करते थे. धीरे-धीरे वह यहां बसते गए और रेलवे की 29 एकड़ जमीन पर कब्जा हो गया.

अमेरिका में नेवादा के 'रिपब्लिकन कॉकस' चुनाव में ट्रंप की जीत

भाषा। लास वेगास

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार चुनने की प्रक्रिया के तहत हुए नेवादा के कॉकस चुनाव में जीत हासिल कर ली. ट्रंप नेवादा कॉकस में लड़ने वाले एकमात्र प्रमुख उम्मीदवार थे. संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने कॉकस में भाग नहीं लिया. उन्होंने कहा कि वह इसे ट्रंप के पक्ष में एक अनुचित प्रक्रिया मानती हैं. नेवादा कॉकस में जीत के साथ ही ट्रंप को राज्य के सभी 26 'डेलिगेट' (लोगों के समूह का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया व्यक्ति) का समर्थन मिल गया. ट्रंप को पार्टी उम्मीदवार बनने के लिए 1,215 डेलिगेट के मतों की आवश्यकता है और वह मार्च में यह संख्या हासिल कर सकते हैं. अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले देश के दो बड़े दल डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लिकन पार्टी अपने-अपने उम्मीदवारों का चयन करते हैं और इसके लिए दावेदारों के बीच राज्यों में 'प्राइमरी' और 'कॉकस' चुनाव कराए जाते हैं. इन चुनावों के बाद सर्वाधिक डेलिगेट का समर्थन हासिल करने वाला दावेदार पार्टी उम्मीदवार बनता है.

दो करोड़ से अधिक युवाओं को मतदाता सूची में जोड़ा गया है

भारत में लगभग 97 करोड़ मतदाता हैं : निर्वाचन आयोग

भाषा। नयी दिल्ली

भारत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को कहा कि इस साल के लोकसभा चुनाव में लगभग 97 करोड़ भारतीय मतदान करने के पात्र होंगे. उसने यह भी कहा कि 18 से 29 वर्ष की आयु के दो करोड़ से अधिक युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ा गया है. आयोग के मुताबिक पिछले लोकसभा चुनाव 2019 से पंजीकृत मतदाताओं की संख्या में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई है. निर्वाचन आयोग ने कहा कि दुनिया में सबसे बड़ा मतदाता वर्ग-96.88 करोड़ भारत में आगामी आम चुनावों के लिए मतदान करने के लिए पंजीकृत है. निर्वाचन आयोग ने साथ ही कहा कि लैंगिक अनुपात 2023 में 940 से बढ़कर 2024 में 948 हो गया है. एक अधिकारी ने बताया कि आयोग ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण में पारदर्शिता के साथ-साथ मतदाता सूची की शुद्धता व शुचिता पर विशेष जोर दिया है.

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने पुणे में एक संवाददाता सम्मेलन में हर चरण में राजनीतिक दलों की भागीदारी के साथ-साथ मतदाता सूची के पुनरीक्षण में शामिल विभिन्न कार्यों के बारे में जानकारी दी.

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की हुई घोषणा

दिल जीत लिया : जयंत चौधरी

भाषा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने की घोषणा करने पर खुशी जाहिर करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिल जीत लिया... वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जननेता, किसानों के मसीहा, गांवों, अन्नदाता किसानों, शोषितों एवं वंचितों के उत्थान के लिए आजीवन समर्पित रहने वाले पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को 'भारत रत्न' प्रदान करने की घोषणा अभिनंदनीय है. चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा का मुद्दा उत्तर प्रदेश विधानसभा में भी उठा, जहां सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने केंद्र सरकार के इस फैसले की सराहना की.

मायावती ने की कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने शुक्रवार को कहा कि जिन भी हस्तियों को भारतरत्न से सम्मानित किया गया उन्हें शुभकामनाएं लेकिन, इस मामले में खासकर दलित हस्तियों का तिरस्कार और उपेक्षा करना उचित नहीं. मायावती ने कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग दोहरायी.

जगन मोहन रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की मुलाकात

आंध्र को विशेष दर्जा देने की मांग की

भाषा। नयी दिल्ली

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यहां मुलाकात की और राज्य को विशेष दर्जा देने की मांग की. जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने यह जानकारी दी. प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने भी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जगन और मोदी की मुलाकात की जानकारी दी. रेड्डी 2019 के विधानसभा चुनाव में राज्य को विशेष दर्जा दिलाने की मांग के वादे के साथ सत्ता में आए थे और

इस मुद्दे पर पहले भी प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से कई बार मुलाकात कर चुके हैं.

पार्टी सूत्रों ने बताया कि आंध्र प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा अपनी स्थिति मजबूत करने और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से गठबंधन करने की संभावना के बीच रेड्डी आखिरी कोशिश के तहत राष्ट्रीय राजधानी आए हैं. सूत्रों ने बताया कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने संसद परिसर में प्रधानमंत्री से मुलाकात की और लंबित योजनाओं पर चर्चा की और राज्य को विशेष दर्जा देने सहित विभिन्न मांग रखी. विशेष श्रेणी का दर्जा आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के प्रावधानों में से एक है, जिसके जरिये जून 2014 में अलग तेलंगाना राज्य का गठन किया गया था.

कॅरियर-काउंसिलिंग

रेडियो जॉकी की पढ़ाई कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

रजनीश प्रसाद। रांची

रेडियो जॉकी (आरजे) वह व्यक्ति होता है, जो रेडियो प्रसारण में ऑन एयर स्थिति को ऑपरेट करता है. एक रेडियो जॉकी, जो एक रेडियो शो होस्ट करता है, उसे रेडियो पर्सनैल्टी के रूप में भी जाना जाता है. रेडियो जॉकी के क्षेत्र में कॅरियर बनाना किसी छात्र को क्यों चुनना चाहिए, इससे जुड़ी कुछ बातें नीचे बताई गई है. एक रेडियो जॉकी अब पिछली रेडियो हस्ती के समान नहीं है, जिन्हें केवल अनाउंसर के रूप में देखा जाता था. अब वे न केवल सूचित करते हैं, बल्कि वे आपका मनोरंजन भी करते हैं और आपके साथ जुड़ते हैं. अब कुछ रेडियो जॉकी मशहूर हस्तियों में गिने जाते हैं.

टॉप रिक्रूटर्स

- रेडियो मिर्ची 98.3
- फीवर 104 एफएम
- रेडियो मिर्ची
- ऑल इंडिया रेडियो
- रेडियो एफएम 93.5
- टाइम्स एफएम
- टीईडी
- बिग एफएम 92.7

आरजे के लिए आवश्यक गुण

- एक रेडियो जॉकी की आवाज अच्छी होनी चाहिए, क्योंकि उसका मुख्य काम बहुत कुछ बोलना है.
- एक रेडियो जॉकी के पास स्थिति के अनुसार स्किल्स होना चाहिए.
- रेडियो जॉकी की भाषा अच्छी होनी चाहिए.
- उसे आवाज की लय को नियंत्रित करने में सक्षम होना चाहिए.
- उसके पास अच्छा कंटेंट राइटिंग स्किल होना चाहिए.

रेडियो जॉकी बनने के लिए कोर्सेज

- डिप्लोमा इन प्रोग्राम एंड ब्रॉडकास्ट मैनेजमेंट
- डिप्लोमा एंड सर्टिफिकेट कोर्स इन रेडियो जॉकिंग
- डिप्लोमा इन रेडियो जॉकिंग एंड रेडियो प्रोडक्शन
- डिप्लोमा इन रेडियो मैनेजमेंट
- सर्टिफिकेट कोर्स इन रेडियो प्रोडक्शन प्रोग्राम
- सर्टिफिकेशन कोर्स इन रेडियो जॉकिंग
- सर्टिफिकेट कोर्स इन रेडियो जॉकिंग एंड एंकरिंग टीवी जर्नलिज्म
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा ब्रॉडकास्ट मैनेजमेंट एंड इन रेडियो
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा रेडियो प्रोग्राम एंड मैनेजमेंट

कॅरियर स्कोप

- **एफएम /एएम रेडियो जॉकी :** एफएम/एएम रेडियो स्टेशन के लिए काम कर रहे हैं व्यक्ति को भीड़ के साथ इंटरफेस करना, संगीत बजाना या बात करना होता है. वे आम तौर पर रेडियो प्रसारण के लिए काम करते हैं.
- **स्पोर्ट्स टॉक रेडियो जॉकी :** स्पोर्ट्स टॉक रेडियो जॉकी को विभिन्न प्रकार के खेल समाचारों और घटनाओं की जांच करने के लिए दर्शकों के साथ इंटरफेस करने की आवश्यकता होती है. स्पोर्ट्स टॉक रेडियो जॉकी या तो पिछला प्रतियोगी, टीवी एंकर या खिलाड़ी होना चाहिए.
- **सैटेलाइट रेडियो जॉकी :** सैटेलाइट रेडियो जॉकी का काम एफएम/एएम रेडियो स्टेशन की तरह ही होता है. वे आम तौर पर मुद्दे की प्रभाव क्षमता के बारे में सोचे बिना स्पष्ट रूप से बात करते हैं. उनका प्रबंधन किसी बोर्ड द्वारा नहीं किया जाता है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)